@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 28 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 20 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



जनगणना में भागीदारी - विकसित भारत की तैयारी

स्व-गणना 16 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 | se.census.gov.in

केवल गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लिए

हमारी जनगणना, हमारा विकास | se.census.gov.in | 1800 180 1855 | 1855 | CensusIndia2027

जनगणना से जुड़ी जानकारी के लिए स्कैन करें

गृह मंत्रालय भारत सरकार

CBC 19108/13/0185/2627

लोकसभा में बढ़ेंगी 50 फीसदी सीटें

मोदी कैबिनेट ने प्रस्ताव को दी मंजूरी, 2051 तक लागू रहेगी व्यवस्था

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में शुक्रवार को लोकसभा की सीटों में सभी राज्यों में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। सीटों की यह संशोधित अधिकतम सीमा साल 2050 तक लागू रहेगी।

यह बड़ा फैसला 30 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र से ठीक पहले लिया गया है, जिसके दौरान सरकार द्वारा डिलिमिटेशन से जुड़े महिला आरक्षण विधेयक में बदलावों को पेश किए जाने की उम्मीद है।

दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने की कोशिश

लोकसभा सीटों में प्रस्तावित



इस बढ़ोतरी को परिसीमन के कारण दक्षिण भारत के राज्यों के प्रतिनिधित्व पर पड़ने वाले असर को लेकर उठ रही चिंताओं को दूर करने के सरकारी प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले आई खबरों में भी यह संकेत दिया गया था कि सरकार 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों की मौजूदा अंतर-राज्यीय हिस्सेदारी को बरकरार रखते हुए सभी राज्यों में सीटों को 50 प्रतिशत बढ़ाने के फॉर्मूले पर विचार कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में यह कैबिनेट बैठक दोपहर 1 बजे सेवा तीर्थ में बुलाई गई थी, जिसमें सभी मंत्रियों को उपस्थित रहने के लिए कहा गया था।

संसद के विशेष सत्र का कार्यक्रम

संसद का विशेष सत्र 30 नवंबर को लोकसभा की बैठक के साथ शुरू होगा, जबकि राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर से होगी। सरकारी कामकाज की उपलब्धता के आधार पर इस विशेष सत्र के 3 दिसंबर को समाप्त होने की उम्मीद है।

महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन की तैयारी

सरकार उस पिछले कानून में संशोधन करने पर विचार कर रही है, जिसका उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना है।

ये प्रस्तावित बदलाव अप्रैल में लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 के पारित न हो पाने के बाद लाए जा रहे हैं।पिछले विधेयक में महिला आरक्षण को लागू करने की प्रक्रिया को परिसीमन से जोड़ा गया था और लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने का प्रस्ताव रखा गया था।

कुलगाम में पानी जमा, श्रीनगर में सबसे ठंडी रात

राजस्थान-एमपी में शीतलहर, 13 राज्यों में घना कोहरा

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में तेज सर्दी शुरू हो चुकी है। गुरुवार को श्रीनगर में -1.9°C के साथ सीजन की सबसे ठंडी रात रही। कुलगाम में पेड़ों की टहनियों पर बर्फ जम गई। जलस्रोतों और पानी की पाइपलाइनों में भी पानी जमने लगा है। कश्मीर संभाग के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियों का ऐलान किया गया है। प्री-प्राइमरी से 8वीं तक के स्कूल 30 नवंबर से 28 फरवरी तक बंद रहेंगे। वहीं, 9वीं से 12वीं तक की क्लास के लिए छुट्टियां 14 दिसंबर से 22 फरवरी

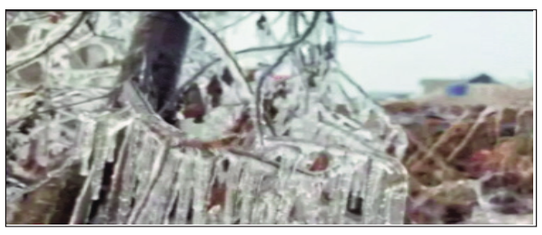

तक रहेंगी। राजस्थान और मध्य प्रदेश के 22 शहरों में तापमान 10°C से नीचे पहुंच गया है। गुरुवार को फतेहपुर में 4.3 और एमपी के करौंदी में 6.8°C पारा रहा। दोनों राज्यों में आज से शीतलहर और बढ़ेगी। सर्दी का असर दक्षिण भारत में भी दिखाई दे रहा है। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में तापमान 9.6°C पर पहुंच गया है। वहीं, यूपी, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल समेत उत्तर भारत के 13 राज्यों में आज घने कोहरे का अलर्ट है। दिल्ली, यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घन कोहरे का अलर्ट है।

राजस्थान में लगातार दूसरे दिन शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। आंध्र प्रदेश, रायलसीमा में तेज हवाएं चल सकती हैं।

सार संक्षेप

उपराष्ट्रपति शनिवार को काशी तमिल संगमम 5.0 के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जाएंगे, जहां वह काशी तमिल संगमम 5.0 के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों को मजबूत करना है। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन 28 नवंबर को वाराणसी के दौरे पर रहेंगे। काशी तमिल संगमम का यह पांचवां संस्करण 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाता है।

किरेन रिजिजू ने चार दिवसीय संसद सत्र में सदस्यों से सार्थक चर्चा का आग्रह किया

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सांसदों से सोमवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय संसद सत्र में सार्थक चर्चा करने का आग्रह किया है। किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों के विशेष सत्र से पहले नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि इन विधेयकों को 2 दिसंबर से शुरू होने वाले राज्यसभा के सत्र में भी पेश किया जाएगा। लोकसभा की बैठक सोमवार, 30 नवंबर को फिर से शुरू होगी, जबकि राज्यसभा की बैठकें 2 दिसंबर से शुरू होने वाली हैं।

मोहन भागवत ने शाहनवाज हुसैन के आवास पहुंचकर बेटे-बहू को दिया आशीर्वाद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन के दिल्ली स्थित आवास पहुंचे और उनके बेटे अरबाज हुसैन और पुत्रवधू अफशां को आशीर्वाद दिया। शाहनवाज हुसैन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्रद्धेय मोहन भागवत जी हमारे दिल्ली स्थित आवास पर पुत्र अरबाज एवं पुत्रवधू अफशां को आशीर्वाद देने पधारे। 'उन्होंने कहा कि डॉ. भागवत का स्नेह और आशीर्वाद उनके पूरे परिवार के लिए अमूल्य है।

मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग के आन्तरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय के नवचयनित अभ्यर्थियों, सहायक लेखाकार एवं लेखा परीक्षक को नियुक्ति पत्र प्रदान किए

कौमी पत्रिका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि किसी भी युवा के जीवन में नियुक्ति पत्र केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि उसके वर्षों के परिश्रम, संघर्ष, प्रतिभा और सपनों को मिली पहचान है। जब किसी युवा को उसकी योग्यता और मेहनत के आधार पर बिना किसी सिफारिश एवं भेदभाव



के नियुक्ति मिलती है तो उसके चेहरे पर आने वाली चमक केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं होती, बल्कि यह नए उत्तर प्रदेश के आत्मविश्वास और नई पहचान की चमक होती है।मुख्यमंत्री जी आज यहां मिशन रोजगार के अन्तर्गत निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया द्वारा वित्त विभाग के आन्तरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय के नवचयनित 1,594 अभ्यर्थियों (1,393 सहायक लेखाकार एवं 201 लेखा परीक्षक) को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ हो रही नियुक्तियों ने युवाओं को नई उ?ान दी है। चयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता या भेदभाव के बिना योग्यता के आधार पर नियुक्ति मिलना प्रदेश की नई कार्य संस्कृति और पहचान है। अब उत्तर प्रदेश का युवा प्रदेश में ही रोजगार प्राप्त कर रहा है और अपनी प्रतिभा के बल पर प्रदेश के विकास में योगदान दे रहा है। विगत साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश के लगभग पौने 10 लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। प्रदेश सरकार द्वारा अगले 06 महीने में एक लाख और युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने की घोषणा की थी, जिनमें आधे से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। आगामी दिनों में लगभग 8,000 लेखापालों, 42,000 होमगार्डों तथा शिक्षा विभाग से सम्बन्धित लगभग 2,000 अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किये जाएंगे। मुख्यमंत्री जी ने नवनियुक्त सहायक लेखाकारों एवं लेखा परीक्षकों को उनके दायित्वों की गम्भीरता समझाते हुए कहा कि वित्त विभाग में कार्य करने वाले कार्मिकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता किसी भी शासन व्यवस्था की आधारशिला हैं। इसलिए प्रत्येक कार्मिक को अपने कार्य में ईमानदारी, निष्ठा और जवाबदेही बनाए रखनी होगी। वित्तीय मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होनी चाहिए और न ही शासन को किसी प्रकार की क्षति पहुंचनी चाहिए। आप सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक कार्य नियमों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप सम्पादित हो। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी को अपने वरिष्ठ अधिकारी के गलत निर्देशों का पालन नहीं करना चाहिए। यदि कोई गलत कार्य करने के लिए कहता है तो स्पष्ट रूप से मना कर देना चाहिए। किसी भी गलत कार्य में हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए। प्रत्येक निर्णय मेरिट एवं नियमों के आधार पर होना चाहिए। वित्तीय अनुशासन से जुड़े पदों पर कार्य करने वाले कार्मिकों को विशेष रूप से सजग रहना होगा, क्योंकि उनके हस्ताक्षर और निर्णयों में प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था का विश्वास निहित है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठा और समयबद्धता किसी भी कर्मचारी की सबसे बड़ी विशेषता होती है। शेष पृष्ठ 3 पर

कांग्रेस को दी जा रहीं कमजोर सीटें, सपा से गठबंधन का क्या फायदा: इमरान मसूद

सहारनपुर। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व सांसद इमरान मसूद अपने बयानों को लेकर पिछले कई दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर इमरान मसूद का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इमरान मसूद ने कहा कि गठबंधन में कांग्रेस को केवल सीटों की संख्या नहीं, बल्कि जीतने की संभावना वाली सीटें भी मिलनी चाहिए। क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों जरूरी हैं। कांग्रेस को ऐसी सीटें दी जा रही हैं, जहां पिछले चुनावों में हार का अंतर 80 हजार से लेकर एक लाख से अधिक वोटों तक रहा है। ऐसे में कांग्रेस उन सीटों पर चुनाव लड़कर क्या हासिल करेगी। मसूद ने कहा कि कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी के हितों की बात करना गलत नहीं है। अगर गठबंधन में कांग्रेस को कमजोर सीटें ही दी जानी हैं तो फिर गठबंधन में उसकी जरूरत क्या है। जीतने की क्षमता का प्रमाणपत्र केवल एक पार्टी के पास नहीं है। कांग्रेस भी अपनी ताकत रखती है। सीटों के बंटवारे में उसकी हैसियत और प्रदर्शन को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा कि बार-बार कांग्रेस की कमजोरियों का हवाला दिया जाता है। कभी जमानत जब्त होने तो कभी संगठन और कार्यकर्ताओं की कमी की बात कही जाती है। अगर कांग्रेस इतनी ही कमजोर है तो फिर उसके साथ गठबंधन करने के लिए इतनी जल्दीबाजी क्यों है। गठबंधन में शामिल होने का मतलब यह नहीं है कि कांग्रेस दूसरे के सामने सरेंडर कर दे। वह अपनी पार्टी के हितों के लिए आखिरी दम तक लड़ेंगे। वीडियो में सांसद ने कहा कि उनकी छवि गठबंधन विरोधी के रूप में पेश की जा रही है, जबकि वह केवल सम्मानजनक सीट बंटवारे की बात कर रहे हैं। कांग्रेस ने पहले भी गठबंधन के लिए प्रयास किए हैं। वर्ष 2022 में भी वह समाजवादी पार्टी के साथ रही थी। राष्ट्रीय लोकदल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी समेत कई दल गठबंधन में थे, लेकिन इसके नतीजों पर गंभीरता से चिंतन और मंथन करने की जरूरत है।

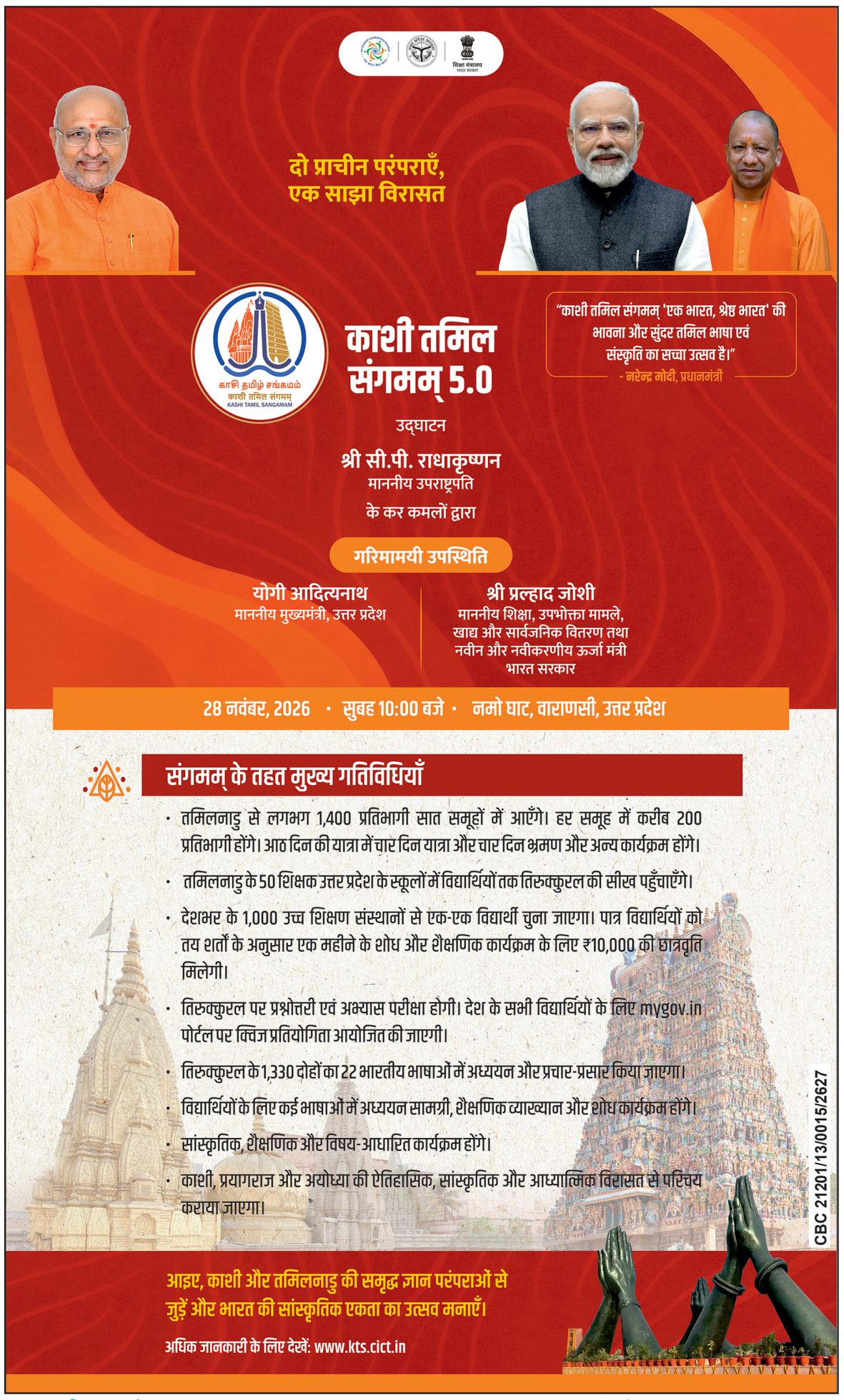

दिल्ली में सगाई से लौट रहे युवक पर चाकू से हमला, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नेताजी सुभाष प्लेस (एनएसपी) थाना क्षेत्र में सड़क पर हुए मामूली विवाद ने एक युवक की जान ले ली। शकूरपुर में किसी की सगाई से लौट रहे 27 वर्षीय योगेश की आई-20 कार सवार युवकों से कहासुनी हो गई, जिसके बाद आरोपियों ने उसके गले पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल योगेश को महाराजा अग्रसेन अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार देर रात डेढ़ बजे की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और योगेश को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मौके से सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।



मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। योगेश की बुआ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें अभी तक पूरी घटना के बारे में कुछ भी पता नहीं चला है। उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ इतना पता चला है कि रात को सगाई से लौटते समय यह घटना हुई। योगेश की उम्र 27 साल थी। पुलिस आई थी लेकिन अभी क्या कार्रवाई हो रही है, हमें नहीं पता।' वहीं, योगेश की दादी ने बताया, 'योगेश सगाई से आ रहा था। उसके साथ और भी लोग थे। योगेश कह रहा था कि इधर से जाऊंगा, मैं तो उधर से ही जाता हूं। दूसरा लड़का बोला नहीं, इधर से चलो। रास्ते में ही मारने-पीटने लगे। दोनों को धक्का देकर वो भागकर आ रहा था, फिर पीछे से क्या मारा, क्या नहीं मारा, हमें नहीं पता।' परिजनों ने कहा कि योगेश बच्चों को स्कूल ले जाने और ले आने का काम करता था। उसका किसी से कोई झगड़ा नहीं था। उन्होंने कहा, 'हमारे बच्चे किसी से बोलते भी नहीं हैं। समझ नहीं आ रहा कि क्यों उसके साथ इस तरह की वारदात हुई।' पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंस्टाग्राम-अमेजन ठगी : मास्टरमाइंड गिरफ्तार, 1.04 लाख बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की साइबर शाखा ने इंस्टाग्राम पर फर्जी शॉपिंग और अमेजन डिलीवरी के नाम पर चल रही ठगी के बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड अशोक कुमार मीणा सहित दो आरोपियों को दिल्ली और जयपुर से गिरफ्तार किया है। एक पीड़ित महिला से ठगे गए 1.04 लाख भी बरामद कर वापस लौटा दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह इंस्टाग्राम पर आकर्षक कीमतों पर सामान बेचने वाले फर्जी शॉपिंग पेज चलाता था। ग्राहकों को कम दाम का लालच देकर एडवांस पेमेंट के लिए व्हाट्सएप पर बुलाया जाता था। इसके बाद आरोपी खुद को अमेजन का डिलीवरी एजेंट बताकर फर्जी व्हाट्सएप नंबर और नकली पहचान पत्रों का इस्तेमाल करते थे। वे ऑफर वेरिफिकेशन, प्रोसेसिंग चार्ज और रिफंड एक्टिवेशन जैसे विभिन्न शुल्कों के नाम पर पीड़ितों से बार-बार पैसे ऐंठते थे। ठगी गई रकम को छिपाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया जाता था, इस एक ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के क्यूआर कोड के जरिए ट्रांसफर किया जाता था। यह मामला मालवीय नगर की महिला की शिकायत से शुरू हुआ, पीड़ित महिला ने इंस्टाग्राम पर 999 रुपये का बैग ऑर्डर किया था और जिसके बाद उससे कुल 1,03,973 रुपए की धोखाधड़ी की गई। 12 जुलाई, 2026 को दर्ज शिकायत के बाद, पुलिस की एक विशेष टीम ने जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण और संदिग्ध व्हाट्सएप नंबरों की जांच के बाद, पुलिस जयपुर पहुंची और आरोपी अजय मीणा को गिरफ्तार किया। लगातार तकनीकी निगरानी के बाद, गिरोह के मास्टरमाइंड अशोक कुमार मीणा को 23 नवंबर, 2026 को दिल्ली से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने चार मोबाइल फोन (जिसमें से एक आईफोन 17 प्रो अपराध से अर्जित धन से खरीदा गया था), नितिन कुमार सिंह के नाम पर फर्जी पैन व आधार कार्ड, अमेजन के नकली आईडी कार्ड और सात फर्जी इंस्टाग्राम शॉपिंग पेजों का डिजिटल डेटा बरामद किया है। इसके अतिरिक्त, पुलिस को 57 अन्य संभावित पीड़ितों की सूची भी मिली है, जिनकी पहचान की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है ताकि पूरे भारत में अन्य पीड़ितों की पहचान की जा सके और उनके पैसे वापस दिलाए जा सकें। दोनों गिरफ्तार आरोपी जयपुर के रहने वाले हैं और इनका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने पकड़ा बेल्ट के बक्कल में छिपा चाकू, हांगकांग से आया था यात्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बेल्ट के बक्कल में छिपा हुआ चाकू बरामद किया। सीआईएसएफ कर्मियों की तेज नजर और पेशेवर सतर्कता से यह छिपा हुआ हथियार पकड़ में आया। यात्री हांगकांग से आया था और उसे आगे रायपुर जाना था। सुरक्षा जांच के दौरान एक्स-बीआईएस इमेज की जांच करते समय स्क्रीनर ने एक असामान्य धातु की वस्तु देखी और बैगेज को भौतिक जांच के लिए भेजा। इसी जांच में बेल्ट के बक्कल में छिपा हुआ चाकू बरामद हुआ। निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया के अनुसार प्रतिबंधित सामान को हटा दिया गया। सीआईएसएफ ने कहा कि यह पकड़ उनकी अटूट सतर्कता और पेशेवर क्षमता और चौकसी के जरिए मजबूत विमानन सुरक्षा बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बता दें कि इससे पहले 28 अक्टूबर को बिहार के गयाजी हवाई अड्डे पर तैनात सीआईएसएफ के जवानों ने नियमित प्री-एम्बार्केशन सुरक्षा जांच (पीईएससी) के दौरान तस्करी का संदिग्ध सोना बरामद किया था। हवाई अड्डे के घरेलू सुरक्षा होल्ड क्षेत्र में इंडिगो की घरेलू उड़ान से कोलकाता जाने वाले एक यात्री ने अपने हैंड बैगेज को प्री-एम्बार्केशन सुरक्षा जांच बिंदु पर स्क्रीनिंग के लिए रखा था। एक्स-रे बैगेज निरीक्षण प्रणाली (एक्स-बीआईएस) के दौरान ड्यूटी पर तैनात सतर्क सीआईएसएफ स्क्रीनर ने बैग के भीतर छिपी एक असामान्य सघन धात्विक वस्तु की छवि देखी और तुरंत उस बैग को गहन भौतिक जांच (फिजिकल चेक) के लिए अलग किया था। बैगेज की विस्तृत जांच करने पर लगभग 110 ग्राम की बिस्कुट के आकार की सुनहरे रंग की एक धात्विक वस्तु बरामद हुई थी, जिसके सोना होने का संदेह था। यात्री इसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका था। त्वरित अंतर-एजेंसी समन्वय का प्रदर्शन करते हुए सीआईएसएफ एएसजी गया के क्राइम इंटेलिजेंस विंग ने तत्काल गया एवं पटना स्थित आयकर विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में सूचित किया था। इसके साथ ही, त्वरित कार्रवाई हेतु सीआईएसएफ एएसजी कोलकाता को भी अग्रिम सूचना साझा की गई थी।

दिल्ली पुलिस ने 17 साल के नौशाद की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने सुभाष प्लेस इलाके में 17 वर्षीय नाबालिग की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा है। इनमें दो नाबालिग आरोपी हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि शकूरपुर गांव इलाके में एक झगड़े के बाद लड़के को चाकू मार दिया गया था। पुलिस के अनुसार, यह घटना 26 नवंबर को हुई। मृतक की पहचान 17 वर्षीय नौशाद के रूप में हुई। अधिकारियों ने बताया कि नौशाद और आरोपियों के बीच किसी छोटी-सी बात को लेकर बहस हुई थी। बताया जा रहा है कि यह विवाद हिंसक हो गया, जिसके दौरान नौशाद को चाकू मार दिया गया। घायल नौशाद को तुरंत इलाज के लिए भगवान महावीर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद सुभाष प्लेस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 103(1), 126(2) और 3(5) के तहत 26 नवंबर को एक एफआईआर दर्ज की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा, जिनमें दो नाबालिग और 21 साल का अतीकुर रहमान शामिल है। पुलिस ने बताया कि बाकी आरोपियों को पकड़ने और इस अपराध में शामिल सभी लोगों की अलग-अलग भूमिकाओं का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने मंत्री कपिल मिश्रा के कार्यालय के बाहर हुई हत्या के मामले में वांछित अमन गाजी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। करावल नगर इलाके के रहने वाले अमन गाजी को बुधवार रात करीब 11.30 बजे नानक सर और थर्ड पुश्ता के बीच एक श्मशान घाट के पास स्पेशल स्टाफ ने रोका था। पुलिस के मुताबिक, उसने पुलिस टीम पर गोली चलाई, जो कांस्टेबल मुकेश की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। इसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिससे आरोपी के बाएं पैर में चोट लग गई। बाद में उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दिल्ली सरकार ने 'शीशमहल' को जनता के लिए खोला, प्रवेश वर्मा बोले- कोविड के समय भी नहीं रुका था काम

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व आधिकारिक आवास को आम लोगों के लिए खोल दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बंगले को 'शीश महल' कहकर संबोधित करती रही है। सरकार ने आवास के नवीनीकरण, साज-सज्जा और फर्निशिंग पर हुए खर्च को प्रमुखता से सामने रखते हुए इसे सार्वजनिक अवलोकन के लिए उपलब्ध कराया है।

उन्होंने कहा, 'आज शीशमहल खोलने का उद्देश्य जनता को यह दिखाना है कि उनका पैसा कहां खर्च हुआ है। लोगों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि करदाताओं के पैसे का उपयोग कैसे हो रहा है। जिस व्यक्ति ने एक बार दावा किया था कि वह न तो कार लेगा और न ही बंगला और सरकार से एक मामूली दो कमरों का मकान चाहता था, उसका शुरुआती प्रोजेक्ट बजट 8 करोड़ रुपये था, जो अंत में 58 करोड़ रुपये को पार कर गया।'

प्रवेश वर्मा ने कहा, 'शीशमहल पार्ट 2 भी बनने जा रहा था, जिसे हमारी सरकार ने आते ही रोक दिया। दिल्ली की जनता मुझे बार-बार कहती थी कि हमको भी शीशमहल दिखाइए। मीडिया के बहुत सारे लोगों ने भी हमें कहा कि हमको शीशमहल लेकर चलिए। तो ऐसे में अंदर के सारे सामान और वस्तुओं के पैसे कहां खर्च हुए, उन सभी के प्राइस टैग लगाए गए हैं। तो हर प्राइस टैग के साथ उसका बिल नंबर भी लिखा हुआ है।'

प्रवेश वर्मा ने कहा, 'जब दिल्ली में कोविड चल रहा था, पूरे देश में कोविड की लहर थी, तब तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन थे। दिल्ली में एक महीने में 22 हजार मौतें होती थीं। दिल्ली के श्मशान घाटों में लकड़ी नहीं मिलती थी। चिता जलाने के लिए जगह नहीं मिलती थी। उस समय सत्येंद्र जैन कोई अस्पताल बनाने के लिए सिफारिश नहीं करते थे, कोई दवाई खरीदने के लिए अर्जेंट एक्शन रिक्वायर्ड नहीं लिखते थे। मगर शीशमहल का काम एक भी दिन न रुके, इसके लिए फाइल पर लिखते थे कि यह बहुत जरूरी है। दिल्ली में लॉकडाउन लगा था, और शीशमहल का काम एक दिन भी नहीं रुका। ऐसे तत्कालीन दिल्ली सरकार के आदेश थे।'

उन्होंने कहा, 'जहां पर चिताएं जल रही थीं, जहां पर लोगों को ऑक्सीजन नहीं मिल रही थी, वहीं पर केवल केजरीवाल और उनके परिवार को चिंता थी कि कैसे वियतनाम से मार्बल खरीदा जाए। कैसे करोड़ों रुपए के पर्दे, कैसे देश के बड़े-बड़े शोरूम से फर्नीचर लिए जाएँ, खरीदे जाएं। कोई मेड इन स्पेन है, तो कोई मेड इन इटली है। मेड इन वियतनाम है। शीशमहल खोलने का एक ही मकसद है कि जनता को सच्चाई खुद अपनी आंखों से देखनी चाहिए। जनता यहां पर आए और अपनी आंखों से देखे।'

बता दें कि सरकार द्वारा लगाए गए डिस्प्ले में 11 लाख रुपए के झूमर से लेकर 5.69 लाख रुपए के पर्दों तक की जानकारी दी गई है। हर सामान पर उसका प्राइस टैग और बिल नंबर लिखा है, ताकि जनता खुद देख सके कि किस चीज पर कितना पैसा खर्च हुआ।

निवास के बाहर लगाया गया एक बोर्ड संपत्ति पर कुल खर्च 58,83,66,314 रुपए (लगभग 58.83 करोड़ रुपए) दिखाता है। सरकार ने भवन में इस्तेमाल की गई विभिन्न वस्तुओं की कीमतों को उजागर करने वाले डिस्प्ले भी लगाए हैं, जिनमें फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सजावटी सामान शामिल हैं।



आगंतुकों और मीडिया कर्मियों को अंदर का हिस्सा दिखाया गया, जिसमें कई वस्तुओं के लिए अलग-अलग कीमत विवरण प्रदर्शित किए गए थे, जिनमें टेलीविजन, 5,58,885 रुपये के स्क्वायर सोफे, डाइनिंग टेबल और कुर्सियां, 10 लाख रुपये की गोल साइड टेबल, 1,96,482 रुपये का डबल बेड, पर्दे और कंसोल यूनिट शामिल हैं।

प्रदर्शित खर्चों में, एक कंसोल की कीमत 3,34,484 रुपये थी, जबकि पर्दे 5,69,162 रुपए के बताए गए। डिस्प्ले में निवास के विभिन्न हिस्सों और उनके अंदरूनी हिस्सों पर किए गए खर्च को भी उजागर किया गया।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने संविधान दिवस फोटो प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित पटियाला हाउस कोर्ट में संविधान दिवस फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह हमारे गणराज्य की जीवंत आत्मा है, जिसका निर्माण हमारे संविधान निर्माताओं की सामूहिक बुद्धिमत्ता, त्याग और कलात्मक विरासत से हुआ है।

इस प्रदर्शनी का आयोजन अधिवक्ता परिषद, दिल्ली प्रांत (पटियाला हाउस कोर्ट इकाई) द्वारा नई दिल्ली बार एसोसिएशन के सहयोग से किया गया। उद्घाटन समारोह में विधिक समुदाय के सदस्य, विद्यार्थी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। औपचारिक उद्घाटन के बाद विजेंद्र गुप्ता ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शित दुर्लभ ऐतिहासिक चित्रों एवं विभिन्न दृश्य सामग्रियों का बारीकी से निरीक्षण किया तथा आयोजकों से इस प्रदर्शनी में समाहित ऐतिहासिक तथ्यों और उनके महत्व पर चर्चा की।

गुप्ता ने अधिवक्ता परिषद और नई दिल्ली बार एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल के माध्यम से भारत के लोकतंत्र की आधारशिला से जुड़े इतिहास को विधिक क्षेत्र के पेशेवरों, युवा कानून विद्यार्थियों और आम नागरिकों तक सीधे पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा



कि संविधान सभा की बहसों, आदर्शों और संविधान की मूल पांडुलिपि के पीछे निहित कलात्मक उत्कृष्टता का पुनरावलोकन नागरिक दायित्व की भावना को गहरा करता है तथा दैनिक सार्वजनिक जीवन में संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ बनाता है।

गुप्ता ने संविधान सभा की चर्चाओं की कालजयी प्रासंगिकता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा में विधिक समुदाय के निरंतर योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दुर्लभ अभिलेखीय तस्वीरों, संविधान की मूल पांडुलिपि में की गई कलात्मक चित्रकारी और उन गुमनाम अग्रदूतों की प्रेरक कहानियों को एक साथ प्रस्तुत करना भारत के संवैधानिक इतिहास और भावी पीढ़ियों के बीच एक अमूल्य सेतु का कार्य करता है।

गुप्ता ने कहा कि जब युवा अधिवक्ता और विद्यार्थी इन ऐतिहासिक पैनलों के सामने खड़े होते हैं, तो वे केवल अतीत को नहीं देख रहे होते, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे उन मूल्यों से भी जुड़ रहे होते हैं, जिन्हें हमारे राष्ट्र की भावी यात्रा का मार्गदर्शन करना चाहिए।

'भारत के संविधान का निर्माण, उसकी मूल पांडुलिपि की कला और इसे आकार देने वाले व्यक्तित्व' विषय पर केंद्रित इस प्रदर्शनी में लगभग 50 दृश्य एवं जीवनीपरक पैनल प्रदर्शित किए गए हैं। ये पैनल 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक से लेकर 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकृत किए जाने तक की लगभग तीन वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाते हैं।

इस अवसर पर बृजेंद्र चाहर (वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अपर सॉलिसिटर जनरल), चेतन शर्मा (अपर सॉलिसिटर जनरल), हरि बोरीकर संगठन सचिव उत्तर क्षेत्र अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद तथा संजय पोद्दार (अध्यक्ष, अधिवक्ता परिषद, दिल्ली प्रांत) सहित विधिक जगत के अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस प्रदर्शनी के माध्यम से आगंतुकों को न केवल संविधान की मूल पांडुलिपि की कलात्मक भव्यता को देखने, बल्कि उन व्यक्तित्वों और सामूहिक प्रयासों को समझने का अवसर मिला, जिन्होंने इस ऐतिहासिक दस्तावेज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस के कलात्मक मार्गदर्शन में तैयार किए गए ये चित्र भारत की सभ्यतागत यात्रा, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों तथा स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रसंगों को सुंदर रूप में चित्रित करते हैं।

प्रदर्शनी के दौरान अधिवक्ता अदिति द्राल ने अतिथियों को इन चित्रों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने चित्रों में दर्शाई गई ऐतिहासिक घटनाओं, महान व्यक्तित्वों एवं सांस्कृतिक परंपराओं के साथ-साथ संविधान के विभिन्न भागों से उनके संबंध को भी रोचक ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी के समापन समारोह में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अमित शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार दहिया, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटियाला हाउस न्यायालय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

दिल्ली से बिहार के 18 रुटों पर सीधी बस सेवा शुरू, पटना-गया समेत देखें सभी स्टॉपेज की लिस्ट



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से बिहार के 18 रुटों के लिए बस सेवा शुरू होगी। इसके लिए शुक्रवार को दिल्ली सरकार और बिहार सरकार के बीच समझौता किया गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा से दिल्ली- बिहार बस सेवा को रवाना की। इस अवसर पर बिहार के परिवहन मंत्री दामोदर रावत और दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

बसों के प्रमुख पड़ाव इस प्रकार हैं-

1. अररिया से दिल्ली: फोर्ब्सगंज, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, चकिया, गोपालगंज, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा और नोएडा।



2.बिहारशरीफ से दिल्ली: पटना, आरा, बक्सर, आजमगढ़, लखनऊ, आगरा और नोएडा।

3.भागलपुर से दिल्ली: मुंगेर, फतुहा, मोहनिया, वाराणसी, कानपुर, आगरा, नोएडा और दिल्ली।

4.बक्सर से दिल्ली: आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद और हापुड़।

5.दरभंगा से दिल्ली: मुजफ्फरपुर, आरा, मोहनिया, वाराणसी, फतेहपुर, इटावा, मथुरा, नोएडा और दिल्ली।

6.पूर्वी चंपारण से दिल्ली: मोतिहारी, गोपालगंज, गोरखपुर, लखनऊ, हावड़ा, मथुरा, नोएडा और दिल्ली

7.गया से दिल्ली: दाउदनगर, बक्सर, लखनऊ, नोएडा और दिल्ली।

8.गया से दिल्ली: औरंगाबाद, मोहनिया, कानपुर, इटावा, आगरा, नोएडा और दिल्ली।

9.किशनगंज से दिल्ली: पूर्णिया, बेगूसराय, आरा, मोहनिया, वाराणसी, कानपुर, मथुरा, नोएडा और दिल्ली।

10.मधुबनी से दिल्ली: दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, नोएडा और दिल्ली।

11. मुजफ्फरपुर से दिल्ली: मोतिहारी, गोपालगंज, गोरखपुर, लखनऊ, मथुरा, नोएडा और दिल्ली।

12.मुजफ्फरपुर से दिल्ली: हाजीपुर, आरा, मोहनिया, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, नोएडा और दिल्ली।

13.नवादा से दिल्ली: गया, जीटी, डोभी, औरंगाबाद, चंदौली, आगरा, नोएडा और दिल्ली।

14.पटना से दिल्ली: आरा, बक्सर, लखनऊ, आगरा, मथुरा, नोएडा और दिल्ली।

15.पटना से दिल्ली: आरा, मोहनिया, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, इटावा, आगरा, मथुरा, नोएडा और दिल्ली।

16.पटना से दिल्ली: छपरा, सिवान, आजमगढ़, लखनऊ, अलीगढ़, नोएडा और दिल्ली।

17.पटना से दिल्ली: मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, गोपालगंज, गोरखपुर, लखनऊ, मथुरा, नोएडा और दिल्ली।

18.पूर्णिया से दिल्ली: फोर्ब्सगंज, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, नोएडा और दिल्ली।

एनसीआर में बढ़ी ठिठुरन, पारा 10 डिग्री से नीचे; अगले दो दिनों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
नई दिल्ली, 27 नवंबर (वेब वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सर्दियों ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार, न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है और पारा 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच गया है। अब सिर्फ सुबह और शाम ही नहीं, बल्कि दिन के समय भी ठिठुरन भरी ठंड का एहसास होने लगा है।

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, अगले दो दिनों में एनसीआर के लोगों को घने कोहरे का सामना करना पड़ सकता है। आज का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आने वाले दिनों में अधिकतम पारे में भी गिरावट देखने को मिलेगी, जिससे दिन की गर्मी भी कम होगी और ठंड बढ़ेगी। शहर की आबोहवा की बात करें तो फिलहाल हवा की गुणवत्ता 'ऑरेंज जोन' में बनी हुई है, यानी प्रदूषण का स्तर मध्यम से खराब श्रेणी में है, जिससे लोगों को सांस लेने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, 27 नवंबर को आसमान में हल्का कोहरा (शैलो फॉग) रहेगा। अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 28 नवंबर को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा और मध्यम कोहरा (मॉडरेट फॉग) छाने की संभावना है। तापमान में मामूली गिरावट आएगी। अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। 29 नवंबर को कोहरे का असर जारी रहेगा और मध्यम कोहरा देखने को मिलेगा। तापमान 25 डिग्री (अधिकतम) और 10 डिग्री (न्यूनतम) के आसपास बना रहेगा।

ऐसे ही 30 नवंबर को महीने के आखिरी दिन भी मध्यम कोहरा परेशान करेगा। तापमान में और गिरावट दर्ज होगी, अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 1 दिसंबर की शुरुआत भी कोहरे के साथ होगी। मध्यम कोहरा छाया रहेगा और तापमान 23 डिग्री (अधिकतम) से 9 डिग्री (न्यूनतम) तक गिर सकता है। 2 दिसंबर को मौसम विभाग के मुताबिक, इस दिन हल्का कोहरा रहेगा, लेकिन ठंड बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है।

दिल्ली में बिना पासपोर्ट-वीजा के रह रहे एक ही परिवार के 6 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस के नॉर्थ जिले ने बड़ा हिंदू राव में संयुक्त अभियान चलाकर बिना वैध पासपोर्ट और वीजा के दिल्ली में रह रहे 6 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। ये सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। यह इंटेलिजेंस आधारित संयुक्त अभियान एंटी-नारकोटिक्स सेल, स्पेशल टास्क फोर्स और फॉरेनर्स सेल, नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट द्वारा बड़ा हिंदू राव में चलाया गया।

सत्यापन के दौरान सभी 6 लोगों की बांग्लादेशी नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज मिले और उन्हें रिकॉर्ड में रखा गया। मेडिकल जांच के बाद सभी 6 लोगों को 26 नवंबर को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ), दिल्ली के सामने पेश किया गया। आगे की कार्यवाही तक सभी 6 लोगों की आवाजाही को सेवा सदन, शहजादा बाग, सराय रोहिल्ला तक सीमित कर दिया गया है।

दिल्ली में विदेशी नागरिकों के संदिग्ध अवैध ठहराव की विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी), स्पेशल टास्क फोर्स (एटीएफ) और फॉरेनर्स सेल, नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट की संयुक्त टीम ने उनकी पहचान, राष्ट्रीयता और आव्रजन स्थिति का सत्यापन करने के लिए अभियान चलाया।

गुप्त सूत्र से मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए एएनएफ, एसटीएफ और फॉरेनर्स सेल, नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट की संयुक्त टीम का गठन किया गया। पूछताछ के दौरान जहांगीर हुसैन ने बताया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है और अपने परिवार के साथ बिना वैध यात्रा और आव्रजन दस्तावेजों के भारत में रह रहा था। टीम ने बाद में उसके परिवार के पांच सदस्यों को भी ढूंढा और सत्यापन के लिए हिरासत में लिया।

टीम ने सभी छह व्यक्तियों की बांग्लादेशी राष्ट्रीयता साबित करने वाले दस्तावेज हासिल किए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा। सत्यापन में पाया गया कि वे बिना वैध पासपोर्ट और वीजा के भारत में रह रहे थे। सत्यापन की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, सभी छह व्यक्तियों की अरुणा आसफ अली अस्पताल, दिल्ली में मेडिकल जांच की गई। 26 नवंबर को उन्हें आगे की कार्यवाही के लिए एफआरआरओ, दिल्ली के सामने पेश किया गया।

राष्ट्रीयता सत्यापन दस्तावेजों और प्रस्तुत रिपोर्ट की जांच के बाद, एफआरआरओ, दिल्ली ने आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 की धारा के साथ-साथ आव्रजन और विदेशी आदेश, 2025 के पैराग्राफ 8 का हवाला देते हुए प्रतिबंध आदेश जारी किया। आदेश के अनुपालन में, आगे की कार्यवाही तक सभी छह व्यक्तियों की आवाजाही को सेवा सदन, शहजादा बाग, सराय रोहिल्ला, दिल्ली तक सीमित कर दिया गया है।

जिन 6 लोगों को पकड़ा गया है,



उनमें मो. जहांगीर हुसैन (50), कोहिनूर (40), नूर मोहम्मद (20), आसिफ (18) और दो नाबालिग सदस्य शामिल हैं। परिवार दिल्ली के सदर बाजार के आजाद मार्केट इलाके में रहता पाया गया। उनका स्थायी पता गांव त्रिपुरडी, डाकघर अमीनपुर, थाना सोनारगांव, जिला नारायणगंज, बांग्लादेश दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग के आन्तरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय के नवचयनित 1,594 अभ्यर्थियों (1,393 सहायक लेखाकार एवं 201 लेखा परीक्षक) को नियुक्ति पत्र प्रदान किए

प्रथम पृष्ठ का शेष

जो कर्मचारी समय का महत्व समझते हैं, अपने कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा करते हैं और गुणवत्ता के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हैं, उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों एवं अधीनस्थों का सम्मान प्राप्त होता है। इसके विपरीत कार्यों को टालने और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों का सम्मान नहीं होता। सभी नवचयनित कार्मिकों को स्वयं तय करना होगा कि वे किस प्रकार की कार्यशैली अपनाना चाहते हैं। यदि वे अपने कार्यों को समय से और पूरी गुणवत्ता के साथ सम्पादित करेंगे तो उन्हें समयबद्ध पदोन्नति सहित सभी सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में समय पर पदोन्नति सरकार की प्राथमिकता रही है। वर्ष 2017 के बाद सभी वर्गों और कैडर में समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। जिस पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से नवचयनित अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, उसी भावना को वह अपने सेवाकाल में भी बनाए रखें। उन्हें जीवनभर इस बात का स्मरण रखना चाहिए कि उनकी नियुक्ति उनकी योग्यता और परिश्रम के आधार पर हुई है। प्रदेश के युवाओं को आधुनिक तकनीक एवं उभरते हुए क्षेत्रों से जोड़ना आवश्यक है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश के संस्थानों में आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, इण्टरनेट ऑफ थिंग्स, थ्री-डी प्रिन्टिंग और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों के पाठ्यक्रम संचालित नहीं थे। इस स्थिति को बदलने के लिए तकनीकी विश्वविद्यालयों को इन विषयों के पाठ्यक्रम लागू करने के निर्देश दिए गए। आज प्रदेश का युवा इन आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में रोजगार और विकास की अनेक सम्भावनाएं उपलब्ध हैं। युवाओं को अपनी मेहनत और प्रतिभा पर विश्वास रखना चाहिए। मेरिट का सम्मान करना आवश्यक है। किसी भी व्यवस्था में योग्यता की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। मेहनत और परिश्रम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। समाज के किसी भी व्यक्ति द्वारा अच्छा कार्य किए जाने पर उसकी सराहना करने की आदत विकसित करनी चाहिए। नवनियुक्त कार्मिक जिस पारदर्शी और स्वच्छ प्रक्रिया से चयनित होकर आए हैं, उसी प्रकार अपने कार्यों में भी ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता बनाए रखें। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में आप सभी को भी सारथी के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2005 में लागू न्यू पेंशन स्कीम व्यवस्था के अन्तर्गत कर्मचारियों के खाते खोले जाने तथा सरकार का अंशदान उपलब्ध कराने की व्यवस्था होनी चाहिए थी। वर्ष 2017 में इस सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने पर पता चला कि न्यू पेंशन स्कीम के अन्तर्गत आने वाले लगभग 14 लाख कर्मचारियों के खाते नहीं खोले गए थे और वर्ष 2005 से 2017 तक सरकार का अंशदान भी उपलब्ध नहीं कराया गया था। प्रदेश सरकार द्वारा कमेटी गठित कर प्रत्येक कर्मचारी का अलग खाता खोलने और सरकार का अंशदान उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। सरकार के अंशदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया गया। इसके लिए बजट से 10 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए और कर्मचारियों के खातों में धनराशि जमा कराने का कार्य किया गया। इसका उद्देश्य यह था कि आवश्यकता पड़ने पर कर्मचारी अपनी जमा धनराशि का उपयोग कर सकें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में साढ़े 12 लाख करो? रुपये की अर्थव्यवस्था वाला उत्तर प्रदेश आज 36 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बन चुका है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी तीन गुना हुई है। बजट का दायरा भी तीन लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 09 लाख 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंचाया गया है। प्रदेश के विकास की इस यात्रा में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार आगे भी बजट तथा नियुक्तियों का दायरा बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। गोमती रिवर फ्रन्ट परियोजना का बजट 167 करोड़ रुपये था, जबकि इस पर 1,400 करोड़ रुपये खर्च हो गए और परियोजना अधूरी रह गई। इसी प्रकार जयप्रकाश नारायण इण्टरनेशनल सेण्टर का डी0पी0आर0 200 करोड़ रुपये का था, जबकि इस पर 800 करो? रुपये खर्च हो गए और इसके बावजूद कार्य अधूरा रहा। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि किसी भी परियोजना में वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही कितनी आवश्यक है। नवनियुक्त कार्मिकों को अपने कार्यकाल में इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि शासकीय धन का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए ही हो। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण आज निवेश के महत्वपूर्ण केन्द्र बन चुके हैं। वर्ष 2017 में लगभग चार लाख होम बायर्स ऐसे थे, जिन्हें बिल्डरों द्वारा आवास उपलब्ध नहीं कराया गया था। सरकार ने बिल्डर-बायर्स बैठक आयोजित कर इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए और नीतिगत सुधारों एवं सख्ती के माध्यम से इन चार लाख परिवारों को उनके आवास उपलब्ध कराने का कार्य किया। आज उत्तर प्रदेश मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में देश का प्रमुख केन्द्र बनकर उभरा है। देश के कुल मोबाइल उत्पादन का 55 प्रतिशत मोबाइल नोएडा और उत्तर प्रदेश में बन रहे हैं। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था से महिलाओं को भी रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त हुए हैं। लखनऊ स्थित एच0सी0एल0 परिसर में वर्ष 2017 में लगभग 100 लोग कार्य करते थे, जबकि आज 18,000 लोग कार्य कर रहे हैं। यहां तीन शिफ्ट में कार्य होता है और लगभग 60 प्रतिशत बालिकाएं भी काम कर रही हैं। रात्रि की शिफ्ट समाप्त होने के बाद बालिकाएं लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव और रायबरेली सहित अपने घरों के लिए सुरक्षित रवाना होती हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया की बेहतरीन राइफलों में शामिल क्लाशिनकोव-203 राइफल का निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण लखनऊ में किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में प्रदेश के युवा अपनी तकनीकी दक्षता और प्रतिभा के आधार पर योगदान दे रहे हैं। युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देने और कैम्पस चयन के माध्यम से रोजगार से जोड़ने के प्रयास किए गए हैं। आज प्रदेश का युवा आधुनिक रक्षा उपकरणों और तकनीकी उत्पादों के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम को वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पूर्ण पारदर्शी प्रक्रिया अपनाकर निष्पक्षता के साथ सभी अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। वित्तीय अनुशासन मुख्यमंत्री जी की पहली प्राथमिकता है। प्रदेश का बजट बढ़ने के साथ वित्तीय प्रबन्धन और राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की जिम्मेदारी भी बढ़ी है। राजकोषीय घाटे को निर्धारित सीमा के भीतर बनाए रखा गया है। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों से ई-कोषागार, ऑनलाइन भुगतान एवं ऑडिट कार्य की डिजिटल व्यवस्था में दक्षता प्राप्त करने, निरन्तर सीखने और अपने कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का आह्वान किया।

शाहदरा पुलिस का ऑपरेशन चक्र, सात दिन में 181 चोरी के वाहन बरामद, 36 आरोपी गिरफ्तार।

नई दिल्ली। वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने और वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए शाहदरा जिला पुलिस ने सात दिवसीय विशेष अभियान %ऑपरेशन चक्र% चलाया। 18 नवंबर से 25 नवंबर 2026 तक चले इस अभियान के दौरान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 181 चोरी के वाहन बरामद किए और 36 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार, अभियान को सफल बनाने के लिए शाहदरा जिले के विभिन्न थानों और विशेष इकाइयों से 15 पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने संदिग्ध वाहनों की जांच, पुलिस रिकॉर्ड के माध्यम से वाहनों का सत्यापन और वाहन चोरी के मामलों की जांच करते हुए आरोपियों की पहचान की। अभियान के दौरान बरामद वाहनों में दोपहिया सहित अन्य मोटर वाहन भी शामिल हैं। जांच में सामने आया कि बरामद वाहन शाहदरा जिले के अलावा पूर्वी जिला, उत्तर-पूर्वी जिला और दिल्ली-एनसीआर के अन्य क्षेत्रों में दर्ज वाहन चोरी के मामलों से जुड़े हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, विवेक विहार, फर्श बाजार, नंद नगरी, वेलकम, कृष्णा नगर, शकरपुर, लक्ष्मी नगर, आनंद विहार, गांधी नगर और सीमापुरी सहित कई थानों में दर्ज वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। अभियान में एएटीएस, एएसबी सेल और स्पेशल स्टाफ की टीमों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस टीमों ने लगातार फील्ड में जांच, संदिग्ध और लावारिस वाहनों का सत्यापन तथा आरोपियों से पूछताछ कर चोरी के वाहनों को बरामद किया। पुलिस का कहना है कि बरामद वाहनों और गिरफ्तार आरोपियों के संबंध में अन्य लंबित मामलों की भी जांच की जा रही है। शाहदरा जिला पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर पार्क करें, उचित सुरक्षा उपाय अपनाएं और वाहन चोरी या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस के अनुसार, वाहन चोरी के खिलाफ इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

कनॉट प्लेस में नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, तीन महिलाओं समेत चार गिरफ्तार !

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कनॉट प्लेस थाना क्षेत्र से तीन महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 63 छोटी पुड़ियों में भरी संदिग्ध स्मैक बरामद की है, जिसका कुल वजन पॉलिथीन सहित करीब 15 ग्राम बताया गया है। इसके अलावा 20,550 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर 2026 को हेड कांस्टेबल सुनील और महिला कांस्टेबल सुनीता कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल में पैदल गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पंचकुइयां रोड के सामने रेडिसन मरीना होटल के पास तीन महिलाएं और एक पुरुष संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते दिखाई दिए। पुलिसकर्मियों ने शक के आधार पर उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 63 छोटी पुड़ियों में संदिग्ध स्मैक बरामद हुई। मौके पर एफएसएल टीम द्वारा किए गए फील्ड टेस्ट में मादक पदार्थ की पुष्टि हुई। इस संबंध में थाना कनॉट प्लेस में 26 नवंबर को एफआईआर संख्या 320/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 में मामला दर्ज किया गया।



पुलिस ने तीन महिलाओं (55, 42 और 40 वर्ष) तथा योगेंद्र (56 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान एक आरोपी ने खुलासा किया कि वह सदर बाजार स्थित प्रियदर्शिनी कॉलोनी इलाके से स्मैक लेकर आता था और आगे दूसरे लोगों को बेचता था। पुलिस अब नशे की सप्लाई के स्रोत और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, चारों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई को हेड कांस्टेबल सुनील और महिला कांस्टेबल सुनीता की टीम ने अंजाम दिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

गुरुग्राम में युवा संवाद कार्यक्रम में आरती सिंह राव ने युवाओं से किया सीधा संवाद

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जीएमडीए की मास्टर लाइन से 15 एमएलडी नहरी पानी की आपूर्ति को मंजूरी मिलना मानेसर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इससे बास कुशला, बास हरिया, धाना, कासन और खोह सहित क्षेत्र के गांवों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और भूजल पर निर्भरता कम होगी। आरती सिंह राव रविवार को आईएमटी मानेसर स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने युवाओं और क्षेत्र के लोगों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में उन्होंने लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और उनका समाधान करवाने का निरंतर प्रयास किया है। उन्होंने मानेसर में एसटीपी प्लांट स्थापित किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि इससे जोहड़ों में जाने वाला गंदा पानी शोधित होकर दोबारा जोहड़ों में पहुंच रहा है। इस अवसर पर विधायक बिमला चौधरी ने मानेसर क्षेत्र के गांवों में नहरी पानी की आपूर्ति को मंजूरी मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस परियोजना को मंजूरी दिलाने में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लंबे समय से यह मुद्दा सरकार और संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जा रहा था। उन्होंने क्षेत्र में 200 बेड के अस्पताल की मांग भी रखी। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ इस विषय पर पहले भी चर्चा हो चुकी है और वह चंडीगढ़ जाकर दोबारा इस मुद्दे को उठाएंगी।

NAME CHANGE

I, DEVANAND MANDAL, father No-2495372N, Rank-HAV, Name-RAKESH KUMAR, Unit-25 Punjab Regt, resident of VILL-MAGURJAN, PO-NIPANIYA, DIST-PURNIA, BIHAR-854202, have changed my name DEVANAND MANDAL to DEBANAND MANDAL, for all future purposes vide Affidavit Dated 27/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NEELU KUMARI, daughter No-2495372N, Rank-HAV, Name-RAKESH KUMAR, Unit-25 Punjab Regt, resident of VILL-MAGURJAN, PO-NIPANIYA, PS-BARHARA KOTHI, DIST-PURNIA, BIHAR-854202, have changed my name NEELU KUMARI to NILU KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 27/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ATIF KHAN S/O MD. ZULKARNAIN KHAN R/O E-160, 3RD FLOOR, ABUL FAZAL ENCLAVE PART-2, LAL DUKAN, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025, declare that, the name of my father has been wrongly written as Zulkarnain Khan in 10th, 12th and Graduation certificates. The actual name of my father is Md Zulkarnain Khan for which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ALI ASGAR S/0 AKBAR ALI R/0 H.NO 313/57-C FIRST FLOOR ANAND NAGAR INDER LOK DELHI 110035 CHANGED MY NAME TO ASGAR ALI

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ALI AKBAR S/0 ALI AHMED R/0 H.NO 313/57-C FIRST FLOOR ANAND NAGAR INDER LOK DELHI 110035 CHANGED MY NAME TO AKBAR ALI

NAME CHANGE

I, JC-442428F Rank-SUB Name-SUBHASH MV legal father of SAANVI MV residing at VILL-KANHANGED, POST-KANHANGED SOUTH, TALUK-HOSADURGA, DIST-KASARAGOD, KERALA-671531, have changed my minor daughter's name from SAANVI MV to SANVI P for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No.-2616362P Rank-HAV Name-PILLA MAREESU legal father of PILLA LASYA PRIYA residing at VILL-MUMMANAVANIPALEM, POST- KOTHAVALASA, TEH-KOTHAVALASA, DIST-VIZIANA-GARAM, ANDHRA PRADESH-535183, have changed my minor daughter's name from PILLA LASYA PRIYA to PILLA LASHYA PRIYA for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

DISOWNMENT AND DISASSOCIATION

Under the instructions and on behalf of my client, Smt. Bimla, W/o Shri Prem Pal Rajoria, Resident of D-241, 4C, 3rd Floor, Krishna Park, Devali, New Delhi - 110062, I, Karan Singh Bankawat Advocate, hereby issue this Public Notice for the information of the general public and all concerned persons. That my client, Smt. Bimla, has publicly declared that she has disowned and severed all her relations with her son, Mr. Vikash Rajoria, S/o Shri Prem Pal Rajoria, due to his misconduct, misbehaviour, harassment and acts and deeds. My client further declares that the aforesaid son shall have no right, title, interest, claim or concern whatsoever in her self-acquired movable and immovable properties, and he shall not be entitled to interfere in or claim any rights over the same. This Public Notice is being published through the undersigned Advocate on behalf of his client, Smt. Bimla, for the information and caution of the general public and all concerned persons.

Date:
Place: New Delhi

KARAN SINGH BANKAWAT
Advocate
CHAMBER NO. - 682,
LAWYER'S CHAMBER BLOCK
SAKET COURT,
NEW DELHI - 110017
Mob. No. 9899287325

NAME CHANGE

I.SACHIN JAIN S/O SURESH KUMAR JAIN R/O IV/2985 PLOT NO-10 GALI NO-12 BHOLA NATH NAGAR 3RD F SHALIMAR PARK EXT SHAHDARA DELHI-110032. Have changed my name to SACHIN KUMAR JAIN for all purposes.

NAME CHANGE

I, Shambhavi Kailash Chandra Purohit D/O Kailash Chandra Purohit R/O C-490 Head Post Office SEC 19 Noida Up 201301 Have change my name to Shambhavi Purohit for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Lokesh and Mr. Kapil Yadav both Sons of Late. Rajpal Yadav are the owner of Freehold Residential Bearing Property Id No. 1CCC3925 Bearing Plot No. 572, Area Measuring 278 Sq. Yds., approx., having its Covered area measuring 2500 Sq. Ft., Situated within the Revenue Estate Mauja Lal Dora of Village- Chakarpur, Tehsil Wazirabad, District Gurugram Haryana. by virtue of Registered Transfer Deed Doc. No. 14620 dated 13.11.2026 in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Legal Heirs Certificate/SMC issued from the concerned Department in favour of the legal heirs of Late. Rajpal now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by Piramal Finance Limited Branch: Sohna Road Gurgaon Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

LOST AND FOUND

I, SANJAY JAIN, SON OF SHRI VIMAL KUMAR JAIN, RESIDING AT 276, WARD NO 7, SHIV COLONY, HANUMAN NAGAR, BHILWARA, RAJASTHAN -211201, LOST MY ORIGINAL PROPERTY DOCUMENTS OF PROPERTY NO 110 IST FLOOR PART PF PROPERTY NO XVI/2574 PLOT NO 269, BLOCK M-GALI NO 5-6, NAIWALA ESTATE, BEADON PURA, KAROL BAGH NEW DELHI -110055THE PROPERTY PAPER HAS BEEN LOST IN DELHI KAROLBAGH ON 04/11/2026. IF ANYONE FINDS THIS PAPER, PLEASE CONTACT TO ME ON THIS MOBILE NO. 7291853252

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Parmod Kumar Dang S/o Mr. Radhey Sham Dang is the owner and in possession of a Freehold Residential property area measuring 650 square yards, out of Khasra Nos. 595/1, 598 & 598/2, situated in the revenue estates of Village Khanpur, Tehsil Hauz Khas, New Delhi., Our client acquired the said property by virtue of WILL dated 04.01.2016 Vide Doc. No. 345, in Book No. 3, Volume No. 86, on Pages No. 188 to 189, on dated 04.01.2016, in Sub-Registrar Office- SR V A Hauz Khas, New Delhi/Delhi..., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of SMC of late Mr. Radhey Sham Dang S/o Late Mr. S. Tirath Singhji Dang & Probate Order of WILL dated 04.01.2016., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and Built-up Third Floor without roof rights, Built-Up Property Bearing No. D-262, area measuring 160 Sq. Yds. Approx., sold to be Mrs. Uma Sah and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Rohini New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I RAMDEI DEVI legally mother of Army No - 15228669Y, Rank - NK, Name - RAKESH KUMAR PASWAN, Presently Residing At, Post Maharajganj, Vill Mujahana khurd, Teh - Maharajganj, Dist Maharajganj, State Uttar Pradesh, Pin 273303, have changed my name from RAMDEI DEVI to RAM DAI for all future purposes, and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/06/1970 instead of my correct date of birth as 06/02/1972 vide Affidavit dated 26/11/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. AVANISH SINGH IS OWNER AND IN POSSESSION OF PLOT BEARING NO.148, ADMEASURING 62.5 SQ. YDS., I.E. 52.26 SQ. MTRS., CARVED OUT OF KHASRA NO.253, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE NAWADA, COLONY KNOWN AS BHAGWATI GARDEN EXTENSION, GALI NO.14, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059; (SAID PROPERTY) AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY AFTER THE DEATH OF MRS. KAUSHALYA DEVI BASIS THE REGD. WILL DATED 07.12.2018 EXECUTED BY MRS. KAUSHALYA DEVI IN FAVOUR OF MR. AVANISH SINGH. NOW MRS. SUSHMITA VISHWAS IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. AVANISH SINGH, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

NAME CHANGE

I, PILLA RAMANAMMA mother of No. 2616362P Rank-HAV Name-PILLA MAREESU residing at VILL-MUMMANAVANIPALEM, POST-KOTHAVALASA, TEH-KOTHAVALASA, DIST-VIZIANA-GARAM, ANDHRA PRADESH-535183, have changed my name from PILLA RAMANAMMA to PILLA RAVANAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, G PREMA wife of JC- 442444Y Rank-SUB Name- N VELU residing at VPO-MALAIYANDAHALLI, P.S-KAVERIPATTINAM, TELEGRAPH OFFICE, TEH & DIST-KRISHNAGIRI, TAMILNADU-635112, have changed my name from G PREMA to PREMA G, vide affidavit dated 27/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JC- 442444Y Rank-SUB Name-VELU N residing at VPO-MALAIYANDAHALLI, P.S-KAVERIPATTINAM, TELEGRAPH OFFICE, TEH & DIST-KRISHNAGIRI, TAMILNADU-635112, have changed my name from VELU N to N VELU vide affidavit dated 27/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I,Mohammad Saad S/o Abdul Rehman R/o S-8/29, Upper Ground Floor, Flat No.4, Saqlane Road, Joga Bai Extn. Jamia Nagar, Okhla, Delhi-110025 have changed my name to Mohd Saad.

NAME CHANGE

I,Abdul Reman S/o Abdul Mannan R/o S-8/29, Upper Ground Floor, Flat No.4, Saqlane Road, Joga Bai Extn. Jamia Nagar, Okhla, Delhi-110025 have changed my name to Abdul Rehman.

NAME CHANGE

I, SUNITA GUSAIN, D/o. BALWANT SINGH GUSAIN, & W/o. LAXMAN SINGH RAWAT, R/o. J-144, GALI NO-9, PURAN NAGAR, PALAM COLONY, NEW DELHI-110045, have changed my name from SUNITA GUSAIN to SUNITA RAWAT for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SURJA KUMAR DEBNATH father of Army No □ 15232108F, Rank □LNK(OPR), Name □ SUMAN DEBNATH, Unit □ 110, MEDIUM REGIMENT, permanent residing at HOUSE No-186, WEST CHANDMARI, NEAR RUBBAR BOARD, PO-KUNJABAN, VTC-AGARTALA, DIST-WEST TRIPURA, TRIPURA-799006, have changed my name from SURJA KUMAR DEBNATH to SURJYA KUMAR DEBNATH for all future purposes vide Affidavit Dated 27/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Deepika Savita D/O Ranjeet Singh W/O Anil Kumar Savita R/O 141C 2nd Floor, Block- 36, LIG Flats, Sector- 99, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301 Have Changed My Name to Deepika for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, Shakir Malik S/o Abdul Sattar Malik R/o A-235, Gali No.7, Jawahar Park, Chikamberpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201006 have changed the name of my minor Son Abdul Samad Malik aged 10 years to Samad Malik.

NAME CHANGE

I, RITU SHARMA W/o Ajay Kumar R/o Flat No.B-7, New-218, Krishna Appt, Gali No.12, Tomar Colony, Burari, Delhi-110084, have changed my name from RITU SHARMA to RITU permanently.

NAME CHANGE

I, TRISHA PRADEEP BHATIA D/o Pradeep Narendra Bhatia R/o H.No.168, Satya Niketan, Near Gurudwara, Moti Bagh-2, South Moti Bagh, Delhi-110021, have changed my name to TRISHA BHATIA permanently.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Neelam W/o Mr. Vicky Kumar Sharma is the owner and in possession of a Freehold Residential Vacant Plot No. C77 and C-77/A, area measuring 25 + 29 = 54 Sq. Yds, Out of Khasra No. 574, Situated at Residential Colony Shiv Vatika, in the area of Village Behta Hazipur, Pargana & Tehsil Loni, District Ghaziabad, U.P.,. Our client acquired the said property by virtue of Sale Deed dated 12.11.2024 as duly registered in the SRO- Loni II Ghaziabad, Vide Doc No. 20463, in Book No. 1, Vol. No. 2757, on Pages 331-350, dated 12.11.2024.& Sale Deed dated 28.04.2025 as duly registered in the SRO- Loni II Ghaziabad, Vide Doc No. 7921, in Book No. 1, Vol. No. 3362, on Pages 281-302, dated 28.04.2025., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Ram Sharan S/o Mr. Ratan Singh., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Peeragarhi New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल), जिसका शाखा कार्यालय बाराखंबा प्राइम, नई दिल्ली में स्थित है, श्री ललित कुमार को ऊपरी भूतल (छत के अधिकार के बिना) के लिए ऋण सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव करता है, जो कि जी-14 (पुराना जी-4) संपत्ति के पिछले भाग में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 75 वर्ग गज (अर्थात 62.70 वर्ग मीटर) है, जो खसरा संख्या 76 में है, जो लक्ष्मी नगर एक्सटेंशन की आबादी में, शाकरपुर खास गांव, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110092 में स्थित है; (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है)। उक्त संपत्ति मूल रूप से श्री मुकेश कुमार ठाकुर के स्वामित्व में थी, दिनांक 11.11.2005 के विक्रय विलेख के अनुसार, जो दिनांक 11.11.2005 को दस्तावेज़ संख्या 13944 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। श्री मुकेश कुमार ठाकुर का 05.02.2016 को बिना वसीयत किए निधन हो गया, और वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस छोड़ गए - श्रीमती शारदा देवी (पत्नी), श्री अमित ठाकुर (पुत्र), श्री ललित कुमार (पुत्र) और श्रीमती दीपा ठाकुर (पुत्री)। इसके बाद, उपरोक्त सभी कानूनी वारिसों ने दिनांक 27.02.2023 को त्यागपत्र निष्पादित किया, जो दिनांक 28.02.2023 को दस्तावेज़ संख्या 1299 के रूप में विधिवत पंजीकृत है, जिसमें उन्होंने 1) श्री अमित ठाकुर, 2) श्री ललित ठाकुर और 3) श्रीमती दीपा ठाकुर के पक्ष में संपत्ति संख्या जी-14 (पुराना क्रमांक जी-4), जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग मीटर है, में अपने हिस्से का त्याग किया। इसके बाद, 1) श्रीमती दीपा ठाकुर और 2) श्री अमित ठाकुर ने 06.07.2023 को एक विमोचन विलेख (स्वाभाविक प्रेम और स्नेह के साथ बिना किसी प्रतिफल के) निष्पादित किया, जो 07.07.2023 को दस्तावेज़ संख्या 4915 के रूप में श्री ललित कुमार के पक्ष में संपत्ति संख्या जी-14 (पुराना संख्या जी-4), जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है, जो 300 वर्ग गज भूमि क्षेत्र में से है, के संबंध में है। अंततः, श्री ललित कुमार ने उक्त संपत्ति, छत के अधिकारों के बिना ऊपरी भूतल, छत के स्तर तक, श्रीमती बिंदु को 01.10.2026 के उपहार विलेख के माध्यम से उपहार में दी, जो 07.10.2026 को दस्तावेज़ संख्या 2026/4/ङ्क/10668 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। यह सूचना स्वर्गीय श्री मुकेश कुमार ठाकुर के उत्तराधिकार/उत्तरजीवी सदस्य प्रमाण पत्र (एसएमसी) की अनुपलब्धता के कारण प्रकाशित की जा रही है, ताकि उनके कानूनी वारिसों का पूरा विवरण सुनिश्चित किया जा सके और यदि कोई दावा/आपत्तियां हों तो उन्हें आमंत

संक्षिप्त डायरी

बाइक सवार को घसीटने वाले आरोपी को दस साल कारावास की सजा

एजेंसी

नोएडा। जिला न्यायालय ने गंगा स्नान कर बाइक से घर लौट रहे व्यक्ति की मौत के मामले में संभल के अतीक अहमद को दोषी करार देते हुए दस साल कारावास की सजा सुनाई है। दोषी चालक ने कार में फंसे बाइक सवार को 17 किलोमीटर तक घसीटा था। अदालत ने दोषी पर 71 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि जमा नहीं करने पर साढ़े आठ माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। घटना की जांच में सामने आई सीसीटीवी फुटेज अभियोजन के अनुसार, सुखपाल सिंह 3 नवंबर 2017 की रात गढ़गंगा से गंगा स्नान कर बाइक से अकेले घर लौट रहे थे। अगली सुबह तक वह घर नहीं पहुंचे तो भाई नरेंद्र और परिजन तलाश में निकले। बादलपुर थाने की धूममानिकपुर चौकी क्षेत्र में सड़क किनारे उनकी टूटी बाइक मिली पर सुखपाल का पता नहीं चला था। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात करीब 11 बजे किसी तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मारी थी। अस्पतालों में खोजबीन के बाद परिजन सिकंदराबाद थाने पहुंचे थे। जहां पता चला कि बुलंदशहर जिला अस्पताल की मोर्चरी में अज्ञात शव रखा है। परिजनों ने शव की पहचान सुखपाल के रूप में की थी। शव सबसे पहले जोखाबाद के तत्कालीन ग्राम प्रधान धीरेंद्र ने सिकंदराबाद क्षेत्र में सड़क किनारे पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी थी। डॉक्टर के अनुसार मृतक के शरीर पर चार जगह मृत्यु-पूर्व चोटे के निशान मिले थे। 6 नवंबर 2017 को बादलपुर कोतवाली पुलिस ने सड़क दुर्घटना मानकर जांच शुरू की थी। करीब डेढ़ माह बाद 18 दिसंबर 2017 को नरेंद्र ने एसएसपी को प्रार्थना-पत्र देकर बताया कि लुहारली टोल प्लाजा की सीसीटीवी फुटेज में टाटा सूमो के नीचे एक शरीर फंसा दिखता है। आरोप था कि चालक ने गाड़ी नहीं रोकी, बत्तियां बुझाईं और बाद में शव सुनसान जगह फेंक दिया था। उन्होंने धारा 304 बढ़ाने की मांग की थी। अगले दिन उन्होंने फुटेज वाली पेनड्राइव भी पुलिस को सौंपी। जांच के बाद पुलिस ने अतीक के खिलाफ धारा 279, 427, 201 और 304 में आरोप-पत्र दाखिल किया। अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें मुकदमे में अभियोजन की ओर से 11 गवाह पेश हुए। बचाव पक्ष ने कहा कि यह मामूली सड़क दुर्घटना थी। जिसे अनावश्यक रूप से गैर- इरादतन मानव वध का रूप दिया गया। कोई चश्मदीद नहीं है। वाहन की तकनीकी जांच रिपोर्ट में लोहे की रॉड या एंगल का जिक्र नहीं है और पहली तहरीर की तुलना में बाद के बयानों में नई बातें जुड़ती गईं। इसलिए अभियोजन की कहानी समय के साथ बदली है। वहीं डीजीसी ब्रहजीत भाटी ने बताया कि आरोपी ने फंसे हुए व्यक्ति को जानते हुए गाड़ी करीब 17 किलोमीटर चलाई, जो सामान्य लापरवाही नहीं, बल्कि जान जाने की संभावना जानते हुए किया गया कृत्य है। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी को मिली सजा अदालत नहीं माना कि सीसीटीवी फुटेज पूरी तरह प्रमाणित है। उसे अविश्वसनीय नहीं माना जा सकता और ऐसे में परिस्थितिया स्वयं बोलती हैं। वाहन में शव फंसा होना, बत्तियां बंद रखना, ट्रक के पीछे छिपने की कोशिश और कुछ दूर आगे शव मिलना, ऐसी कड़ी हैं जो बताती हैं कि अपराध आरोपी ने ही किया है।

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर इंजीनियर से 14 लाख रुपये ठगे

एजेंसी

नोएडा। साइबर अपराधियों एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 14 लाख रुपये ठग लिए। जालसाजों ने टेलीग्राम के माध्यम से पीड़ित से संपर्क किया था। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने कई बार में ट्रांसफर किए रुपये ग्रेटर नोएडा के टेकजोन-चार स्थित स्प्रिंग मीडोस निवासी रत्नेश कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वह शेयर बाजार में निवेश करने में रुचि रखते हैं। पांच अक्तूबर को उनके पास टेलीग्राम के माध्यम से एक मैसेज आया। मैसेज करने वाले खुद को शेयर बाजार का विशेषज्ञ बताया और उनके द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश पर निवेश करके कई गुना अधिक रकम प्राप्त करने का भरोसा हुआ। मैसेज के जरिये बातचीत होने के बाद आरोपियों ने उन्हें एक व्हाट्सऐप ग्रुप पर जोड़ लिया। ग्रुप पर 200 से अधिक लोग जुड़े हुए थे। ग्रुप पर जुड़े लोग शेयर बाजार में निवेश की जानकारी साझा कर रहे थे। रकम ट्रांफर करने के बाद स्क्रीन शॉट डाल रहे थे। यही नहीं वह निवेश करने के बाद मुनाफे की जानकारी भी दे रहे थे। आरोपियों पर विश्वास करके उन्होंने भी निवेश करने की इच्छा जताई। इस पर आरोपियों ने एक लिंक भेजकर ऐप डाउनलोड कराया। उन्होंने जालसाजों के कहे अनुसार रकम भेजना शुरू कर दिया। निवेश करने के कुछ समय बाद रकम कई गुना अधिक दिखाई देने लगी। उन्होंने भरोसा करके 25 अक्तूबर तक कई बार में 14 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब उन्होंने रुपये निकालने के लिए कहा तो आरोपियों ने मना कर दिया। वह विभिन्न तरह के शुल्क के रूप में और रकम की मांग करने लगे। जब उन्होंने रकम देने से मना कर दिया तो आरोपियों ने संपर्क तोड़ दिया। तब जाकर उन्हें ठगी का अहसास हुआ। उन्होंने फौरन एनसीआरपी पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेनो में सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले 11 स्थानों पर विशेष निगरानी

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में वायु प्रदूषण को रोकने के लिए प्राधिकरण ने अभियान तेज कर दिया है। क्षेत्र में चिह्नित 11 हॉटस्पॉट यानी प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी की जा रही है। इसके लिए चार वरिष्ठ प्रबंधकों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। एसीईओ, महाप्रबंधक और उप महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी भी रोजाना स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण के लिए निगरानी और उपाय अधिकारी के मुताबिक वायु प्रदूषण पर रोकथाम के लिए ग्रेटर नोएडा के सीईओ डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर चार वरिष्ठ प्रबंधकों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उन्हें अपने- अपने क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित कार्यों की निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए विभिन्न स्थानों पर 32 नई एंटी स्मॉग गन का संचालन किया जा रहा है। इनके माध्यम से हवा में मौजूद धूल और प्रदूषणकारी कणों को नियंत्रित किया जा रहा है। पेड़ों की पत्तियों पर जमी धूल को भी धोया जा रहा है। धूल को रोकने के लिए 107 वाटर टैंकर लगाए हैं। प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। मुख्य सड़कों की सफाई के लिए 14 मशीनें लगातार चल रही हैं। अधिकारी के मुताबिक निदेर्शों का पालन नहीं करने पर प्राधिकरण ने अब 36 निर्माणकताओं को नोटिस जारी किए हैं। साथ ही नियमों और निर्धारित प्रावधानों के उल्लंघन पर कुल 48.10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में धूल पर रोकथाम लगाकर लोगों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने का काम किया जा रहा है। इसके लिए जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। साथ ही लोगों से अपील है कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण रहित बनाने के लिए सहयोग करें। कचरे को इधर-उधर न फेंककर सिर्फ डस्टबिन में डालें। कचरे को न जलाएं और कहीं भी धूल उड़ती दिखे तो इसकी सूचना प्राधिकरण को अवश्य दें।

फजीवड़ि के मामले में आरोपी को सशर्त जमानत

एजेंसी

नोएडा। अदालत ने फर्जी फर्मों के बिलों के जरिए करीब 2.29 करोड़ रुपये का भुगतान कराने के आरोपी विशाल भदौरिया को सशर्त जमानत दी है। यह मुकदमा कंपनी के महाप्रबंधक (एचआर कंप्लायंस एवं एडमिन) मुकेश तोमर की तहरीर पर 15 सितंबर 2026 को थाना फेस-2 में दर्ज हुआ था।एफआईआर के मुताबिक विशाल भदौरिया, प्रसाद कुमार परिडा, विनीत कुमार शर्मा और आशिस कुमार नायक ने मिलकर नवंबर 2022 से दिसंबर 2025 के बीच केडीएन निट्स एंड फैब, अपूर्वा ट्रेडर्स और एएस ट्रेडर्स नाम की तीन फर्जी फर्में बनाईं। इन फर्मों के नाम पर ऐसे सामान के बिल तैयार किए गए, जिसकी कंपनी को कभी आपूर्ति ही नहीं हुई।

सुप्रीम आदेश से छह साल के संघर्ष के बाद मिली रजिस्ट्री, पांच खरीदारों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

एजेंसी

नोएडा। शहर के पॉश इलाकों में शुमार सेक्टर-94 स्थित बहुचर्चित 'सुपरटेक सुपरनोवा' प्रोजेक्ट के सैकड़ों घर खरीदारों के लिए गुरुवार का दिन किसी उत्सव से कम नहीं रहा। वर्षों के लंबे इंतजार, कानूनी दांवपेच और अनिश्चितता के बाद आखिरकार प्रोजेक्ट के 'नोवा ईस्ट' और 'नोवा वेस्ट' टावरों में फ्लैटों की रजिस्ट्री (सब-लीज डीड) की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई। पहले दिन कुल पांच फ्लैट खरीदारों ने सब-रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचकर अपने सपनों के आशियाने का कानूनी मालिकाना हक हासिल किया। इस ऐतिहासिक शुरूआत के साथ ही इन दोनों टावरों के शेष 492 फ्लैट खरीदारों के चेहरों पर भी रौनक लौट आई है और उन्हें भी जल्द ही अपने घरों की रजिस्ट्री होने की पुख्ता उम्मीद जग गई है। 2019



से दिवालिया प्रक्रिया के फेर में अटकी थी रजिस्ट्री सुपरनोवा प्रोजेक्ट के खरीदारों के लिए यह राह बिल्कुल भी आसान नहीं रही है। वर्ष 2019 से ही बिल्डर कंपनी के खिलाफ चल रही दिवालिया प्रक्रिया (इंसॉल्वेंसी) और अन्य कानूनी अड़चनों के कारण यहां फ्लैटों की रजिस्ट्री पर पूरी तरह से रोक लगी हुई थी। हालात यह थे कि बड़ी संख्या में खरीदार अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी लगाकर फ्लैटों में रहने तो आ गए थे, लेकिन कागजों पर वे अपने ही घर के मालिक नहीं बन पाए थे। करीब छह साल तक चले इस लंबे इंतजार और कानूनी लड़ाई के बाद रजिस्ट्री का दरवाजा खुलना खरीदारों के लिए किसी बड़ी जीत से कम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मिली सफलता रजिस्ट्री शुरू होने के पीछे खरीदारों का लंबा संघर्ष और न्यायालय का हस्तक्षेप प्रमुख रहा है। पहले दिन रजिस्ट्री कराने वाले पांच भाग्यशाली खरीदारों में शामिल नरेश कुमार नंदवानी ने इस पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वर्ष 2019 में फ्लैट खरीदकर यहां रहने पहुंचे नरेश कुमार ने बताया कि बीते साल दिसंबर महीने में ही माननीय सुप्रीम कोर्ट की ओर से इन फ्लैटों की रजिस्ट्री का रास्ता साफ करते हुए आदेश पारित कर दिया गया था। हालांकि, कोर्ट के आदेश के बावजूद प्रशासनिक औपचारिकताओं, बकाया के समायोजन और खरीदारों के दस्तावेजों के गहन सत्यापन (वेरिफिकेशन) में कई महीने का समय लग गया। इन सभी प्रक्रियाओं के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद गुरुवार को आखिरकार रजिस्ट्री की प्रक्रिया धरातल पर उतर सकी। छह साल के संघर्ष के बाद बुजुर्ग खरीदार की आंखें हुईं नम रजिस्ट्री कराने के बाद नरेश कुमार नंदवानी बेहद भावुक और उत्साहित नजर आए। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) के बाद जीवन के सुकून भरे पल बिताने के उद्देश्य से यहां फ्लैट खरीदा था। लेकिन 2019 में पजेशन लेने के बाद से ही वे मालिकाना हक यानी रजिस्ट्री के लिए लगातार दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे और कानूनी प्रक्रियाओं से जूझ रहे थे। उन्होंने कहा, ₹करीब छह साल के निरंतर संघर्ष और मानसिक तनाव के बाद गुरुवार को जब मेरे नाम पर फ्लैट की रजिस्ट्री हुई, तो वह मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक बन गया। अब मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि यह घर कानूनी रूप से मेरा है।₹ नरेश कुमार के साथ ही चार अन्य खरीदारों ने भी गुरुवार को सभी औपचारिकताएं पूरी कर अपने फ्लैट की रजिस्ट्री कराई। शेष 492 खरीदारों के लिए जगी नई उम्मीद नोवा ईस्ट और नोवा वेस्ट टावर में कुल 497 फ्लैटों की रजिस्ट्री का रास्ता साफ हुआ है। पहले दिन पांच खरीदारों की रजिस्ट्री संपन्न होने से अन्य 492 खरीदारों में जबरदस्त उत्साह है। अब तक रजिस्ट्री न होने के कारण इन खरीदारों को कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। मालिकाना हक के दस्तावेज न होने से वे न तो अपने फ्लैट को जरूरत पड़ने पर बेच पा रहे थे, न ही उस पर किसी प्रकार का बैंक लोन या अन्य वित्तीय सुविधा ले पा रहे थे। इसके अलावा, नोएडा प्राधिकरण के रिकॉर्ड में नाम दर्ज न होने से हमेशा एक अनिश्चितता का माहौल बना रहता था।

नार्वे के प्रतिनिधि मंडल ने छात्राओं से किया संवाद



एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-44 स्थित महामाया बालिका इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार को नॉर्वे के प्रतिनिधिमंडल ने छात्राओं से मुलाकात की। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने करियर और भविष्य की संभावनाओं से जुड़े सवाल पूछे। विद्यालय में सोप्रा की ओर से स्मार्ट स्क्रीन और कंप्यूटर सेंटर भी स्थापित किया गया है। इससे छात्राओं को आधुनिक तकनीक से पढ़ाई का अवसर मिल रहा है। ----प्राधिकरण के अधिकारियों को सौंपा ज्ञापनग्रेटर नोएडा । सेक्टर-3 के बी-ब्लॉक की समस्याओं को लेकर आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने प्राधिकरण को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने, सफाई व्यवस्था सुधारने, पार्कों के रखरखाव और बाउंड्री वॉल बनाने की मांग उठाई। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सत्यवीर नेता जी ने बताया कि पिछली बैठकों में उठाए गए कुछ मुद्दों पर काम शुरू हो चुका है। आरडब्ल्यूए महासचिव सत्यवीर नागर ने कहा कि ब्लॉक में मूलभूत सुविधाएं बेहतर करवाना ही प्राथमिकता है। इस दौरान अर्जुन अवाना, विवेक चौहान, इन्द्र भाटी, पवन शर्मा, समीर पांडे, राजीव शहरावत, विनोद कुमार और अभिषेक सिंह मौजूद रहे।

जिले में सड़क दुर्घटना में घायल 310 घायलों को मिला मुफ्त उपचार, बचा जीवन

एजेंसी

नोएडा। जिले में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए पीएम राहत योजना के तहत अभी तक सड़क हादसों के 310 घायलों को मुफ्त उपचार दिया गया है। इनमें 305 घायलों का उपचार नोएडा और ग्रेटर नोएडा के चिंहिंत अस्पतालों में किया गया। वहीं, पांच घायलों का दुर्घटना के बाद अन्य जिलों के चिंहिंत अस्पतालों में इलाज कराया गया है। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ.उदित नारायण पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को त्वरित और निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में गौतमबुद्ध नगर निरंतर प्रभावी कार्य कर रहा है। योजना के तहत 310 घायलों को उपचार उन्होंने बताया कि इस योजना के



तहत कुल 43 अस्पतालों का चयन किया गया है। पुलिस विभाग द्वारा स्वीकृत मामलों के आंकड़ों के अनुसार, कुल 310 लाभार्थियों का चयनित अस्पतालों में इलाज कराया गया है। इनमें जिम्स अस्पताल में 204 मरीज, शारदा अस्पताल में 75 मरीज, शारदा अस्पताल शारदा केयर हेल्थसिटी में 22 मरीज, न्यू जेवर अस्पताल ट्रॉमा सेंटर में दो मरीज, श्री राम सिंह मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में एक मरीज और एसजेएम सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में एक मरीज का इलाज किया गया है। अन्य जनपदों में संतोष मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गाजियाबाद में दो मरीज, नवीन अस्पताल, गाजियाबाद में एक मरीज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट, बरेली में एक रोगी, टीएमएचआरसी मुरादाबाद में एक मरीज का इलाज किया गया है। सात दिनों तक कैशलेस उपचार की सुविधा उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत किसी भी मोटर वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्ति को हादसे की तिथि से अधिकतम सात दिनों तक 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों यातायात नियमों का पालन करें और सड़क दुर्घटना की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के घायलों की मदद करें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 112 पर कॉल कर घायलों को नजदीकी चिंहिंत अस्पताल पहुंचाएं, ताकि गोल्डन आवर में समय पर उपचार देकर उनका जीवन बचाया जा सके।

विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी

नोएडा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संविधान दिवस के अवसर पर ह्यविकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम-संविधान दिवस विशेषह्न का आयोजन किया गया। यह आयोजन सेक्टर 62 स्थित दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य थीम ह्यनशा मुक्त युवाझविकसित भारतह्न रही। इसमें संस्थान के विद्यार्थियों एवं माय भारत के युवा स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए सांसद डॉ. महेश शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, एकता और अखंडता का आधार है। युवा पीढ़ी में संविधान के प्रति जागरूकता और उसके आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में शामिल हुए विशिष्ट अतिथि इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथियों में पैरालंपियन सुवर्णा राज, न्यायमूर्ति भंवर सिंह, महानिदेशक डीएमई डॉ. कोमल



विग, निदेशक डीएमई डॉ. राजिंदर रंधावा, विभागाध्यक्ष लॉ स्कूल डॉ. नेहा शर्मा, तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ से कार्यक्रम अधिकारी डा. श्वेता खुराना, शिवेंद्र सिंह, प्रियांशु चौधरी आदि उपस्थित रहे। नशा मुक्त समाज के लिए युवाओं की भूमिका कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना तथा मादक पदार्थों एवं तंबाकू के सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर युवाओं को विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण, राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका तथा नशे की समस्या से व्यक्तिगत, सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता वीडियो का प्रदर्शन, अतिथियों द्वारा अनुभव एवं विचार साझा करना तथा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। इसके माध्यम से प्रतिभागियों ने संवैधानिक मूल्यों, जिम्मेदार नागरिकता और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के पालन का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डीएमई के विद्यार्थियों एवं माय भारत के युवा स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

बच्चे के हाथ टूटने के मामले में दनकौर कोतवाली का किया घेराव

एजेंसी

नोएडा। दनकौर यमुना सिटी के सेक्टर 25 स्थित सरदार पटेल विद्यालय के स्कूल में छात्र के दोनों हाथ टूटने के मामले में पीड़ित परिजनों और ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं के साथ गुरुवार को दनकौर कोतवाली का घेराव किया। कोतवाली पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण और यूनियन के कार्यकताओं ने स्कूल के खिलाफ कार्रवाई और रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस मामले में एसीपी तृतीय रवि शंकर द्वारा पीड़ित की तहरीर रोजनामचे में दर्ज करने और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई के आश्वासन पर ही प्रदर्शनकारी शांत हुए।

परिजनों ने स्कूल पर लगाए आरोप सरदार पटेल स्कूल में 23 नवंबर को शारीरिक गतिविधियों के दौरान कक्षा 6 के छात्र हर्षित को रस्सी से गिरने के कारण चोट लग गई थी। इस घटना में छात्र हर्षित के दोनों हाथ टूट गए थे। नाक मुंह और चेहरे पर भी चोट पहुंची थी। परिजनों का आरोप था कि स्कूल प्रबंधन ने बच्चे का उपचार नहीं कराया। इसके बाद 24 नवंबर को पीड़ित के अधिवक्ता चाचा सूरज ने दनकौर कोतवाली में तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद 25 नवंबर को पीड़ित परिवार और गांव के लोगों ने स्कूल पर धरना देकर प्रदर्शन किया था।



लेकिन स्कूल के शिक्षक और प्रिंसिपल ने पीड़ित पक्ष और ग्रामीणों से वार्ता नहीं की। इस बात से नाराज होकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकताओं ने कोतवाली का घिराव करने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। तहरीर दर्ज कर कार्रवाई का आश्वासन गुरुवार को 10:00 बजे सैकड़ों किसान यूनियन के कार्यकर्ता और ग्रामीण पीड़ित पक्ष के लोग दनकौर कोतवाली पर धरना देकर बैठ गए। धरना प्रदर्शन के दौरान दनकौर कोतवाल भी प्रदर्शनकारियों के बीच नहीं आ सके। इस कारण लोगों का गुस्सा बढ़ गया। मौके पर एसीपी तृतीय रवि शंकर पहुंचे उन्होंने ग्रामीणों और किसान यूनियन के कार्यकताओं से बातचीत की। काफी देर तक हुई वार्ता कहासुनी के बाद के पीड़ित पक्ष की तहरीर रोजनामचे में दर्ज की गई।

बोर्ड बैठक: 11327 आवंटियों को आवास बनाने के लिए एक वर्ष अतिरिक्त मिला

एजेंसी

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की बोर्ड बैठक में आवंटियों, किसानों और निवेशकों को राहत देने वाले कई अहम फैसले लिए गए। अब 11327 आवासीय भूखंड खरीदारों को आवास बनाने के लिए मिलने वाली निशुल्क समय सीमा एक साल और बढ़ा दी गई है। भूमि की उपलब्धता ना होने और आवंटियों को बिजली, पानी, सड़क समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं न होने के चलते प्राधिकरण ने इस बार यह समय सीमा तीसरी बार बढ़ाई गई है। इससे भूखंड खरीदारों को काफी राहत मिली है। इसके अलावा प्राधिकरण ने 12 अन्य प्रस्तावों पर मुहर लगी है।गुरुवार को यमुना विकास प्राधिकरण की 94वीं बोर्ड बैठक में अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार के



समक्ष यह प्रस्ताव रखा गया है। बताया गया कि यमुना प्राधिकरण वर्ष 2009 से अब तक करीब विभिन्न आवासीय भूखंड योजना के तहत अलग अलग सेक्टर में 30981 भूखंडों का आवंटन कर चुका। वर्ष 2009 में पहली आवासीय भूखंड योजना के तहत 20406 भूखंड आवंटित किए थे। शेष करीब 10575 अन्य योजना के तहत आवंटित किए गए है। इनमें 18,411 की चेकलिस्ट जारी हो चुकी है। इनमें 14272 की रजिस्ट्री हो चुकी है। वर्तमान में 12570 भूखंडों की चेकलिस्ट व 4139 भूखंडों की रजिस्ट्री बची है। अफसरों के मुताबिक आवास न बनने का मुख्य कारण, भूमि की उपलब्धता ना होने से खरीदारों को कब्जा न मिल पाना और भूखंड विकसित नहीं होना है। करीब 17 वर्षों बाद भी यमुना सिटी के सेक्टरों में बिजली, पानी, सड़क व अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सेक्टरों में आवंटियों के भूखंडों पर आज भी खेती हो रही है। ऐसे में प्राधिकरण ने इन आवंटियों को मकान बनाने के लिए 31 दिसंबर 2027 तक का समय दिया है। वर्तमान में शहर में 2945 आवंटी अपना आवास बनाकर प्राधिकरण से कंप्लीशन प्राप्त कर चुके हैं। इसके अलावा बोर्ड के समक्ष 46 नए सेक्टरों का सर्विस मास्टर प्लान भी प्रस्तुत किया गया, भविष्य में इसी मास्टर प्लान के अनुसार क्षेत्र में जलापूर्ति, सीवेज और ड्रेनेज की व्यवस्था होगी।एयरपोर्ट के लिए भूमि खरीद पर 565.15 करोड़ खर्चवित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 अक्तूबर 2026 तक प्राधिकरण की कुल प्राप्तियां 7,071.48 करोड़ रुपये दर्ज की गईं, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में प्राप्त 1,746.38 करोड़ रुपये से चार गुना अधिक हैं। इस वर्ष भूमि अधिग्रहण के लिए निर्धारित 8,000 करोड़ रुपये के बजट में से 4,985.47 करोड़ रुपये भूमि खरीद एवं अधिग्रहण पर खर्च किए गए जोकि कुल बजट का 62.32 प्रतिशत है। जेवर एयरपोर्ट के भूमि अधिग्रहण पर 565.15 करोड़ रुपये दिए गए। वहीं, निर्माण एवं विकास कार्यों पर 383 करोड़ और विशेष परियोजनाओं के लिए एनएचएआई को 555.38 करोड़ रुपये जारी किए गए।---निजी बिजनेस पार्क और रेस्को नीति को अपनायायीडा ने उत्तर प्रदेश निजी बिजनेस पार्क विकास योजना-2025 को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। बोर्ड की मंजूरी के बाद अब प्राधिकरण इस नीति के तहत सेक्टरों को चिन्हित करने, भूखंडों का नियोजन कराने और योजना का ब्रोशर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा खर्च में बचत के लिए भी कदम उठाया है। प्राधिकरण क्षेत्र में स्थापित संस्थानों की छतों पर रेस्को पद्धति से रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इन्वेस्ट यूपी से प्राप्त लैंड फैसिलिटेशन लेटर और निवेश सारथी पोर्टल पर मिल रहे निवेश प्रस्तावों को देखते हुए प्राधिकरण ने किसानों से आपसी सहमति के आधार पर भूमि खरीदने का निर्णय लिया है। इसके अलावा कॉर्पस फंड की धनराशि खर्च करने के लिए नियमावली तैयार की है। इसके तहत कॉर्पस फंड में शामिल विभिन्न मदों से प्राप्त धनराशि के व्यय का प्रावधान किया गया है।

सेबी ने अल्पांश शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा पर जोर दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि बाजार नियामक अल्पांश शेयरधारकों के हितों को बहुत गंभीरता से लेता है। उन्होंने प्रॉक्सी सलाहकार फर्मों की भूमिका का भी समर्थन किया, जो कंपनी संचालन संबंधी चिंताओं को उजागर करती हैं। यह टिप्पणी टाटा स्टील और एपीएल अपोलो ट्यूब्स के प्रस्तावित सौदे पर प्रॉक्सी फर्मों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद आई है। एक कार्यक्रम में उन्होंने जोर देकर कहा कि निवेशकों की सुरक्षा सेबी की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा` कि अल्पांश शेयरधारकों का हित हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रॉक्सी सलाहकारों को मुद्दों को सामने लाने का पूरा अधिकार है। वे अल्पांश शेयरधारकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और जब वे ऐसी चिंताएं उठाते हैं तो हम उनका समर्थन करते हैं। सेबी चेयरमैन ने सौदे की संरचना, मूल्यांकन और एपीएल अपोलो के अल्पांश शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा को लेकर उठाई गई चिंताओं पर सार्वजनिक चर्चा और मीडिया की पड़ताल का भी स्वागत किया। टाटा स्टील ने हाल ही में एपीएल अपोलो ट्यूब्स में प्रवर्तकों की 26.6 फीसदी हिस्सेदारी 15,510 करोड़ रुपये में खरीदने और 16,756 करोड़ रुपये की खुली पेशकश के जरिये अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की थी।

कर्नाटक में तीन दिवसीय बैंक अवकाश, कनकदास जयंती पर बंद रहेंगे बैंक

आरबीआई ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत छुट्टी घोषित की

नई दिल्ली ।

कर्नाटक में शुक्रवार को कनकदास जयंती के उपलक्ष्य में सभी बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत इस छुट्टी की घोषणा की है, जिससे बेंगलुरु, मैसूर समेत पूरे राज्य में बैंक शाखाएं बंद हैं। यह अवकाश 16वीं सदी के संत कनकदास के सम्मान में है। प्रसिद्ध संत, कवि और समाज सुधारक कनकदास ने कन्नड़ भक्ति गीतों के माध्यम से सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई थी। कर्नाटक सरकार द्वारा घोषित यह सार्वजनिक अवकाश आरबीआई द्वारा भी अनुमोदित है। शुक्रवार को कर्नाटक में बैंक बंद हैं, जबकि अन्य राज्यों में कामकाज सामान्य है। कर्नाटक में यह लंबी छुट्टी श्रृंखला है- 27 नवंबर (कनकदास जयंती), 28 नवंबर (चौथा शनिवार) और 29 नवंबर (रविवार) के कारण राज्य में लगातार तीन दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में भी ग्राहक डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यूपीआई, मोबाइल/इंटरनेट बैंकिंग, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस जैसी सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं। एटीएम, ऑनलाइन बिल भुगतान और खाता शेष जांचना भी संभव है। ये सुविधाएं वित्तीय कामकाज को बाधित नहीं होने देतीं।

सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर के नए कनेक्शन जारी करने पर अस्थायी रोक जारी

पिछले कई महीनों से इंडेन, एचपी और भारत गैस ने बंद किए नए कनेक्शन

नई दिल्ली ।

देश भर में नए घरेलू गैस कनेक्शन का संकट गहरा गया है, जिससे लाखों आवेदक परेशान हैं। तीनों सरकारी तेल कंपनियों इंडेन, एचपी और भारत गैस ने 14.2 किलोग्राम वाले सामान्य घरेलू सिलेंडर के नए कनेक्शन जारी करने पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है।

यह रोक पिछले कई महीनों से जारी है, जिसके कारण उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि सब्सिडी वाले गैस कनेक्शन भी फिलहाल बंद बताए जा रहे हैं। तेल कंपनियों द्वारा नए घरेलू गैस कनेक्शन पर लगाई गई अस्थायी रोक ने देशभर के लाखों लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार तीनों कंपनियों ने अपने सॉफ्टवेयर से 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर का विकल्प भी हटा दिया है। अब नए कनेक्शन के लिए केवल 5 किलोग्राम और 10 किलोग्राम वाले छोटे सिलेंडर ही उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में ही लगभग 70,000 आवेदन लंबित बताए जा रहे हैं, जबकि देशभर में लाखों लोग नए कनेक्शन का इंतजार कर रहे हैं। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण गैस सप्लाई पर पड़े दबाव और पाइप वाली गैस को बढ़ावा देने के चलते यह कदम उठाया गया है। इस रोक के कारण उपभोक्ता महंगे दरों पर छोटे या कमर्शियल सिलेंडर खरीदने पर मजबूर हो रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 989, निफ्टी 277 अंक गिरा

मुंबई ।



घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण भी बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 989.33 अंक नीचे आकर 83,339.26 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 277.30 अंक फिसलकर 25,607.20 के स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान, सेंसेक्स 83,208.33 के निचके स्तर जबकि निफ्टी एक समय 25,565.90 के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। आज निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, बजाज ऑटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और टीसीएस जैसे शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इनमें करीब 2.5 से 5 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, बीईएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एसबीआई लाइफ, ओएनजीसी और इंडिगो जैसे शेयरों में तेजी आई। सेक्टरवार बात करें तो, निफ्टी आईटी इंडेक्स , रियल्टी इंडेक्स में , ऑटो और प्राइवेट बैंक इंडेक्स में गिरावट आई। इसके विपरीत निफ्टी केमिकल , मेटल , मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में तेजी रही। खास बात यह रही कि व्यापक बाजारों ने इस गिरावट के बीच बेहतर प्रदर्शन किया, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 83932 और निफ्टी 25803 तक फिसले।

सोने का भाव 25 दिन में 17,000 टूटा



नई दिल्ली ।

नवंबर महीना सोने के निवेशकों और खरीदारों के लिए एक बड़े झटके या सुनहरे अवसर दोनों की तरह सामने आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर पिछले 25 दिनों में सोने की कीमतों में करीब 17,000 रुपए प्रति 10 ग्राम की भारी गिरावट दर्ज की गई, जो 12 फीसदी से अधिक है। वहीं, अपने जनवरी के रिकॉर्ड स्तर से यह 31 फीसदी टूटकर 55,000 रुपए से ज्यादा सस्ता हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, 30 अक्टूबर को 1,38,485 रुपए पर बंद हुआ सोना 26 नवंबर को 1,21,478 रुपए तक गिर गया था। यानी महज 25 कारोबारी दिनों में इसकी कीमत में 17,000 रुपए से अधिक की गिरावट आई। 25 नवंबर को तो यह 1.20 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के भी नीचे चला गया था, जो इस गिरावट के चरम को दर्शाता है। हालांकि, शुक्रवार को बाजार में रौनक लौटी और सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल देखने को मिला। खबर लिखे जाने तक, सोना 2,973 की बढ़त के साथ 1,25,245 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी भी 8,339 रुपए उछलकर 1,54,182 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी, जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली।

एसआईएफ ने किया कमाल, पहले ही साल में 42 हजार करोड़ का आंकड़ा पार

विशेषज्ञ बोले- म्यूचुअल फंड के साथ पूरक विकल्प के तौर पर देखें

नई दिल्ली ।

अपनी शुरुआत के पहले ही साल में स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) ने निवेशकों का जबरदस्त रिस्पांस हासिल किया है। इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) एक साल में ही 42 हजार करोड़ रुपये के पार चला गया है। न्यूनतम 10 लाख रुपये से शुरू होने वाला यह नया निवेश विकल्प, म्यूचुअल फंड के बावजूद निवेशकों को खूब लुभा रहा है। जानकारों के मुताबिक एसआईएफ की रणनीतियाँ छोटी और मध्यम अवधि के लक्ष्यों के लिए म्यूचुअल फंड से बेहतर साबित हो सकती हैं। इन फंड्स में फंड मैनेजरों को निवेश रणनीति बनाने में अधिक लचीलापन मिलता है। इनकी प्रमुख रणनीति इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट है, जिसमें संभावित तेजी वाले शेयरों में खरीदारी और गिरावट की आशंका वाले शेयरों में डेरिवेटिव्स के जरिए शॉर्ट पोजीशन ली जाती है। इससे बाजार की दोनों स्थितियों में लाभ कमाने के अवसर मिलते हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को म्यूचुअल फंड को अपने पोर्टफोलियो का आधार बनाना चाहिए, जबकि एसआईएफ को पूरक विकल्प के तौर पर देखना चाहिए। निवेश का फैसला करते समय सिर्फ रिटर्न नहीं, बल्कि जोखिम, लिक्विडिटी और टैक्स का भी सावधानीपूर्वक आकलन जरूरी है। हालांकि शेयर बाजार और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) में लीवरेज है, सेबी ने एसआईएफ और म्यूचुअल फंड में अधिकतम 100 फीसदी पूंजी एक्सपोजर की ही अनुमति दी है।

महानदी कोलफील्ड्स के शेयर की कमजोर शुरुआत

बीएसई और एनएसई पर इश्यू प्राइस से नीचे हुए लिस्ट, आईपीओ को मिला था कमजोर प्रतिसाद

मुंबई । सरकारी कंपनी कोल इंडिया की सहायक इकाई महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) के शेयर शुक्रवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए, लेकिन यह लिस्टिंग निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से कम पर खुले, जिससे आईपीओ में पैसे लगाने वालों को शुरुआती नुकसान हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर एमसीएल के शेयर 136 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 2.1 प्रतिशत की छूट पर 133.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर भी यह 134 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से कम था। महानदी कोलफील्ड्स का सार्वजनिक निर्गम 19 से 23 नवंबर के बीच खुला था, जिसे निवेशकों से ठंडा प्रतिसाद मिला और यह महज 1.52 गुना ही सब्सक्राइब हो सका। इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 8,981 करोड़ रुपये जुटाए, जो पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था। इसका मतलब है कि जुटाई गई पूरी रकम कोल इंडिया के खाते में गई, जिसने लगभग 66.18 करोड़ शेयर बेचे। आईपीओ में कर्मचारियों को प्रति शेयर 6 रुपये की छूट मिली थी, और कोल इंडिया के योग्य शेयरधारकों के लिए भी शेयर आरक्षित थे। लिस्टिंग से पहले, 18 नवंबर को महानदी कोलफील्ड्स ने एंकर निवेशकों को 136 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लगभग 16.88 करोड़ शेयर आवंटित कर 2,295 करोड़ रुपये जुटाए थे। इन निवेशकों में 53 प्रमुख घरेलू और विदेशी फंड शामिल थे। अप्रैल 1992 में स्थापित, महानदी कोलफील्ड्स कोल इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह मुख्य रूप से ओडिशा के तालचेर और ईब वैली क्षेत्रों में कोयले का उत्पादन करती है। इसके पास 14 खुली और तीन भूमिगत खदानों सहित कुल 17 खदानें हैं। कंपनी अपने मजबूत वित्तीय आधार के साथ, पिछले वित्त वर्ष में लगभग 30,550 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व और 10,698 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज कर चुकी है, तथा यह बिजली, स्टील और सीमेंट जैसे उद्योगों को कोयले की आपूर्ति करती है।

एआई का बढ़ता प्रभाव, अगले 5 साल में 2.4 करोड़ नौकरियां खतरे में

जेपी मॉर्गन ने कहा, वैश्विक स्तर पर हर साल 1.3 फीसदी नॉलेज वर्कर्स विस्थापित होंगे

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की अभूतपूर्व तरक्की अब वैश्विक कार्यबल के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। जेपी मॉर्गन वेल्थ मैनेजमेंट की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच सालों में एआई के कारण दुनिया भर में 2.4 करोड़ नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। इनमें मुख्य रूप से नॉलेज वर्कर्स यानी दिमागी काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी भूमिकाएं अब मशीनों को सौंपी जा रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि कंपनियां लगातार उन कार्यों के लिए एआई का उपयोग कर रही हैं, जिन्हें पहले मनुष्य संभालते थे। जेपी का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों तक, एआई हर साल वैश्विक स्तर पर 1.3 प्रतिशत नॉलेज वर्कर्स को विस्थापित कर सकता है। यह आकलन इस धारणा पर आधारित है कि कंपनियां एआई पर जितना खर्च करेंगी, उसका आधा हिस्सा मानवीय श्रम की जगह लेने में इस्तेमाल होगा।

चौंकाने वाली बात यह है कि एआई पर होने वाला खर्च, कर्मचारियों पर होने वाले खर्च का लगभग आधा है। बैंक का कहना है कि बड़े पैमाने पर छंटनी की संभावना कम है। इसके बजाय, एआई-जनित बदलावों के तहत कंपनियों द्वारा खाली हुए पदों को न भरना एक प्रमुख तरीका होगा। रिपोर्ट इस बात पर भी जोर देती है कि यदि नौकरी का यह नुकसान किसी विशेष पेशे या भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित रहता है, तो इससे स्थानीय स्तर पर गंभीर आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। विश्लेषकों के अनुसार, एआई का सर्वाधिक उपयोग करने वाला अमेरिका इस बदलाव से सबसे बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

यदि दो-तिहाई नौकरियां अमेरिका में समाप्त होती हैं, तो 5 सालों में 1.6 करोड़ अमेरिकी कर्मचारी प्रभावित होंगे, यानी हर साल 30 लाख। जेपी मॉर्गन ने इस दर की तुलना 2000 के दशक में विनिर्माण क्षेत्र में हुई नौकरी के नुकसान से की है, जो उससे चार गुना अधिक होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पूरा होने के करीब- गोयल

नई दिल्ली ।



वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पूरा होने के करीब है और समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तथा रूपरेखा अब आकार ले रही है।गोयल ने इंडिया डेट कैपिटल मार्केट समिट 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा ` कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने के करीब है। वह प्रक्रिया और मार्ग, जिसकी वजह से समझौते को अंतिम रूप देने में हमेशा रुकावट आती थी, उसमें अब कुछ बात बन रही है। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की ताजा रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया गया है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सुरक्षा में बड़ा बदलाव,इन-हाउस सिस्टम पर जोर

साइबर हमलों के खतरे के बीच 60-70 फीसदी डिजिटल प्लेटफॉर्म बैंक खुद करेगा संचालित

नई दिल्ली ।

बढ़ते साइबर हमलों से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक ने अपनी डिजिटल सुरक्षा रणनीति बदली है। बैंक अब अपने महत्वपूर्ण डिजिटल बैंकिंग और भुगतान प्लेटफॉर्मों पर बाहरी निर्भरता घटाकर, उन्हें आंतरिक रूप से विकसित और प्रबंधित करेगा। अगले कुछ वर्षों में बैंक के 60 से 70 प्रतिशत प्रमुख ऐप्स और सिस्टम को इन-हाउस लाने का लक्ष्य है। बैंक के एक अे धिकारी के अनुसार माय कॉर्ड्स, ओनलीकॉर्ड्स और पेजेडएप जैसे प्लेटफॉर्म सहित मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग, कोर पेमेंट्स और एपीआई मैनेजमेंट जैसे संवेदनशील डिजिटल सिस्टम को आंतरिक नियंत्रण में लिया जा रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब फिनटेक कंपनियों और एनबीएफसी पर साइबर हमले बढ़े हैं, जिससे पिछले तीन महीनों में 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन ने भी ऐसे हमलों को लेकर चेतावनी जारी की है। बैंक का मानना है कि केवल समय-समय पर होने वाले सिक्योरिटी ऑडिट के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपनी प्रौद्योगिकी पर सीधा नियंत्रण अब आवश्यक है। इस रणनीति से एचडीएफसी बैंक न केवल थर्ड-पार्टी कंपनियों पर अपनी निर्भरता कम करेगा, बल्कि अपने ग्राहकों को अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल बैंकिंग अनुभव भी प्रदान करेगा।

म्यूचुअल फंड के रेगुलर प्लान में निवेशकों का गहरा विश्वास

सिर्फ एयूएम ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक निवेश बनाए रखने के मामले में भी रेगुलर प्लान

नई दिल्ली।

म्यूचुअल फंड में निवेश का खर्च कम करने के बावजूद, निवेशकों का रुझान महंगे रेगुलर प्लान की ओर अधिक है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार इक्विटी ओरिएंटेड फंडों के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में रेगुलर प्लान की हिस्सेदारी 68 फीसदी है, जबकि कम लागत वाले डायरेक्ट प्लान महज 32 फीसदी पर सिमटे हुए हैं। यह विरोधाभास निवेशकों के लिए खर्च के अलावा अन्य महत्वपूर्ण कारकों को उजागर करता है। सिर्फ एयूएम ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक निवेश बनाए रखने के मामले में भी रेगुलर प्लान अव्वल हैं। मार्च 2026 तक, रेगुलर प्लान की 23.5 फीसदी संपत्ति पांच साल से अधिक समय से निवेशित थी, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह आंकड़ा केवल 14 फीसदी था।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के संदर्भ में यह अंतर और भी स्पष्ट है, जहां रेगुलर प्लान की 34.4 फीसदी एसआईपी संपत्ति पांच साल से ज्यादा समय से निवेशित पाई गई, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह आंकड़ा 19.9 फीसदी रहा। जानकारों का मानना है कि कम खर्च के बावजूद, निवेशकों के लिए भरोसा, सही मार्गदर्शन और निवेश की नियमित निगरानी बेहद महत्वपूर्ण होती है।

यही कारण है कि रिटेल और अमीर निवेशकों की लगभग 70 फीसदी म्यूचुअल फंड संपत्ति आज भी रेगुलर प्लान में है। एक सर्वे के मुताबिक, हर 10 में से छह डिस्ट्रीब्यूटर ग्राहक निवेश संबंधी फैसलों के लिए पूरी तरह उन पर निर्भर रहते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूटर केवल फंड बेचने वाले एजेंट नहीं हैं, वे निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने, लंबी अवधि के लक्ष्य हासिल करने और बाज़ार के उतार-चढ़ाव के दौरान स्थानीय भाषा में संवाद कर निवेशकों की चिंताओं को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

म्यूचुअल फंड उद्योग की भविष्य की वृद्धि इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश जागरूकता को लंबी अवधि के निवेश में कैसे बदला जाता है।

बैंकों में गहराया नकदी संकट, आरबीआई पर तरलता बढ़ाने का दबाव

सीडी और ओवरनाइट दरें बढ़ीं, डब्ल्यूएसीआर भी एमएसएफ के पार



मुंबई ।

अक्टूबर में नीतिगत दरों में बढ़ोतरी के बाद से भारतीय बैंकिंग तंत्र में नकदी का गंभीर संकट गहरा गया है। मौजूदा समय में बैंकिंग तंत्र में 32,216 करोड़ रुपये की भारी कमी दर्ज की गई है, जिससे अल्पकालिक ब्याज दरों में उल्लेखनीय उछाल आया है। यह स्थिति केंद्रीय बैंक पर तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाने के नए उपाय करने का दबाव बढ़ा रही है। नकदी की इस किल्लत के चलते तीन महीने के जमा प्रमाणपत्रों (सीडी) पर ब्याज दरें लगभग 100 आधार अंक बढ़कर 7.5-7.6 प्रतिशत तक पहुंच गई हैं, और ओवरनाइट मनी मार्केट दरें भी बढ़ी हैं। मौद्रिक नीति का अहम लक्ष्य मानी जाने वाली औसत भारित कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) हाल ही में बढ़कर 5.76 प्रतिशत हो गई है, जो सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर (5.75 प्रतिशत) से भी अधिक है। यह दर्शाता है कि परिचालन दरें प्रभावी रूप से 75 आधार अंक तक बढ़ गई हैं, जिसमें 50 आधार अंक सिर्फ नकदी की तंगी के कारण हैं।

व्हाट्सएप ला रहा है यात्रियों के लिए ई-सिम सुविधा

ऐप के भीतर से ही खरीदें डेटा ई-सिम, जियो भी साझेदारों में शामिल

नई दिल्ली ।

मेटा के स्वामित्व वाली मैसेजिंग ऐप व्हाट्सएप अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक बड़ी सुविधा लाने की तैयारी में है। जल्द ही उपयोगकर्ता सीधे ऐप के भीतर से डेटा ई-सिम खरीद और इंस्टॉल कर सकेंगे, जिससे विदेश में भी अपने मौजूदा फोन नंबर पर बिना किसी रुकावट के व्हाट्सएप का उपयोग जारी रखना आसान हो जाएगा। यह कदम उपयोगकर्ताओं को स्थानीय सिम कार्ड खरीदने की झंझट या महंगे रोमिंग शुल्क से मुक्ति दिलाएगा। व्हाट्सएप ने बताया कि बस कुछ ही टैप में ई-सिम खरीदना और इंस्टॉल करना संदेश भेजने जितना ही आसान होगा। कंपनी ने इस सुविधा के लिए जियो, स्मार्ट एक्सियाटा, स्मार्ट कम्युनिकेशंस और वेरिजॉन जैसे प्रमुख ई-सिम प्रदाताओं और दूरसंचार साझेदारों के साथ साझेदारी की है। यह सेवा जल्द ही चुनिंदा देशों में शुरू की जाएगी, हालांकि अभी तक उन देशों के नाम या कीमतों का खुलासा नहीं



किया गया है। व्हाट्सएप के प्रमुख कुणाल शाह ने इसे ई-सिम क्षेत्र में कंपनी का शुरुआती अन्वेषण बताया है, जिसका उद्देश्य कहीं भी व्हाट्सएप के निर्बाध कार्य को सुनिश्चित करना है। दुनिया भर में तीन अरब से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ, यह सुविधा अंतरराष्ट्रीय यात्रा को काफी सरल बना सकती है और कनेक्टिविटी के अनुभव को बेहतर बनाएगी।

भोजन पैकेट पर चेतावनी : स्वास्थ्य अधिकार की बड़ी जीत

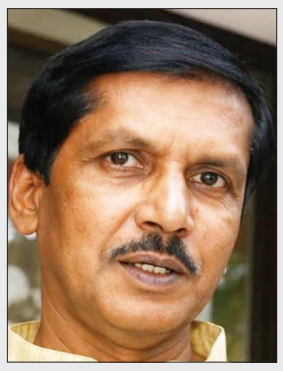

कुमार कृष्णन

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य को बाजार के व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चेतावनी लेबल किसी उत्पाद पर प्रतिबंध नहीं है और न ही उपभोक्ता की पसंद पर नियंत्रण। यह उसे सही जानकारी देकर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाने का माध्यम है। अब असली परीक्षा केंद्र सरकार और एफएसएसएआई की है। क्या वे समयबद्ध तरीके से वैज्ञानिक और प्रभावी नियम लागू कर पाएंगे? क्या खाद्य कंपनियों को बिना किसी भेदभाव के उनका पालन करना होगा? क्या बच्चों को स्वस्थ खानपान की व्यावहारिक शिक्षा मिलेगी?

क्या किसी खाद्य पदार्थ का आकर्षक पैकेट उसकी गुणवत्ता और स्वास्थ्य के लिए उपयोगिता की गारंटी हो सकता है? क्या चमकदार विज्ञापनों, लुभावने दावों और स्वाद के पीछे छिपी चीनी, नमक तथा वसा की अधिक मात्रा के बारे में उपभोक्ता को पर्याप्त जानकारी मिलती है? बाजार में उपलब्ध पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की दुनिया में ये सवाल अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत में खानपान की बदलती आदतों, तेजी से बढ़ते प्रसंस्कृत खाद्य बाजार और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बीच सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है।

26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने की ओर स्पष्ट चेतावनी लेबल लगाने की व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि जिन खाद्य पदार्थों में चीनी, नमक या वसा की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक होगी, उनके पैकेट पर अलग-अलग षट्कोणीय चेतावनी चिह्न लगाने होंगे। प्रत्येक चिह्न में संबंधित पोषक तत्व का चित्र और 'हाई शुगर', 'हाई साल्ट' या 'हाई फैट' लिखा होना चाहिए। यदि किसी उत्पाद में एक से अधिक तत्वों की मात्रा अधिक है, तो प्रत्येक के लिए अलग चेतावनी देनी होगी। एक ही चिह्न में सभी चेतावनियों को समेट देना पर्याप्त नहीं होगा।

इस फैसले का महत्व केवल खाद्य पदार्थों के पैकेट पर कुछ शब्द छापने तक सीमित नहीं है। यह उपभोक्ता के जानने के अधिकार, स्वास्थ्य के अधिकार और खाद्य कंपनियों की जवाबदेही से जुड़ा प्रश्न है। बाजार में खरीदारी करते समय उपभोक्ता को यह जानने का अवसर मिलना चाहिए कि वह जिस खाद्य पदार्थ को खरीद रहा है, उसमें स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक तत्व कितनी मात्रा में मौजूद हैं। यह जानकारी किसी कानूनी औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि आसानी से समझ में आने वाली भाषा और संकेतों में उपलब्ध होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश '3एस एंड अवर हेल्थ सोसायटी' की ओर से दायर जनहित याचिका पर आया है। इस संगठन ने पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने की ओर पोषण संबंधी चेतावनी लगाने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने एफएसएसएआई की प्रस्तावित व्यवस्था में कई कमियां रेखांकित की थीं। प्राधिकरण ने पहले सुझाव दिया था कि शुरुआती चरण में उन उत्पादों पर चेतावनी लगाई जाए जिनमें दो या अधिक चिंताजनक पोषक तत्व निर्धारित सीमा से ज्यादा हों। बाद में इस व्यवस्था का विस्तार करके किसी एक तत्व की अधिकता वाले उत्पादों को भी इसमें शामिल किया जाए। अदालत ने इस दो चरणों वाली व्यवस्था पर सवाल उठाया।

अदालत का तर्क था कि यदि किसी उत्पाद में चीनी की मात्रा अपने आप में अधिक है, तो उसे चेतावनी के दायरे में लाने के लिए नमक या वसा की अधिकता की प्रतीक्षा क्यों की जाए? नमक की अधिकता भी स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है और संतृप्त वसा की अधिकता भी। किसी एक तत्व की अधिकता को नजरअंदाज करना उपभोक्ता के हितों के विरुद्ध होगा। इसीलिए अदालत ने एकल चरण वाली व्यवस्था पर जोर दिया, जिसके तहत किसी एक चिंताजनक तत्व की निर्धारित सीमा पार होने पर भी संबंधित चेतावनी लगानी होगी।

फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि चीनी और वसा की मात्रा तय करने के लिए केवल बाहर से मिलाई गई चीनी या वसा को आधार नहीं बनाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने



एफएसएसएआई को निर्देश दिया कि चेतावनी के लिए चीनी के मामले में कुल शर्करा और वसा के मामले में संतृप्त वसा को ध्यान में रखा जाए। नमक भी चिंताजनक पोषक तत्वों में शामिल रहेगा। इसका अर्थ है कि किसी खाद्य पदार्थ में मौजूद कुल शर्करा और संतृप्त वसा की वास्तविक मात्रा के आधार पर वैज्ञानिक मानक तैयार किए जाएं। केवल यह बताना पर्याप्त नहीं होगा कि निर्माण के दौरान कितनी अतिरिक्त चीनी या वसा मिलाई गई है।

अदालत ने एफएसएसएआई को इन पोषक तत्वों की निर्धारित सीमाओं पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है। सीमाएं इतनी कम नहीं होनी चाहिए कि लगभग हर उत्पाद पर चेतावनी लगने लगे और इतनी अधिक भी नहीं कि वास्तव में जोखिम वाले उत्पाद इसके दायरे से बाहर रह जाएं। यदि हर पैकेट पर चेतावनी होगी तो उपभोक्ता धीरे-धीरे उसके प्रति संवेदनहीन हो सकता है। दूसरी ओर, सीमा बहुत ऊंची रखने से चेतावनी व्यवस्था का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए वैज्ञानिक साक्ष्यों और भारतीय आबादी की पोषण संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर संतुलित मानक तय करना जरूरी है।

इस निर्णय के पीछे सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चिंता है। भारत में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय संबंधी बीमारियां बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। खानपान में अत्यधिक चीनी, नमक और संतृप्त वसा की मौजूदगी इन समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकती है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों की खाद्य आदतें चिंता का विषय हैं। बाजार में रंगीन पैकेटों में मिलने वाले चिप्स, बिस्कुट, मीठे पेय, चॉकलेट और तैयार नाश्ते बच्चों को आकर्षित करते हैं। विज्ञापन भी उनकी पसंद को प्रभावित करते हैं। कई बार माता-पिता उत्पाद के आकर्षक नाम और पैकेट पर लिखे स्वास्थ्य संबंधी दावों से प्रभावित होकर उन्हें बेहतर विकल्प समझ लेते हैं।

यहीं चेतावनी लेबल की उपयोगिता सामने आती है। पैकेट के पीछे छपी पोषण संबंधी तालिका में ऊर्जा, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, चीनी और वसा की जानकारी होती है, लेकिन सामान्य उपभोक्ता के लिए उसका अर्थ समझना आसान नहीं होता। खरीदारी के समय हर व्यक्ति के पास आंकड़ों का विश्लेषण करने का समय और तकनीकी ज्ञान भी नहीं होता। सामने की ओर स्पष्ट चेतावनी इस कठिनाई को कम कर सकती है। लाल षट्कोणीय चिह्न और उसके साथ संबंधित चित्र तथा शब्द उपभोक्ता को तुरंत सावधान कर सकते हैं। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी होगी जो पोषण संबंधी जानकारी पढ़ने या समझने में कठिनाई महसूस करते हैं।

भारत जैसे भाषाई और सामाजिक विविधता वाले देश में चित्रात्मक चेतावनियों का महत्व और बढ़ जाता है। केवल अंग्रेजी में लिखी जानकारी हर उपभोक्ता तक समान रूप से नहीं पहुंच सकती। चित्र और सरल शब्द मिलकर व्यापक आबादी तक संदेश पहुंचा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्येक चेतावनी चिह्न को अलग रखने और उसे स्पष्ट रूप से पढ़े जा सकने योग्य बनाने पर जोर दिया है। अदालत के निर्देश के अनुसार प्रत्येक षट्कोणीय चिह्न पैकेट के मुख्य प्रदर्शन क्षेत्र का लगभग चार से पांच प्रतिशत स्थान घेरेगा। अक्षरों का आकार भी ऐसा होना चाहिए कि सामान्य परिस्थितियों में खरीदारी के समय चेतावनी आसानी से पढ़ी जा सके।

इस फैसले का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष खाद्य उद्योग की जवाबदेही है। लंबे समय से खाद्य कंपनियां अपने उत्पादों को स्वाद, सुविधा और आकर्षक पैकेजिंग के आधार पर बेचती रही हैं। विज्ञापनों में कई बार उत्पादों को ऊर्जा, सक्रियता और खुशहाली से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता को उत्पाद की वास्तविक पोषण स्थिति बताने की जिम्मेदारी भी कंपनियों की है। किसी खाद्य पदार्थ को बाजार में बेचने की अनुमति मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसका नियमित और अधिक मात्रा में सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित है।

वैश्विक स्तर पर भी इस विषय पर बहस होती रही है। चिली और मेक्सिको जैसे देशों ने अधिक चीनी, नमक और वसा वाले खाद्य पदार्थों की पहचान आसान बनाने के लिए सामने की ओर चेतावनी लेबल की व्यवस्था अपनाई है। भारत में भी इस दिशा में लंबे समय से मांग उठती रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दोहरे मानदंडों पर भी चिंता जताई। यदि कंपनियां दूसरे देशों में उपभोक्ताओं को स्पष्ट चेतावनी देने वाली व्यवस्था स्वीकार करती हैं, तो भारत में वैसी ही व्यवस्था का विरोध क्यों होना चाहिए? भारतीय उपभोक्ताओं को भी उतनी ही सुरक्षा और जानकारी मिलनी चाहिए जितनी दूसरे देशों के नागरिकों को मिलती है।

हालांकि, केवल चेतावनी चिह्न लगा देना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए एफएसएसएआई को पोषक तत्वों की सीमा, चिह्नों के आकार, रंग, स्थान और अक्षरों की स्पष्टता के संबंध में वैज्ञानिक तथा व्यावहारिक मानक तय करने होंगे। कंपनियों को नियमों का पालन करने के लिए समय देना आवश्यक हो सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया अनिश्चितकाल तक नहीं खिंचनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया के लिए लगभग चार महीने की समयसीमा स्वीकार की है। नियमों की अधिसूचना के बाद खाद्य कारोबार से जुड़ी कंपनियों को अनुपालन के लिए एक वर्ष का संक्रमणकालीन समय देने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ है। अदालत ने मामले को दस सप्ताह बाद फिर सूचीबद्ध करने और प्रगति की जानकारी देने को कहा है।

एक अन्य चिंता यह है कि यदि कंपनियां चीनी, नमक और वसा की मात्रा कम करने के लिए उनके स्थान पर कृत्रिम मिठास, परिरक्षक और अन्य रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक इस्तेमाल करने लगें तो समस्या का नया रूप सामने आ सकता है। इसलिए नियमन केवल तीन पोषक तत्वों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले विकल्पों और अतिरिक्त रासायनिक पदार्थों की सुरक्षा पर भी निगरानी जरूरी है। कंपनियों को केवल चेतावनी से बचने के लिए एक जोखिमपूर्ण तत्व की जगह दूसरा संदिग्ध तत्व इस्तेमाल करने की छूट नहीं मिलनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों में पोषण संबंधी साक्षरता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया है। स्कूलों के पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव करने के साथ कार्यशालाओं, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से बच्चों को स्वस्थ खानपान की समझ देने की जरूरत बताई गई है। यह पहल दूरगामी महत्व रखती है। बच्चों को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं है कि कौन-सा भोजन अच्छा है और कौन-सा खराब। उन्हें यह भी सिखाना होगा कि पैकेट पर लिखी जानकारी कैसे पढ़ें, पोषण संबंधी दावों का अर्थ कैसे समझें और विज्ञापन तथा वास्तविक खाद्य गुणवत्ता में अंतर कैसे पहचानें।

खाद्य सुरक्षा का सवाल केवल शहरी मध्यमवर्ग तक सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे कस्बों और निम्न आय वाले परिवारों में भी पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की पहुंच बढ़ रही है। कम कीमत और आसानी से उपलब्ध होने के कारण इनका इस्तेमाल बढ़ा है। दूसरी ओर, हर व्यक्ति के पास पौष्टिक भोजन खरीदने की समान आर्थिक क्षमता नहीं है। इसलिए चेतावनी लेबल के साथ सस्ती और पौष्टिक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी, मध्याह्न भोजन और विद्यालयी पोषण कार्यक्रमों को भी पोषण संबंधी वैज्ञानिक मानकों से जोड़ना होगा।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वास्थ्य को केवल व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी मानकर सरकार और बाजार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। स्वस्थ भोजन चुनना उपभोक्ता का अधिकार है, लेकिन सही जानकारी उपलब्ध कराना सरकार और खाद्य उद्योग का दायित्व है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार को व्यापक अर्थ देता है, जिसमें स्वास्थ्य का अधिकार भी शामिल है। वहीं अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। इसलिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनके बारे में सही जानकारी सुनिश्चित करना महज प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सार्वजनिक स्वास्थ्य को बाजार के व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चेतावनी लेबल किसी उत्पाद पर प्रतिबंध नहीं है और न ही उपभोक्ता की पसंद पर नियंत्रण। यह उसे सही जानकारी देकर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाने का माध्यम है। अब असली परीक्षा केंद्र सरकार और एफएसएसएआई की है। क्या वे समयबद्ध तरीके से वैज्ञानिक और प्रभावी नियम लागू कर पाएंगे? क्या खाद्य कंपनियों को बिना किसी भेदभाव के उनका पालन करना होगा? क्या बच्चों को स्वस्थ खानपान की व्यावहारिक शिक्षा मिलेगी?

खाद्य पदार्थों का बाजार नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर मुनाफा कमाने का माध्यम नहीं बन सकता। उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार है कि उसके भोजन में क्या है। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है, जब भोजन केवल स्वाद और व्यापार का विषय न रहकर पोषण, सुरक्षा और नागरिक अधिकार का प्रश्न भी बने। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की वास्तविक सफलता इसी में होगी कि पैकेट पर चेतावनी के चिह्न दिखाई देने के साथ-साथ देश की खाद्य संस्कृति और बाजार की जवाबदेही में भी बदलाव आए।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अपने घर में डर

यह एक वैश्विक आंकड़ा है कि दुनिया में हर एक घंटे में पांच महिलाओं या लड़कियों की हत्या उनके जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा कर दी जाती है। वर्ष 2025 की यूएन वूमेन- यूएनओडीसी रिपोर्ट का यह चौंकाने वाला खुलासा, हमारा सामना एक कठोर यथार्थ से कराता है। यह सत्य कि दुनिया में लाखों महिलाओं की जान के लिये सबसे बड़ा खतरा अनजान लोगों से नहीं, बल्कि उन लोगों से है, जिनके साथ वे पारिवारिक संस्था के भीतर रहती हैं। जिन पर अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा करती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि बीते वर्ष दुनिया भर में इरादतन मारी गई करीब 78 हजार महिलाओं व लड़कियों में से 47 हजार की हत्या उनके पार्टनर या रिश्तेदारों ने की। यह दुखद ही है कि जो घर महिलाओं के लिये सबसे ज्यादा सुरक्षित स्थान माना जाता है, वही आज उसके लिये खतरनाक जगह बन रही है। हालांकि, भारत में ऐसी भयावह स्थिति नहीं है,लेकिन आंकड़े कुछ चिंताजनक संकेत जरूर दे रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार देश में 18 से 49 आयुवर्ग वाली 29 फीसदी विवाहित महिलाओं ने अपने पति द्वारा की जाने वाली हिंसा का त्रास झेला। वहीं यूएन वुमेन के आंकड़े बताते हैं कि शारीरिक या यौन हिंसा की शिकार महिलाओं में सिर्फ 14 फीसदी ने ही मदद की गुहार लगायी। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि इसमें सिर्फ 5.6 फीसदी महिलाओं ने ही मदद हेतु पुलिस से संपर्क किया। दरअसल, परंपरागत भारतीय घरों में महिलाओं की प्राथमिकता परिवार बचाना होती है। सामाजिक बदनामी, आर्थिक असुरक्षा, बदले की कार्रवाई का डर और शादी को टूटने से बचाने के भय के चलते महिलाएं चुप रहने को बाध्य हो जाती हैं। इसके बावजूद हिंसा की रिपोर्ट न करने के पीछे की हिचकिचाहट को हिंसा न होने का संकेत नहीं मान लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि घरेलू हिंसा रोकने, पति और रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता और दहेज से जुड़े दुर्व्यवहार पर लगाम के लिये देश में पर्याप्त कानून हैं। लेकिन जब तक इन कानूनों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, तब तक ये कानून महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। इस तरह के मामलों में मायके वालों से भी संवेदनशील और सतर्क व्यवहार अपेक्षित है। वास्तव में पुलिस को बार-बार मिलने वाली शिकायतों व धमकियों और दबाव डालने वाले व्यवहार को केवल सामान्य पारिवारिक झगड़े के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सही मायने में इसे गंभीर चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रोटेक्शन ऑर्डर को कायदे से लागू किया जाना जरूरी है। इसके अलावा परिवार की संस्था के भीतर सुरक्षित महसूस न करने वाली महिलाओं के लिये वैकल्पिक आश्रय स्थल की भी व्यवस्था होनी चाहिए। उनके लिये सहजता से कानूनी मदद का प्रावधान होना आवश्यक है। किसी मानसिक आघात से उबरने के लिये काउंसलिंग और तात्कालिक आर्थिक सहायता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिससे वे बिना किसी आर्थिक तंगी के या बेसहारा हुए, हिंसक रिश्तों से बाहर निकल सकें। यानी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। वास्तव में प्राथमिकता होनी चाहिए कि किसी महिला के जीवन का अंत न हो। वहीं परिवारों, समुदायों और संस्थाओं को हिंसा को सामान्य बात मानना बंद करना होगा। दूसरी ओर महिलाओं पर चुप रहने के लिये दबाव डालना भी बंद करना होगा। निस्संदेह, पुलिस, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सहायता प्रदान करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से किसी भी महिला के जीवन पर आसन्न संकट को जानलेवा बनने से पहले ही पहचाना जा सकता है।

संतुलित मस्तिष्क के लिये आवश्यक है आवेगों पर नियन्त्रण



कांतिलाल मांडोत

व्यवस्थित एवं समुन्नत शील जीवन का निर्माण संतुलित मस्तिष्क से ही संभव है। संतुलित मस्तिष्क आवेगों पर नियंन्त्रण कर के प्राप्त किया जा सकता है। व्यक्ति स्वभावतः अपराधी नहीं होता किन्तु आवेग उसे अपराध में झोंक देते हैं। आवेग एक मानसिक आंधी है, वह मानव के मस्तिष्क को असंतुलित ही नहीं करती कई बार तो उसे विचार शून्य तक बना देती है। आवेग की आंधी में मस्तिष्क का अस्तित्व ही विलुप्त सा हो जाता है ।अनेक दुष्कर्म व्यक्ति के द्वारा उसी अवस्था में होते है।मस्तिष्क व्यक्ति के जीवन और चरित्र को संतुलित करता है। वही जब असंतुलित हो जाता है तो उस समय मानव क्या कर बैठे कुछ भी नहीं कहा जा सकता।अपने आवेगों को नियन्त्रित करना सबसे बड़ी साधना है, सबसे बड़ा तप है।आवेगों का जन्म बाह्य परिस्थितियो से जुड़ कर होता है। अतः बहुत उचित होगा कि हम अपने बाह्य वातावरण को इतना सुलझा हुआ रखे कि आवेग पैदा होने जैसा कुछ हो ही नहीं किन्तु इतना सब कुछ कर लेने पर भी इतना तो होगा ही कि सारे व्यक्ति जो अपने से जुड़े है वे अपनी तरह ही सोचेंगे, यह अवश्यक नहीं। अतःपरिस्थितियों में प्रतिकूलता तो बनी ही रहने वाली है। परिस्थिति की प्रतिकूलताओं को सहर्ष स्वीकार कर अपने आवेगों को दबाए रखना और मस्तिष्क के संतुलन को सुरक्षित रखना सच्चा और अच्छा जीवन जीने की कला है। पड़ौसी देश ने युद्ध भारत को महा युद्ध के लिये उकसाने में कोई कमी नहीं रखी किन्तु भारतीय सेना और संचालकों ने आवेगों से बचकर अपने संतुलन को बनाये रखा और देशको व्यापक युद्ध से बचा लिया जिसकी सारे विश्व में प्रशंसा हुई है। शक्ति शाली होकर भी संतुलित रहना एक महान कार्य है। भारत निश्चित ही अपनी महानता के अनुरुप सहनशीलता और विवेक पूर्वक आगे बढ़ा । धैर्य और संतुलन ने उसे सफलता के शिखर पर समारुढ़ कर दिया । आज विश्व में चारों तरफ आवेग पूर्ण वातावरण व्याप्त हो रहा है। व्यक्ति असंतुलित जी रहा है। किसका कब क्या हो जाए और कब कौन क्या कर बैठे, कुछ कहा नहीं जा सकता ।ऐसे विषम वातावरण में धर्म ही है जो समता और संतुलन की दिशा प्रदान करता है। कहने को आज व्यक्ति स्वतन्त्र है, यदि बहुत गहरे अर्थों में देखा जाए तो मानव में स्वतन्त्रता का कहीं कोई अंश आपको नहीं मिलेगा। विचार और व्यवहार दोनों स्तर पर आज भी व्यक्ति बहुत कुछ परतन्त्र है ।जहां तक भाव जगत का प्रश्न है व्यक्ति वहां आवेगों के अधीन चलता है।

बल्ले से निकला वैभव, क्रिकेट के आकाश में नया सूर्य



ललित गर्ग

क्रिकेट के इतिहास में कुछ दिन केवल कैलेंडर की तारीख बनकर नहीं आते, वे इतिहास के पन्नों पर अमिट हस्ताक्षर कर जाते हैं। मंगलवार का दिन भारतीय क्रिकेट के लिए ऐसा ही एक मंगलमय दिवस बनकर सामने आया, जब महज पंद्रह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने दोहा में अपने बल्ले से ऐसा सूर्य उदय किया, जिसकी रोशनी ने पूरी क्रिकेट दुनिया को चकाचौंध कर दिया। जिस उम्र में किशोर सपनों की उड़ान भरना शुरू करते हैं, उस उम्र में वैभव ने क्रिकेट के आकाश में अपने नाम का ऐसा ध्वज फहरा दिया, जिसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। वैभव ने केवल 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया। 28 गेंदों में शतक, महज 40 गेंदों में 150 रन और एक पारी में 28 छक्के-ये आंकड़े किसी वीडियो गेम की काल्पनिक स्कोरशीट जैसे लगते हैं, लेकिन वैभव ने इन्हें हकीकत की पिच पर उतार दिया। सूर्यवंशी की इस आतिशी पारी से दुनिया में खलबली मच गयी है, देश और दुनिया में बड़ी-बड़ी खबरों को दबा दिया है इस खबर ने। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हर जबान पर है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? 204 रनों की उनकी तूफानी पारी में 168 रन केवल छक्कों से आए। बल्ले से निकली हर गेंद मानो सीमा रेखा के पार जाकर एक नया इतिहास लिख रही थी। यह केवल रन बनाने की पारी नहीं थी, बल्कि क्रिकेट की सीमाओं को चुनौती देने वाली एक अद्भुत बल्लेबाजी थी।

भारतीय क्रिकेट ने समय-समय पर ऐसी प्रतिभाओं को जन्म दिया है, जिन्होंने दुनिया को भारतीय क्रिकेट का लोहा मनवाया। सुनील गावस्कर की तकनीक, कपिल देव का साहस, सचिन तेंदुलकर की विलक्षणता, सौरव गांगुली का आत्मविश्वास, महेंद्र सिंह धोनी की निर्णायक क्षमता और विराट कोहली की आक्रामक निरंतरता-इन सबने भारतीय क्रिकेट को गौरव दिया। लेकिन वैभव सूर्यवंशी की कहानी इसलिए अलग है क्योंकि यह कहानी अभी किशोरावस्था में ही असाधारण उपलब्धियों का शंखनाद कर रही है। वैभव का बल्ला इस समय केवल गेंद को नहीं पीट रहा, बल्कि क्रिकेट की पुरानी धारणाओं को भी चुनौती दे रहा है और अपने कीर्तिमान से नया इतिहास बना रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास है, निर्भीकता है, आक्रामकता है और सबसे बढ़कर एक स्वाभाविक लय है। वे गेंदबाज के नाम, प्रतिष्ठा या अनुभव से भयभीत होते दिखाई नहीं देते। उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि गेंद उनके लिए चुनौती नहीं, अवसर है और सीमा रेखा उनके लिए कोई दीवार नहीं, बल्कि एक आमंत्रण है।

वैभव सूर्यवंशी की उपलब्धियों की फेहरिस्त भी कम चमत्कारी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में दस मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन और आईपीएल की 23 पारियों में 228 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 1028 रन उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण हैं। आईपीएल के 2026 सत्र में 72 छक्के लगाकर उन्होंने एक सीजन में सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा और ऑरेंज कैप हासिल की। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धियां निश्चित रूप से सामान्य प्रतिभा की निशानी नहीं हैं। दोहा की इस पारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि वैभव को भारतीय वनडे और टी-20 टीम में अवसर कब मिलेगा। यह स्वाभाविक मांग है कि ऐसी विलक्षण प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर आजमाया जाए, लेकिन इसके साथ धैर्य और विवेक भी जरूरी है। प्रतिभा को अवसर चाहिए, पर अवसर के साथ संरक्षण, मार्गदर्शन और मानसिक तैयारी भी उतनी ही आवश्यक है। क्रिकेट केवल बल्ले की ताकत का खेल नहीं, बल्कि परिस्थितियों, दबाव, रणनीति और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है।

सोलह वर्ष की उम्र में सचिन तेंदुलकर को पाकिस्तान के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारने का उदाहरण आज भी प्रेरणा देता है। सचिन ने उस अवसर को इतिहास में बदल दिया। वैभव के सामने भी संभावनाओं का विराट आकाश है। उन्हें अवसर अवश्य मिलने चाहिए, लेकिन उनके क्रिकेटीय विकास की गति और दिशा को समझते हुए। भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए यह एक ऐसी प्रतिभा है, जिसे जल्दबाजी में दबाव के हवाले करने के बजाय सही ढंग से तराशने की जरूरत है। आज दुनिया के गेंदबाज भी वैभव की बल्लेबाजी को ध्यान से पढ़ रहे होंगे। उनकी कमजोरियां तलाशने, उनकी हिटिंग पावर को रोकने और उनके आक्रामक तेवरों पर अंकुश लगाने की रणनीतियां बन रही होंगी। यही चुनौती वैभव के लिए अगला पड़ाव है। उन्हें अपनी तकनीक में विविधता, शॉट चयन में परिपक्वता और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करने की क्षमता विकसित करनी होगी। क्योंकि क्रिकेट में असली महानता केवल रिकॉर्ड बनाने में नहीं, बल्कि रिकॉर्ड बनने के बाद भी निरंतर ऊंचाई पर टिके रहने में है। साथ ही कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें, उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। हर दिन वे अपने खेल के लिये जागरूक रहे एवं आने वाली चुनौतियां के लिये स्वयं को सक्षम बनाये। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी। फिर भी मंगलवार की वह पारी अपने आप में एक युगांतकारी चमत्कृत करने वाली घटना है। जिस उम्र में अधिकांश खिलाड़ी बड़े मंच का सपना देखते हैं, उस उम्र में वैभव ने मंच को ही अपने नाम कर लिया। उनके बल्ले से निकले छक्के केवल गेंदों को सीमा के पार नहीं ले गए, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी के सपनों को भी आसमान दे दिया। सूर्यवंशी का यह सूर्य अभी अस्त होने के लिए नहीं, निरंतर उदित होने के लिए आया है। उनके बल्ले से निकलती रनों की रोशनी भारतीय क्रिकेट के भविष्य को आलोकित करने की क्षमता रखती है। निस्संदेह, यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लिखा गया एक स्वर्णिम पृष्ठ है। आज पूरे क्रिकेट जगत को इस किशोर प्रतिभा को सलाम करना चाहिए और कहना चाहिए-वैभव, तुम्हारे बल्ले का यह सूर्य जितना चमक रहा है, उतनी ही उज्ज्वल तुम्हारी क्रिकेट यात्रा की संभावनाएं हैं। आने वाला समय तय करेगा कि यह पारी केवल एक रिकॉर्ड बनकर रह जाती है या एक ऐसे स्वर्णिम क्रिकेट-ग्रंथ की पहली पंक्ति बनती है, जिसकी गाथा आने वाली पीढ़ियां गर्व से पढ़ेंगी।

संक्षिप्त समाचार

मिस्र में तेल टैंकर में आग, 31 की मौत:21 से ज्यादा घायल; कई गाड़ियां भी जलीं



काहिरा, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के पास हाईवे पर बुधवार रात एक तेल टैंकर में आग लग गई। इसकी चपेट में आने से 24 से ज्यादा कारें और बाइक जल गईं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 से ज्यादा घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया था। इसके बाद उसमें जोरदार धमाका हुआ और आग फैल गई। जलती गाड़ियों में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। स्थानीय लोगों ने भी घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। अब आग पर काबू पा लिया गया है। हादसा काहिरा के उपनगर इम्बाबा के वाराक जिले में हुआ, जहां आग तेजी से कई कारों में फैल गई। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने पीड़ितों के प्रति संवेदना जताई। घायलों को जायद स्पेशलाइज्ड, इम्बाबा जनरल और वर्राक सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव अभियान में 39 एम्बुलेंस लगाई गई हैं। मिस्र में हर साल सड़क हादसों में हजारों लोगों की मौत होती है। तेज रफ्तार, खराब सड़कों और ट्रैफिक नियमों का सही तरीके से पालन न होना इन दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह हैं। इसी साल जनवरी में बेनी सुएफ प्रांत के पास कई गाड़ियों की भीषण टक्कर में 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 16 घायल हुए थे।

नाइजीरिया में 22.6 करोड़ डॉलर की मेथामफेटामाइन जब्त

नाइजीरिया , एजेंसी। नाइजीरिया की मादक पदार्थ निरोधक एजेंसी ने बुधवार को देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बड़ी कार्रवाई करते हुए कम से कम 22 करोड़ डॉलर मूल्य की मेथामफेटामाइन जब्त की। इस मामले में पांच मैक्सिकन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। नेशनल ड्रग लॉ एनफोर्समेंट एजेंसी ने बताया कि उसके अधिकारियों ने एनुगु राज्य में बड़े पैमाने पर चल रही एक अवैध प्रयोगशाला पर छापा मारा। यहां से मेथामफेटामाइन बनाने में विशेषज्ञता रखने वाले पांच मैक्सिकन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। एजेंसी के प्रवक्ता फेमी बाबाफेमी ने एक बयान में बताया कि इन लोगों को कथित तौर पर एक नाइजीरियाई नागरिक ने भर्ती किया था। वे फर्जी पासपोर्ट के जरिए देश में दाखिल हुए थे। बाबाफेमी ने कहा, 'अवैध रूप से संचालित इस फैक्टरी से कुल 1,512 किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद की गई। इसमें तैयार और निर्माणाधीन दोनों तरह की नशीली दवाएं शामिल हैं। इनकी अनुमानित कीमत 22.68 करोड़ डॉलर है। इस साल देश में की गई सबसे बड़ी जब्तियों में से यह एक है। नाइजीरिया अवैध मादक पदार्थों के कारोबार का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। इसी साल मई में दक्षिण-पश्चिमी नाइजीरिया में नाइजीरियाई और मैक्सिकन नागरिकों से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया था। हाल के दिनों में इस तरह की कई कार्रवाइयां की गई हैं।

जापान : जंगली सब्जियों के लिए हजारों डॉलर खर्च कर रहे लोग

टोक्यो, एजेंसी। ऑर्गेनिक खानपान और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति बढ़ते वैश्विक रुझान ने जापान की सदियों पुरानी जंगली सब्जियां चुनने की परंपरा को नया आकर्षण बना दिया है। यहां पर्यटक जंगलों और पहाड़ों में प्राकृतिक रूप से उगने वाली सब्जियां जुटाने के लिए विशेष टूर और कार्यशालाओं पर सैकड़ों से लेकर हजारों डॉलर तक खर्च कर रहे हैं। 'सानसाई' नाम से पहचानी जाने वाली इन मौसमी पहाड़ी सब्जियों के प्रति दिलचस्पी बढ़ रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जापान में सानसाई की परंपरा हजारों साल पुरानी है। वसंत ऋतु में पहाड़ों और जंगलों में उगने वाले इन पौधों की 280 से अधिक किस्में बताई जाती हैं।

अमेरिका ने 10 लाख एआई उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की योजना को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नियामकों ने स्पेसएक्स को अंतरिक्ष में डेटा सेंटर के रूप में काम करने वाले 10 लाख तक उपग्रह तैनात करने की अनुमति दे दी है। खगोलविदों ने इस पर आपत्ति जताई है और चेतावनी दी है कि इस परियोजना से शोध कार्यों में बाधा आ सकती है और रात को आसमान का स्वरूप बदल सकता है। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने कहा कि प्रस्तावित 'स्टारमाइंड' नेटवर्क पृथ्वी पर इस्तेमाल के लिए अंतरिक्ष में डेटा प्रोसेस करेगा, जिससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसे अंतरिक्ष में डेटा सेंटरों के एक समूह के लिए अमेरिका की ओर से दी गई पहली मंजूरी बताया गया है। इस मंजूरी से नेटवर्क को स्थापित करने की अनुमति मिलती है; इसका मतलब यह नहीं है कि उपग्रह (पहले ही लॉन्च किए जा चुके हैं।

ये उपग्रह ऑप्टिकल लिंक के जरिए कम्युनिकेट करेंगे, जबकि रेडियो लिंक बैकअप और आपातकालीन संचार के रूप में काम करेंगे। एफसीसी ने कहा कि यह सिस्टम अंतरिक्ष में मौजूद कचरे से जुड़े उनके नियमों के अनुरूप है।

चेयरमैन ब्रेंडन कैर ने कहा, 'अमेरिका दुनिया को 'सुपर इंटेलिजेंस' के युग में ले जा रहा है।



राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में, अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठा रहा है कि यह क्रांतिकारी तकनीक नए अवसर पैदा करे, निवेश को बढ़ावा दे और अमेरिकी लोगों को लंबे समय तक लाभ पहुंचाए। '

उन्होंने कहा, 'एफसीसी ने आज अंतरिक्ष में डेटा सेंटरों के लिए 10 लाख 'ऑर्बिटल कंप्यूट मॉड्यूल' तैनात करने की मंजूरी देकर इस प्रयास को और तेज कर दिया है। यह कदम अमेरिका के नेतृत्व और विकास को गति देने के लिए जरूरी कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक नई और साहसिक शुरुआत है। '

कैर ने कहा, 'सुपर इंटेलिजेंस (एसआई) के क्षेत्र में अमेरिका के नेतृत्व को बनाए रखने के लिए 'कंप्यूट कैपस' या डेटा सेंटर बहुत जरूरी हैं। अपनी कंप्यूटिंग क्षमता को पृथ्वी से बाहर ले जाकर, स्पेसएक्स और उनके कई प्रतिस्पर्धी, जो अपने खुद के ऑर्बिटल डेटा सेंटरों पर काम कर रहे हैं, समय की मांग को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'यह अमेरिकी सूझबूझ का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो अंतरिक्ष और उन्नत तकनीक में हमारी ताकतों को एकजुट कर सकता है, हमारी आर्थिक बढ़त को मजबूत कर सकता है और हमारे देश में समृद्धि का विस्तार कर सकता है। एफसीसी ने बताया कि वह अंतरिक्ष में डेटा सेंटरों से जुड़े अन्य प्रस्तावों की भी समीक्षा कर रहा है और अपनी नियमित प्रक्रियाओं के तहत उन पर जल्द ही फैसला लेगा। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी' ने इस फैसले का विरोध किया है और कहा है कि वे इस मंजूरी से 'बहुत निराश और हताश' हैं। सोसाइटी ने चेतावनी दी है कि बड़े और अधिक संख्या में मौजूद उपग्रह लंबे समय तक चमकते रह सकते हैं, जिससे खगोलीय अवलोकन में बाधा आ सकती है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटिंग उपकरणों से निकलने वाला रेडियो उत्सर्जन और गर्मी, रेडियो और इन्फ्रारेड खगोल विज्ञान को भी प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा, उन्होंने अंतरिक्ष में उपग्रहों के आपस में टकराने और लॉन्चिंग तथा वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के कारण होने वाले प्रदूषण को लेकर भी चिंता जताई है। एक मीडिया बयान में कहा गया है, 'अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी (एएएस) इस बात से निराश और दुखी है कि फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन ने स्पेसएक्स को पृथ्वी की निचली कक्षा में दस लाख (1 मिलियन) उपग्रहों का एक नेटवर्क तैनात करने का लाइसेंस दे दिया है। बयान में कहा गया है, 'जैसा कि एएएस ने पहले भी एफसीसी के सामने अपनी बात रखी थी, यह प्रस्तावित नेटवर्क (द्व) खगोलीय सुविधाओं में दशकों से किए गए सरकारी निवेश को काफी नुकसान पहुंचाएगा, और (द्वद्व) खगोलविदों तथा आम लोगों की रात के आसमान को देखने और उसका अध्ययन करने की क्षमता को प्रभावित करेगा। ' सोसाइटी ने माना कि स्पेसएक्स ने पहले खगोल विज्ञान पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए अपने 'स्टारलिंक' उपग्रहों के डिजाइन में बदलाव किए थे। सोसाइटी के अनुसार, इन बदलावों से कुछ मदद तो मिली, लेकिन समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुईं। उन्होंने दस लाख उपग्रहों वाले इस प्रस्तावित नेटवर्क को एक बिल्कुल अलग स्तर का प्रोजेक्ट बताया। सोसाइटी के अनुसार, इस लाइसेंस की शर्तों के तहत स्पेसएक्स को 2033 तक उपग्रह तैनात करना शुरू करना होगा, 2035 तक कक्षा में 1 लाख उपग्रह स्थापित करने होंगे, और 2040 तक पूरे नेटवर्क को तैनात करना होगा।

ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका: जन्म से नागरिकता छीनने की नई कोशिश पर लगाई रोक; जानें फैसले में क्या-क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को नागरिकता देने के नियमों में बदलाव करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक और कोशिश को अदालत ने रोक दिया है। वॉशिंगटन की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन के नए आदेश पर रोक लगाते हुए साफ कहा कि राष्ट्रपति अपनी मर्जी से अमेरिकी संविधान में दिए गए नागरिकता के अधिकार में नई शर्तें नहीं जोड़ सकते। इस मामले में अमेरिकी सिविल लिबर्टीज यूनियन ने प्रभावित परिवारों की ओर से अदालत में याचिका दायर की थी।

यह मामला नाथन बनाम ट्रम्प के नाम से जाना जा रहा है। ट्रंप ने 6 अगस्त को एक नया कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसका मकसद अमेरिका में पैदा होने वाले कुछ बच्चों को जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता से बाहर रखना था। इससे पहले जून में सुप्रीम कोर्ट ट्रंप के नागरिकता से जुड़े पुराने आदेश पर रोक लगा चुका था। इसके बाद प्रशासन ने नए आदेश के जरिए कुछ और श्रेणियों के बच्चों को नागरिकता के दायरे से बाहर करने की कोशिश की।

ट्रंप के नए आदेश में उन बच्चों को निशाना बनाया गया था, जिनके माता-पिता में से कोई भी अमेरिकी नागरिक नहीं है। इसमें कुछ खास श्रेणियां शामिल थीं। मसलन, ऐसे माता-पिता जिन्हें प्रशासन ने 'दुश्मन देश का विदेशी नागरिक' माना है, विदेशी सरकारों के कर्मचारी और वे लोग जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देकर नागरिकता हासिल करने की योजना बनाते हैं। इस आदेश में उन परिवारों को भी शामिल किया गया था, जो पैसे देकर सरोगेसी के जरिए अमेरिका में बच्चे को जन्म दिलवाते हैं। यानी व्यावसायिक सरोगेसी के मामलों में पैदा हुए बच्चों की नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया गया था।

नए आदेश का दायरा सिर्फ विदेशी राजदूतों तक सीमित नहीं था। इसमें दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में काम करने वाले कुछ अन्य कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था। ऐसे कर्मचारी, जो अपनी सरकारी जिम्मेदारी निभाने के लिए अमेरिका में रह रहे हैं, उनके बच्चों को भी इस आदेश के तहत नागरिकता से वंचित करने की कोशिश की गई थी। ट्रंप प्रशासन का तर्क था कि इन श्रेणियों के लोग अमेरिकी संविधान के तहत मिलने वाले जन्मसिद्ध नागरिकता के अधिकार के दायरे में नहीं आते। अदालत ने प्रशासन की दलीलों को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति अमेरिका में पैदा होने वाले बच्चों के लिए अपनी तरफ से नागरिकता के नए अपवाद नहीं बना सकते।,ष्टरु के मुताबिक, अदालत ने माना कि अमेरिकी कानून के तहत आने वाले बच्चों को केवल उनके माता-पिता की नागरिकता या स्थिति के आधार पर जन्मसिद्ध नागरिकता से वंचित नहीं किया जा सकता।

अंतरिक्ष में बनेंगे एआई के डेटा सेंटर: स्पेसएक्स को 10 लाख उपग्रह छोड़ने की मंजूरी; जानें कब से होगी तैनाती?

टेक्सास, एजेंसी। अंतरिक्ष में अब सिर्फ इंसान और उपग्रह ही नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बड़े-बड़े डेटा सेंटर भी नजर आएंगे। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को अमेरिका के फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने अंतरिक्ष में 10 लाख तक उपग्रह तैनात करने की मंजूरी दी है। इन उपग्रहों की मदद से अंतरिक्ष में ही डेटा सेंटर बनाए जाएंगे, जहां एआई से जुड़े जटिल काम किए जा सकेंगे। इस परियोजना का नाम 'स्टारमाइंड' रखा गया है। इसका मकसद तेजी से बढ़ती एआई की जरूरतों को पूरा करना है।

सूरज की रोशनी से चलेंगे अंतरिक्ष के डेटा सेंटर : इस परियोजना की सबसे खास बात यह है कि अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रह सूरज की रोशनी से ऊर्जा हासिल करेंगे। इसी बिजली से उनमें लगे कंप्यूटर और एआई सिस्टम काम करेंगे। इन उपग्रहों पर बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण किया जाएगा और फिर जरूरी जानकारी धरती पर भेजी जाएगी। इससे जमीन पर बड़े-बड़े डेटा सेंटर बनाने की जरूरत कुछ हद तक कम हो सकती है। साथ ही बिजली और ठंडा रखने पर होने वाला खर्च भी घटने की उम्मीद है।

एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने इस फैसले को अमेरिका के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। उनका कहना है कि अमेरिका सुपर इंटेलिजेंस यानी अति विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में दुनिया की अगुवाई कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में देश इस तकनीक को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में कंप्यूटिंग की क्षमता विकसित करने से निवेश बढ़ेगा, नई संभावनाएं पैदा होंगी और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा। कार के मुताबिक, एआई के क्षेत्र में दुनिया में आगे बने रहने के लिए बड़े डेटा सेंटर बेहद जरूरी हैं। अंतरिक्ष में कंप्यूटिंग की व्यवस्था तैयार होने से अमेरिका को अपनी अंतरिक्ष और आधुनिक तकनीक की ताकत का एक साथ इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा। एफसीसी की मंजूरी में उपग्रहों के बीच संपर्क और उन्हें नियंत्रित करने की व्यवस्था भी शामिल है।

ब्रिटेन: ऑक्सफोर्ड में भारतीय छात्रा से नस्लभेद, महिला बोली- 'तुमसे बदबू आती है'

ऑक्सफोर्ड, एजेंसी। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली एक भारतीय पीएचडी छात्रा ने नस्लभेद को लेकर अपनी आपबीती सुनाई है। उनका नाम कामाक्षी है। उन्होंने शहर में खरीदारी के दौरान अपने साथ हुई एक घटना के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने बड़े शिक्षण संस्थानों में नस्लभेद को लेकर भी अपनी बात रखी। कामाक्षी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। इसमें उन्होंने बताया कि ऑक्सफोर्ड में अलग-अलग रंग और नस्ल के लोगों को किस तरह के बुरे अनुभवों से गुजरना पड़ता है। उन्होंने यह बात पहले की एक पोस्ट पर नस्लभेदी टिप्पणी आने के बाद कही। उस टिप्पणी के बाद कई लोगों ने उनका समर्थन किया था। उन्होंने कहा, 'आप सभी मेरी तरफ से इतने नाराज थे। इससे मुझे एहसास हुआ कि ऑक्सफोर्ड

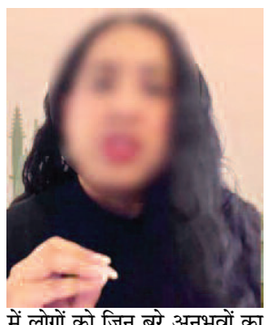

में लोगों को जिन बुरे अनुभवों का सामना करना पड़ता है, उनके बारे में आपसे बात न करके मैं आपके साथ सही नहीं कर रही थी'।

दुकान में महिला ने क्या कह दिया : कामाक्षी ने अपने साथ हुई एक खास घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वह एक स्थानीय दुकान में सामान देख रही थीं। तभी एक श्वेत महिला उनके आसपास चक्कर लगाने लगी। इससे वह काफी असहज हो गईं। कुछ देर बाद वह महिला उनके पास आई। उन पर अपमानजनक टिप्पणी कर दी। कामाक्षी ने बताया, 'बाद में वह मेरे पास आई और उसने कहा। मैं उसके शब्द दोहरा रही हूं, 'मैं ऐसा नहीं करना चाहती थी, लेकिन मुझे कहना पड़ेगा। तुमसे बहुत, बहुत बदबू आती है'।

इस बात से कामाक्षी हैरान रह गईं। उन्होंने कहा कि वह महिला की बात का जवाब भी नहीं दे पाई। महिला वहां से चली गई। उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह हैरत में पड़ गई थी। जब तक मेरा दिमाग समझ पाता कि आखिर हुआ क्या है, तब तक वह जा चुकी थी'।

पिता के इत्र से जुड़ी थी यह बात : कामाक्षी ने बताया कि इस टिप्पणी से उन्हें खास तौर पर दुख पहुंचा। इसकी वजह उनके इत्र से जुड़ी एक निजी भावना थी। वह जिस इत्र का इस्तेमाल करती हैं, वही उनके पिता भी लगाते हैं। इस जुड़ाव से उन्हें सुकून मिलने के बजाय इस घटना ने उन्हें दुखी और परेशान कर दिया। उन्होंने बताया कि पूरे दिन वह खुद को कमतर दिखाने की कोशिश करती रहीं। वह नहीं चाहती थीं कि किसी का ध्यान उनकी तरफ जाए। कामाक्षी ने साफ किया कि दुकान में हुई यह घटना कोई अकेली घटना नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है। इसमें रोजमर्रा के व्यवहार में होने वाली दुश्मनी से लेकर बड़े संस्थानों की नाकामी तक शामिल है। उन्होंने कहा, 'यह कोई अकेली घटना नहीं है। सड़कों पर छोटी-छोटी नस्लभेदी घटनाओं से लेकर संस्थान की ओर से नस्लवादियों को मंच देने तक, यह सच्चाई है कि कोई भी प्रतिष्ठित संस्थान नस्लभेदी, साम्राज्यवादी या फिर समस्याग्रस्त जड़ों से पूरी तरह मुक्त नहीं है।

अमेरिका में थैंक्सगिविंग पर तूफान का साया: न्यूयॉर्क में तेज बारिश और हवाओं का अलर्ट, न्यू जर्सी में आपातकाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में थैंक्सगिविंग से पहले भीषण तूफानों ने छुट्टियों के जश्न और यात्रा की तैयारियों पर असर डालना शुरू कर दिया है। खराब मौसम के पूर्वानुमान के चलते न्यूयॉर्क की मशहूर मैसीज थैंक्सगिविंग डे परेड को शनिवार तक के लिए टाल दिया गया है। वहीं, फिलाडेल्फिया में आयोजकों ने मौसम संबंधी चिंताओं के कारण परेड में गुब्बारे नहीं उड़ाने का फैसला किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क की मैसीज परेड शनिवार सुबह 8:30 बजे (अमेरिकी पूर्वी समय) शुरू होगी। यह फैसला भारी बारिश और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए लिया गया है। दोनों तटों पर तूफान का असर थैंक्सगिविंग की छुट्टियों के दौरान



अमेरिका में आठ करोड़ से ज्यादा लोगों के यात्रा करने की उम्मीद है। ऐसे में पूर्वी और पश्चिमी तट पर खराब मौसम से लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पूर्वी तट पर सुपरस्टॉर्म सैंडी के बाद सबसे ऊंचे जलस्तर की आशंका जताई गई है। डेलावेयर और न्यू जर्सी के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। पश्चिमी तट पर भी तटीय इलाकों में बाढ़ की आशंका बनी हुई है। सैन फ्रांसिस्को के दक्षिण में पैसिफिका इलाके में तेज लहरों के कारण एक पियर का हिस्सा ढह गया। वहीं, सैन डिएगो के आसपास ऊंचे ज्वार के कारण जलस्तर के पुराने रिकॉर्ड टूट गए।

खराब मौसम को देखते हुए एयरलाइंस ने भी यात्रियों को संभावित परेशानी के लिए आगाह किया है। साउथवेस्ट एयरलाइंस और यूनाइटेड एयरलाइंस ने थैंक्सगिविंग के दिन पूर्वोत्तर अमेरिका में उड़ानों के प्रभावित होने की आशंका जताई है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं और तटीय इलाकों में बाढ़ की चेतावनी दी है। उन्होंने लोगों से स्थानीय मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखने और यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है। न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने भी बड़े तूफान की आशंका को देखते हुए पूरे राज्य में आपातकाल घोषित किया है। तूफान के कारण तेज और नुकसान पहुंचाने वाली हवाएं, भारी बारिश, तटीय इलाकों में बाढ़ और लंबे समय तक बिजली गुल रहने की आशंका है। यह आपातकालीन घोषणा बुधवार शाम छह बजे (अमेरिकी पूर्वी समय) से प्रभावी हुई। गवर्नर शेरिल ने छुट्टियों में यात्रा करने वाले लोगों से अपील की कि वे तूफान के सबसे खराब असर से बचने के लिए बुधवार को ही अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश करें।

बांग्लादेश- अवामी लीग ने 2 दिन बंद का ऐलान किया



ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। उनकी पार्टी अवामी लीग ने 27 और 28 नवंबर को देशभर में दो दिन के लॉकडाउन का ऐलान किया है। हसीना की पार्टी अवामी लीग ने अपने लॉकडाउन के पीछे 8 मांगें रखी हैं। इनमें पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटाना और राजनीतिक बंदियों को रिहा करना शामिल है। वहीं, सरकार ने हसीना की वापसी और बढ़ती हिंसा को देखते हुए सीमा पर सुरक्षा भी बढ़ा दी है। इस बीच, सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में देशभर में आगजनी की करीब 100 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

सीमा पर बॉर्डर सेना की 108 टुकड़ियां तैनात : हसीना की वापसी से पहले तारिक रहमान सरकार ने सीमा से लगे सात जिलों में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की 108 टुकड़ियां तैनात की हैं। सुरक्षा एजेंसियां ड्रोन, बॉडी कैमरों और दूसरे निगरानी उपकरणों की मदद से नजर रख रही हैं। पुलिस ने भी सीमा से लगे इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। जगह-जगह जांच चौकियां बनाई गई हैं और संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। इसके अलावा, सीमा से लगे 30 जिलों में प्रशासन ने सुरक्षा एजेंसियों को संवेदनशील रास्तों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

15 दिन में ग्रामीण बैंक की 100 शाखाओं पर हमला : बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मुहम्मद यूनुस की ओर से बनाए गए ग्रामीण बैंक की शाखाओं को भी निशाना बनाया जा रहा है। बैंक की 24 नवंबर की आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक, 10 नवंबर से अब तक देशभर में इसकी करीब 100 शाखाओं पर हमले हो चुके हैं। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि अवामी लीग को कभी राजनीति नहीं करने दी जाएगी। पार्टी पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कहने-सुनने के समझौते के तहत नई दिल्ली से बातचीत जारी है। हसीना की सत्ता जाने के बाद से सरकार पर विरोध की आवाज दबाने के आरोप लग रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2024 से अक्टूबर 2026 के बीच पत्रकारों को गिरफ्तारी, हिंसा, मुकदमों और आर्थिक रोक का सामना करना पड़ा।

किम जोंग उन ने किया परमाणु ठिकानों का दौरा, सामरिक हथियारों के व्यापक इस्तेमाल पर रहा जोर

सोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने बुधवार को देश के परमाणु ठिकानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परमाणु हथियार उत्पादन क्षमता को और मजबूत करने का आह्वान किया। परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्रों और हथियार अनुसंधान संस्थान का निरीक्षण करते हुए उन ने कहा कि देश को अलग-अलग सैन्य अभियानों में सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, किम ने बुधवार को इन परमाणु ठिकानों का दौरा किया। हालांकि, उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने अपनी रिपोर्ट में इन केंद्रों के नाम और उनके स्थान का खुलासा नहीं किया। निरीक्षण के दौरान किम ने कहा कि उत्तर कोरिया अपनी परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता का व्यवस्थित और लगातार विस्तार कर रहा है, ताकि देश के परमाणु हथियारों के जखीरे को मजबूत और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और अलग-अलग सैन्य अभियानों में सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की क्षमता विकसित करने को महत्वपूर्ण और तत्काल आवश्यकता बताया।

किम ने इसके पीछे आधुनिक युद्ध में सामरिक परमाणु हथियारों



की सैन्य उपयोगिता और उत्तर कोरिया की उस देश के साथ साझा सीमा का हवाला दिया, जिसे उन्होंने सबसे खतरनाक शत्रु देश बताया। उनका इशारा दक्षिण कोरिया की ओर था। उत्तर कोरियाई नेता ने अमेरिका पर पूर्वोत्तर एशिया में परमाणु प्रसार को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा,' अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ परमाणु हथियार साझा करने और उनके संयुक्त इस्तेमाल की व्यवस्था विकसित कर रहा है। इससे क्षेत्र में एक वैश्विक परमाणु सैन्य गठबंधन प्रणाली तैयार हो रही है। किम ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों में उत्तर कोरिया के लिए अपने परमाणु हथियारों के भंडार को बढ़ाना और भी जरूरी हो गया है। उन्होंने दोहराया कि उत्तर कोरिया की परमाणु शक्ति संपन्न देश की स्थिति में कोई बदलाव नहीं है और बाहरी देशों के बयानों या परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग से इसमें कोई परिवर्तन नहीं आएगा। उत्तर कोरिया ने वर्ष 2023 में अपने संविधान में खुद को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया था। किम ने कहा कि परमाणु हथियारों का स्वामित्व देश की संप्रभुता और सुरक्षा की बुनियादी गारंटी है। इसे खत्म करने की किसी भी कोशिश को उत्तर कोरिया अपनी संप्रभुता पर हमला और युद्ध की घोषणा के रूप में देखेगा। इस साल फरवरी में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नौवीं कांग्रेस में भी उत्तर कोरिया ने अपनी परमाणु हथियार संपन्न देश की स्थिति को अपरिवर्तनीय बताया था।

उस दौरान प्योंगयांग ने पांच वर्षीय सैन्य आधुनिकीकरण योजना के तहत परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने का संकल्प लिया था। यह किम जोंग उन का किसी परमाणु केंद्र का चौथा ऐसा दौरा है, जिसकी जानकारी सरकारी मीडिया ने सार्वजनिक की है। इससे पहले उन्होंने सितंबर 2024, जनवरी 2025 और जून 2026 में भी परमाणु प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था।

लटकते पेट को सपाट कर देंगे पोषण से भरे ये 3 फ्रूट्स और ये एक योग



क्या आपका वजन बढ़ गया है, और अब उसे कम करना चाहते/चाहती हैं? ठीक है, तो इसके लिए आपको सबसे पहले ये देखना होगा कि आपका बॉडी मास इंडेक्स या बीएमआई क्या है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मानकों के अनुसार सामान्य बीएमआई 23 से कम है, ओवरवेट 23 से ज्यादा है और 25 से ज्यादा बीएमआई वालों को मोटापे की श्रेणी में रखा गया है। अगर आपकी बीएमआई रेट सामान्य से अधिक है तो आपको इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। आपको अपना वजन कम करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके लिए हम आपकी मदद कर सकते हैं।

वजन को कम करने के लिए सबसे पहले आपको अपने खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। आपको यह ध्यान रखना होगा कि आप कितनी मात्रा में कैलोरी ले रहे हैं। अगर आप अत्यधिक कैलोरी वाले फूड्स का सेवन करते हैं तो यह आपका वजन बढ़ाते हैं। ऐसे में आप अपने ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में हेल्दी फूड को शामिल करें। सुबह के नाश्ते में अंकुरित अनाज, ड्राई फ्रूट्स, पोहा, उत्तपम और फलों का सेवन जरूर करें। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी या नींबू पानी शहद के साथ जरूर पिएं। लंच में भी दाल और सब्जी का सेवन करें। रोटी और चावल कम मात्रा में लें। दिन में स्नैक्स के तौर पर फल खाएं। रात का खाना हल्का रखें तले-भुने और जंक फूड से दूरी बनाएं। इसके अलावा यहां हम आपको 3 ऐसे फलों के बारे में बता रहे हैं जो आपका वजन कम करने में मदद करेंगे।



1. सेब

कैलोरी में कम और फाइबर से भरपूर होने के कारण सेब आपको प्रभावी रूप से वजन कम करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं वे तृप्ति भी बढ़ा सकते हैं और आपको अधिक खाने से भी रोक सकते हैं। एकेडमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, सेब फैट बर्न करने और भूख को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए भी जाना जाता है।

2. चकोतरा

विटामिन सी ये युक्त चकोतरा आपको एक वर्कआउट सेशन के वसा को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके साथ ही, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण, यह आपके रक्त में काफी धीरे-धीरे शर्करा छोड़ता है और वजन कम करने में मदद करता है। फूड साइंस और न्यूट्रीशन में प्रकाशित शोध के अनुसार, ग्रेपफ्रूट्स खाने से इंसुलिन नामक फैट-स्टोरेज हार्मोन के स्तर को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, पानी से भरा हुआ, ग्रेपफ्रूट्स आपको लंबे समय तक तृप्त रख सकता है।

3. बेरीज

एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होने के कारण बेरीज सूजन को रोकता है, जो पहले से ही वजन बढ़ाने के साथ जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं यह आपके पेट को भी भरा रखता है। इसलिए आपको अधिक खाने से रोक सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरीज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर और रक्तचाप को कम करने में भी काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

उत्तान पादासन

उत्तान पादासन बहुत ही आसान और अच्छा योगासन है। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल मैट पर लेट जाएं। दोनों हथेलियों को जांघों के बराबर में रखें। अब दोनों पैरों के घुटनों, एड़ियों और अंगूठों को मिलाएं और टांगों को सीधी रेखा में तानकर रखें। अब सांस लेते हुए दोनों पैरों को 45 डिग्री पर ले जाएं। शुरुआत में ऐसा करना काफी दर्द भरा हो सकता है, लेकिन, धीरे-धीरे ये सही हो जाएगा। जैसे-जैसे पैर ऊपर उठते जाएं इसे 90 डिग्री तक ले जा सकते हैं। इस योगासन को करने से पहले स्ट्रेचिंग व्यायाम जरूर कर लें। यह योग आपकी कमर, कूल्हों और जांघों की चर्बी को खत्म करने में मदद करेगा। इसके और भी कई फायदे हैं।

रेसिपी



सूजी पास्ता

सामग्री

- सूजी: 1 कप
- 1 टमाटर
- 11/2 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- 1 प्याज
- टोमैटो सॉस: 1 टेबलस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- हल्दी: 1/2 टीस्पून
- तेल
- पानी: 1 कप
- चाट मसाला: 1/2 टीस्पून
- हरा धनिया: 2 टेबलस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार
- सजावट के लिए धनियापत्ती

विधि

एक बर्तन में सूजी लें। इसमें नमक और 2 चम्मच तेल मिक्स कर लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंद लें और 10-15 मिनट रख दें। तय समय बाद देखेंगे तो सूजी फूल चुकी होगी, इसमें थोड़ा तेल डालकर हाथेलियों से मसल लें। अब आटे से छोटी-छोटी लोई तोड़कर मनचाहे आकार में डिजाइन दे दें। इसी तरह सारी लोई को पास्ता के डिजाइन में बना लें। अब एक बड़ी छलनी के ऊपर तेल लगाकर सारे पास्ता को रख दें। मीडियम आंच पर पैन में पानी गर्म होने रख दें। इस पर पास्ता वाली छलनी ढककर 15-20 मिनट रख दें। यानी हमें सूजी के पास्ता को स्टीम करना है। तय समय बाद गैस बंद कर दें और देखें कि सूजी के पास्ता पक चुके हैं। इन्हें निकालकर अलग रख दें। अब प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर और हरा धनिया बारीक काट लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गर्म करें। इसमें प्याज डालकर भून लें। अब शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर डालकर हल्का भून लें। अब टोमैटो सॉस डालकर 1-2 मिनट तक पका लें। इसमें हल्दी पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर मसाले को पका लें। अब पास्ता डालकर मिक्स कर लें। आंच बंद कर दें और धनियापत्ती से गार्निश कर लें। तैयार है स्वादिष्ट सूजी पास्ता।



हल्दी के लड्डू

सामग्री

- कच्ची हल्दी: 500 ग्राम
- गुड़: 500 ग्राम
- बारीक कटे (बादाम, काजू, किशमिश और पिस्ता): 1 कटोरी
- देसी घी: 2 टेबलस्पून

विधि

हल्दी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले हल्दी की गांठ को छील लें। हल्दी को कद्दूकस कर लें। आप चाहें तो बारीक पीस भी सकते हैं। इसके बाद पैन में एक चम्मच घी गर्म करें और इसमें हल्दी डालकर 4-5 मिनट तक चलाते हुए भून लें। जब हल्दी का पानी सूख जाए तो इसमें एक और चम्मच घी डालें। साथ ही बारीक कटे मेवे भी डालकर भून लें। पैन को आंच से उतार लें और इसें गुड़ को कद्दूकस करके मिला लें। गुड़ डालने के बाद तुरंत अच्छी तरह मिलाएं लड्डू तैयार करते जाएं। सारे मिश्रण से लड्डू तैयार कर एयरटाइट डिब्बे में रख लें। रात को एक लड्डू खाने के बाद एक गिलास दूध पीने से ठंड में काफी लाभ मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2660

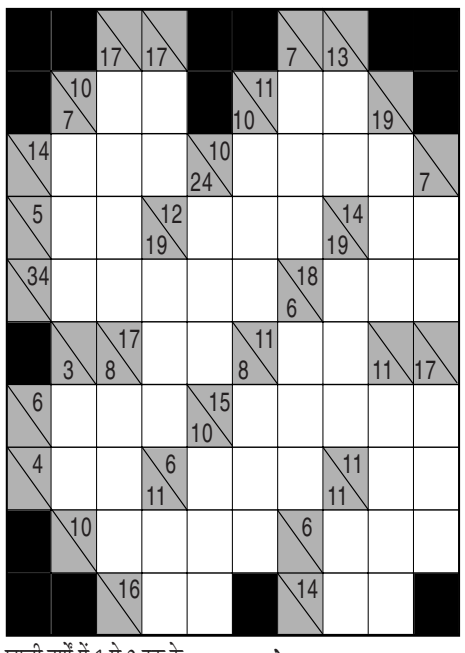

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

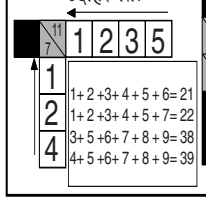

काकुरो - 2659 का हल

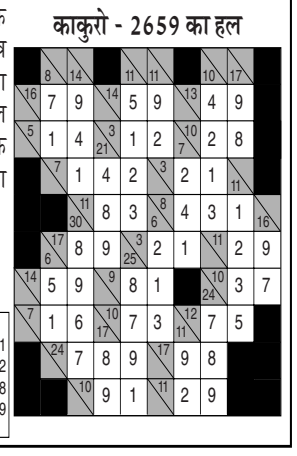

हंसी के फव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज, ''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

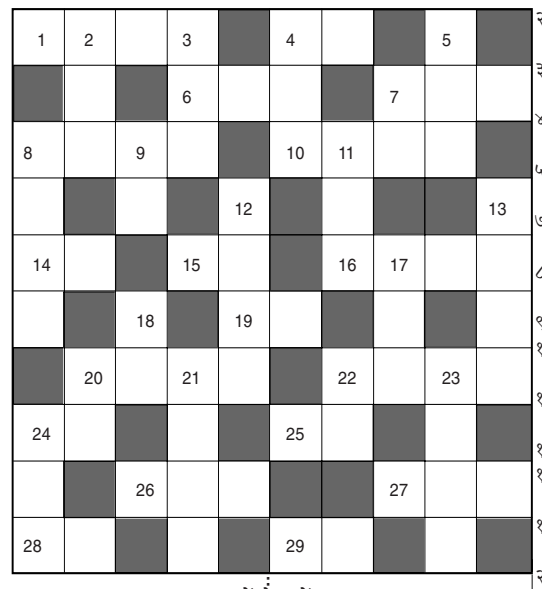

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	र
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

सूडोकु -2660

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2659 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2660

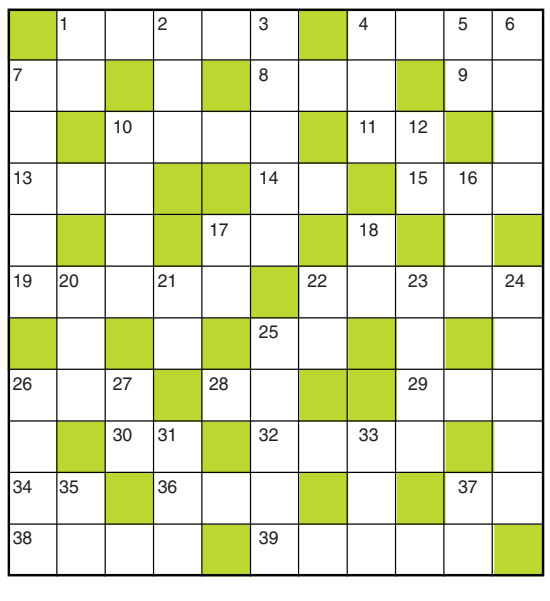

बाएँ से दाएँ

1. असहकार-5
4. शत्रुता,दुश्मनी-4
7. नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. मादा का विलोम-2
10. ईश्वर,शिव-4
11. संज्ञा,संबोधन-2
13. वेग,गति-3
14. महसूल,राहदरी-2
15. अंधकार,अंधेरा-3
17. कुंजी,ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतरता,बेगानापन-5
25. समय,वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा,सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी,धूल-2
32. नट,बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स,हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. खदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1. तराजू डंडा,पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना,अड़ जाना-3
5. जंगल,कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी,धन-4
12. वोट,राय-2
16. राजा,महाराजा-3
17. चतुर्थ,चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन,देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर,लुटेरा-5
25. जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना,बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-2
31. कमल,नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी,अवकाश-2
37. राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2659 का हल

	ग	र	ज	ना		र	स	ही	न	
गु			वा		ढ		हा			ग
जा		म	नी	षा	को	ई	रा	ला		र
र	ट	ना			स			य	म	ज
ना		ना		क	ला	म		क	ल	
	र		गै	र		ह	स्त		ना	
	क	वि		वा	द	क		मु		स
क	म	रा			श			ब	से	रा
प		म	न	मो	ह	न	सिं	ह		बो
ट			क		रा		गा			र
	म	त	ल	ब		ल	र	ज	ना	

वडोदरा वायुसेना स्टेशन पर हमले की साजिश नाकाम, जैश का संदिग्ध गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन पर हमले की बड़ी साजिश को नाकाम कर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बताया कि असम के करीमगंज निवासी मोहम्मद सहरुल इस्लाम कबीरुद्दीन को हलोल-वडोदरा रोड पर एक होटल के पास से पकड़ा गया। एटीएस के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील जोशी ने बताया कि विभिन्न खुफिया माध्यमों से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई। गिरफ्तार संदिग्ध के पास से एक असॉल्ट राइफल (जिसके एके-47 होने का संदेह है), 23 कारतूस, जैश-ए-मोहम्मद का एक झंडा, मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी को वडोदरा स्थित वायुसेना स्टेशन के गेट पर हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था। उसके मोबाइल फोन से स्टेशन की तस्वीरें भी मिली हैं, जो इस साजिश की पुष्टि करती हैं। आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बगड़टोली ने रचा इतिहास : 2027 जनगणना के लिए 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के राजस्व गांव बगड़टोली ने जनगणना-2027 के लिए स्व-गणना प्रक्रिया पूरी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जिला का पहला गांव बन गया है जिसने 100 प्रतिशत स्व-गणना पूरी कर राष्ट्रीय अभियान के लिए मिसाल कायम की है। राज्य सरकार ने इस उपलब्धि की जानकारी दी।
पिथौरागढ़ के तहसीलदार विजय गोस्वामी ने बताया कि गांव को स्व-गणना के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया था, लेकिन प्रगणक कलावती धरियाल ने कार्य मात्र 10 दिनों में ही संपन्न किया। गांव के कुल 18 परिवारों के 77 सदस्यों ने जनगणना के लिंक का उपयोग कर सभी 100 प्रश्नों के उत्तर सफलतापूर्वक दिए। बगड़टोली के ग्राम प्रधान राहुल कुमार ने प्रगणक धरियाल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कलावती ने उन्हें साथ लेकर ग्रामीणों को स्व-गणना के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप गांव के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया। बगड़टोली की यह उपलब्धि आगामी जनगणना अभियान के लिए अन्य गांवों को भी प्रेरणा देगी।

मकोका मामले में आप के पूर्व विधायक बाल्यान को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में जमानत दे दी है। बाल्यान पर कुख्यात बदमाश कपिल सांगवान द्वारा कथित तौर पर संचालित गिरोह की गतिविधियों में मदद करने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली बाल्यान की याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्हें जमानत देने से इंकार किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तीन अगस्त को बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, बाल्यान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल आप के पूर्व विधायक हैं और करीब दो साल से जेल में बंद राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील ने इन दलीलों का विरोध कर कहा कि बाल्यान एक संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा थे, जिसके खिलाफ 15 से अधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि बाल्यान और कुख्यात बदमाश सांगवान के बीच हुई बातचीत दोनों के बीच सक्रिय आपराधिक सांठगांठ दिखाती है। अदालत ने राजनीतिक प्रतिशोध के उनके दावे को महज हवाई बातें और पूरी तरह अप्रमाणित बताया था। उच्च न्यायालय ने पुलिस द्वारा जुटाई गई सामग्री के व्यापक आकलन का हवाला देकर बाल्यान और अपराध गिरोह के अन्य सदस्यों के बीच स्पष्ट संबंध का उल्लेख किया था।

राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को लेकर केंद्र सरकार ने बुलाया चार दिवसीय विशेष सत्र

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने चार दिवसीय संसद सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को इसकी घोषणा कर बताया कि इस सत्र में महत्वपूर्ण सरकारी कार्य और विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इन महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा करें और संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग दें।
आगामी सत्र 30 नवंबर और 1 दिसंबर को लोकसभा में शुरू होगा, जहां आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाया जाएगा। इसके उपरांत, वहीं महत्वपूर्ण कार्य 2 और 3 दिसंबर को राज्यसभा में प्रस्तुत किए जाएंगे। इस संबंध में केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को विधिवत पत्र भेज दिया है।
कुछ सांसदों और मीडिया आउटलेट्स द्वारा की गई आलोचनाओं को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इसतरह के हल्के बयान नहीं दिए जाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब भी कोई महत्वपूर्ण विधेयक या देशहित का कार्य होता है, केंद्र सरकार संसद का सत्र बुला सकती है, और यह एक स्थापित संसदीय परंपरा है। उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जहाँ पिछले सत्र को स्थगित किए बिना भी विशेष सत्र बुलाए गए हैं, यह दिखाता है कि यह संसदीय लोकतंत्र में कोई नई या असामान्य बात नहीं है। उनका मानना है कि जब केंद्र सरकार एक विशेष सत्र बुलाती है, तब इसका अर्थ ही कुछ विशेष, राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करना होता है। केंद्रीय मंत्री ने सभी दलों के नेताओं और सांसदों से पूरे दिल से अनुरोध किया कि वे लाए जाने वाले सभी विधेयकों पर अच्छी और गहन चर्चा करें। उन्होंने कहा कि सहमति या असहमति लोकतंत्र का अभिन्न अंग है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि विशेष सत्र चलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने याद दिलाया कि देश के लोग संसद में होने वाली बहसों को सुनते हैं और भविष्य में उन्हें याद रखने वाले है। उन्होंने कहा कि संसद को सुचारु रूप से चलाना हम सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को मजबूत करती है।
हालांकि, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सत्र में पेश होने वाले विशिष्ट विधेयकों का विवरण अभी साझा नहीं किया, उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार बहुत महत्वपूर्ण कार्य लेकर आ रही है। उन्होंने सभी सांसदों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ इसमें अच्छी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि भारतीय लोकतंत्र की स्वस्थ और प्रभावी तस्वीर विश्व के सामने प्रस्तुत हो सके। रिजिजू ने साफ कहा कि सरकार नियमों के तहत ही सत्र बुला रही है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है

ताजमहल से निकाली गई नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका ब्रिटेन में होगी नीलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विश्व प्रसिद्ध ताजमहल से ब्रिटिश शासन के दौरान ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी द्वारा निकाली गई एक नक्काशीदार संगमरमर की पट्टिका अगले माह ब्रिटेन में नीलाम होने जा रही है। यह आयताकार पट्टिका उन दो पट्टिकाओं में से एक है, जिन्हें कर्नल पाउनोल फिप्स ने 1816 में आगरा और उसके आसपास की इमारतों की मरम्मत के अधीक्षक के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर एकत्र किया था। इस ऐतिहासिक कलाकृति की अनुमानित कीमत 20,000 से 30,000 पाउंड (करीब 24-36 लाख भारतीय रुपये) आंकी गई है। नीलामी लायन एंड टर्नबुल नीलामीकर्ता द्वारा 9 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह विशेष नीलामी इस्लामिक और भारतीय कला से जुड़ी वस्तुओं को समर्पित होगी। नीलामीकर्ता की ओर से जारी विवरण के मुताबिक, इस संगमरमर की पट्टिका के साथ ताजमहल की एक पुरानी श्वेत-श्याम तस्वीर और दो महत्वपूर्ण पत्र भी संलग्न हैं। इन पत्रों में से एक कर्नल पाउनोल के पोते द्वारा छपवाया गया है, जबकि दूसरा मार्क्वेस ऑफ बाथ द्वारा हाथ से लिखा गया है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हैं। कर्नल के बेटे के संस्मरणों के मुताबिक, उनके पिता को ये वस्तुएं ताजमहल के भूमिगत हिस्से में मिली थीं, और उन्हें लगा था कि इनका इस्तेमाल मुगलकालीन स्मारक की मरम्मत के लिए किया जाना था। कर्नल फिप्स का जन्म 1780 में इंग्लैंड के डेवोन में हुआ था। 17वीं सदी की शुरुआत से ही सैनिकों के परिवार से ताल्लुक रखने वाले फिप्स 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल सेना में कैडेट के तौर पर शामिल हुए थे। भारत में अपने औपनिवेशिक शासन के दौरान, वह अन्य कार्यों के अलावा, ताजमहल और अन्य ऐतिहासिक इमारतों की देखभाल की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे, जो उनकी इस खोज की पृष्ठभूमि बनती है। भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल ने 1816 में कर्नल को लोअर प्रोविंसेस में इमारतों का अधीक्षक नियुक्त किया और उन्हें आगरा छोड़कर तत्कालीन कलकत्ता जाना पड़ा। वह और उनका परिवार 1823 में ब्रिटेन लौटा और फिप्स की मृत्यु 1858 में हुई। यह पट्टिका 200 से अधिक वर्षों तक उनके परिवार के संग्रह का हिस्सा बनी रही, जो अब नीलामी के लिए प्रस्तुत की गई है और एक बार फिर इसके मूल स्थान से लिए जाने के इतिहास को उजागर करेगी।

खड़गे ने बुलाई विपक्षी दलों की बैठक, गठबंधन से इतर विपक्षी दलों को भी भेजा न्यौता

-परिसीमन विधेयक को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद कांग्रेस का आखिरी दांव

नई दिल्ली , एजेंसी । परिसीमन विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस ने सरकार के संभावित कदम के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद तेज कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को विपक्षी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई है। बैठक सुबह 11:30 बजे नई दिल्ली स्थित खड़गे के आवास 10, राजाजी मार्ग पर होगी।
प्रस्तावित बैठक में सरकार की ओर से परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को दोबारा संसद में पेश किए जाने की स्थिति में संयुक्त रणनीति पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस का प्रयास है कि इस मुद्दे पर विपक्षी दलों को एक



मंच पर लाकर सरकार के कदम का संसद के भीतर मजबूती से विरोध किया जाए।
बैठक के लिए 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के अलावा गठबंधन से बाहर के विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया है। इनमें द्रमुक (डीएमके), आम आदमी पार्टी (आप) और बीजू जनता दल (बीजेडी) प्रमुख हैं। इसके अलावा एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य विपक्षी दलों से भी समर्थन जुटाने की कोशिश की जा रही है।
कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन दलों को साथ लाने की है, जो 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। पार्टी का मानना है कि यदि डीएमके, बीजेडी, आप और एनसीपी (शरद पवार) समेत अन्य दल एक साझा रणनीति पर सहमत होते हैं तो सरकार के लिए विधेयक को आगे बढ़ाना राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं, सरकार भी इस मुद्दे पर अपनी तैयारी के साथ आगे बढ़ती नजर आ रही है। बैठक में विपक्षी दलों के बीच इसी रणनीतिक स्थिति पर विचार-विमर्श होने की संभावना है।

बेंगलुरु: उपमुख्यमंत्री आवास और विधान सौध को उड़ाने की फर्जी धमकी, एक गिरफ्तार

बेंगलुरु,एजेंसी। । बेंगलुरु में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के आवास और प्रतिष्ठित विधान सौध को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी देने के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कार्तिक आर. के रूप में हुई है, जो ब्यादरहल्ली इलाके के बालाजीनगर का निवासी है। यह धमकी पांच नवंबर को दी गई थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि कार्तिक ने ऑटो-रिक्शा बुकिंग ऐप के माध्यम से यह धमकी दी थी। पांच नवंबर की शाम को एक ऑटो-रिक्शा चालक को एप पर पैलेस नगर से राजराजेश्वरी नगर तक की बुकिंग मिली थी। जब चालक ने ग्राहक को लेने के लिए फोन किया, तब कथित तौर पर कार्तिक ने खुद को मुख्यमंत्री के आवास के अंदर बताया। उसने चालक को गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी को फोन देने को कहा और धमकी दी कि उसने उपमुख्यमंत्री के आवास और विधान सौध में बम लगाए हैं, जो मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने पर फट जाएंगे। पुलिसकर्मी ने तत्काल ऑटो की जांच की और मामले की गंभीरता को समझा। शुरुआत में बीमार रिश्तेदार की देखभाल में व्यस्त होने के कारण चालक तुरंत शिकायत दर्ज नहीं करा सका। हालांकि, बाद में चालक ने सात नवंबर को सदाशिवनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसी दिन आरोपी कार्तिक आर. को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) (आपराधिक धमकी) और 353(1)(बी) (सार्वजनिक शरारत को बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

भारत पाकिस्तान सीमा पर तैनात करेगा पांचवां एस-400 सिस्टम, वायुसेना टीम रूस रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत अपनी पश्चिमी सीमा, खासकर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने की तैयारी में जुटा है। इसी कड़ी में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) पाकिस्तान से लगी 740 किलोमीटर लंबी एलओसी पर अपना पांचवां एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने जा रही है। अगले महीने, भारतीय वायुसेना की उच्च स्तरीय टीम सिस्टम के प्री-डिस्पैच इंस्पेक्शन के लिए रूस का दौरा करेगी, जिसकी तैनाती फरवरी 2027 तक पूरी होने की उम्मीद है।
यह महत्वपूर्ण कदम पाकिस्तान और चीन द्वारा अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने की पृष्ठभूमि में उठाया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन 2027 तक पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के जे-35 लड़ाकू विमान दे सकता है। इसके जवाब में, भारत लंबी दूरी के हथियार और लोइटरिंग म्यूनिशन विकसित करने और खरीदने की योजना बना रहा है, ताकि चीन की पीएल-15 ईलंबी दूरी की मिसाइलों और एचक्यू-9बीई एयर डिफेंस सिस्टम का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना ने चीनी जे-10 लड़ाकू विमानों और स्वीडिश अवाक्स की मदद से करीब 200 किलोमीटर रेंज वाली पीएल-15 ई मिसाइलों का इस्तेमाल किया था, जो इस खतरे की गंभीरता को दिखाता है।
पाकिस्तान की सैन्य शक्ति को चीन और तुर्किये लगातार बढ़ा रहे हैं। चीन पाकिस्तान को 8 हैंगोर क्लास पनडुब्बियां बेच रहा है, जिसकी कीमत 5 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें से एक पनडुब्बी जून 2026 तक पाकिस्तानी नौसेना में शामिल हो चुकी है। तुर्किये पाकिस्तान की अगोस्टा-90बी पनडुब्बियों को अपग्रेड करने के साथ लंबी दूरी के कामिकेज ड्रोन भी उपलब्ध करा रहा है। इसके अतिरिक्त, चीन पाकिस्तान को मिसाइल दागने में सक्षम विंग लूंग-2 ड्रोन पहले ही दे चुका है। अमेरिका भी पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने में सहायता कर रहा है, जबकि सऊदी अरब पाकिस्तान को आर्थिक मदद प्रदान कर रहा है। एस-400 ट्रायम्फ, रूस द्वारा विकसित एक बेहद उन्नत मिसाइल सिस्टम है, जो कि 2007 में लांच किया गया था। यह फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों सहित हवा में कई तरह के खतरों को मार गिराने में सक्षम है, और दुनिया के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में से एक माना जाता है।
भारत के पास वर्तमान में एस-400 की तीन ऑपरेशनल स्क्वाड्रन तैनात हैं। पहली स्क्वाड्रन 2021 में पंजाब में, दूसरी जुलाई 2022 में सिक्किम (चीन सीमा पर) और तीसरी फरवरी 2023 में राजस्थान-गुजरात या पंजाब-राजस्थान सीमा पर तैनात की गई थी, जो पश्चिमी सीमा की सुरक्षा मजबूत करती है। चौथी स्क्वाड्रन, जिसकी पहली खेप जून 2026 में मिली, असम में तैनात है और अरुणाचल प्रदेश में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा करती है। प्रत्येक स्क्वाड्रन 256 मिसाइलों से लैस होती है।
एस-400 सिस्टम की क्षमता का प्रमाण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिला था, जब भारतीय वायुसेना के एस-400 ने पाकिस्तान के अंदर 314 किलोमीटर की दूरी पर उड़ रहे एक पाकिस्तानी सैन्य विमान को सफलतापूर्वक मार गिराया था। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी एयरस्पेस में सैन्य और नागरिक उड़ानों के एकसाथ होने के बावजूद, वायुसेना ने अपने विशेष सिस्टम से सैन्य विमान की सटीक पहचान की। एस-400 ने खतरे को ट्रैक किया और लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल को निर्देशित करते हुए पाकिस्तानी विमान पर अचूक निशाना लगाया।

ऋतब्रत बनर्जी की नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति रद्द

- कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्पीकर का आदेश किया खारिज, 10 दिन में नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने के विधानसभा अध्यक्ष के आदेश को शुक्रवार को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि 3 जून को जारी किया गया स्पीकर का आदेश कानून के प्रावधानों के अनुरूप नहीं था। हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के



10 दिनों के भीतर दोनों नियुक्तियों पर कानून के मुताबिक नए सिरे से विचार किया जाए। अदालत के फैसले के बाद अब ऋतब्रत बनर्जी और अखरुज्जमां की नियुक्तियों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को दोबारा निर्णय लेना होगा। हाईकोर्ट ने यह फैसला तृणमूल कांग्रेस के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से दायर याचिका पर सुनाया। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्षी खेमे के गठन और उसके बाद की गई नियुक्तियों से जुड़ा है। ऋतब्रत बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर बगावती रुख अपनाते हुए 58 विधायकों के साथ अलग गुट बनाए जाने का दावा किया था। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने 3 जून को उन्हें नेता प्रतिपक्ष और अखरुज्जमां को मुख्य सचेतक नियुक्त किया था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद इन नियुक्तियों की वैधानिक स्थिति पर विधानसभा अध्यक्ष को फिर से निर्णय लेना होगा।

इंडिया गठबंधन ने कहा- अगर सीएम योगी नहीं तो यूपी नहीं

योगी की जमकर कर रहा तारीफ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गलियारों में एक दिलचस्प मोड़ आया है। इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए उन्हें काबिल व्यक्ति बताया है। उन्होंने यहाँ तक कहा, अगर योगी नहीं तो यूपी नहीं। यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है और सभी दल अपनी चुनावी बिसात बिछाने में लगे हैं। गुरुवार को संजय राउत ने कहा, अगर योगी जी ने खुद के नाम का ऐलान किया है, तो वह तारीफ के काबिल हैं। वह काबिल आदमी हैं। हम भी योगी जी को बहुत प्यार करते हैं। योगी जी हिंदुत्व का एक ऐसा चेहरा हैं, जो सबसे ऊपर हैं। अगर योगी नहीं तो यूपी नहीं। योगी जी ही रहेंगे न यूपी में। उन्होंने मुख्यमंत्री के बहुमत पर विश्वास जताते हुए कहा कि विधायक दल का नेता ही मुख्यमंत्री चुनता है और जो विधायक आएंगे, वे योगी जी का ही समर्थन करेंगे।
एक तरफ गठबंधन के नेता सीएम योगी की तारीफ कर रहे हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर मुख्यमंत्री पद के चेहरे को



लेकर पहले से ही बयानबाजी जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इस सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि पार्टी में कौन मुख्यमंत्री पद का चेहरा है और कौन नहीं, यह सभी जानते हैं। उन्होंने जोर दिया कि हमारे लिए कमल ही सब कुछ है और सभी चुनाव कमल के निशान पर लड़ेंगे, जिसमें वे खुद भी शामिल हैं। इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी कमल को ही भाजपा का मुख्यमंत्री चेहरा बताया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव कमल के निशान पर लड़ा जाता है और चुनाव के बाद केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री का फैसला होता है। मौर्य ने यह भी कहा कि फिलहाल योगी जी हमारे मुख्यमंत्री हैं और चुनाव के बाद वे ही रहेंगे या कोई और, इसका फैसला तब के विधायक करेंगे। भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं के बयानों ने आगामी चुनाव के बीच मुख्यमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हालांकि, केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य में भाजपा बहुमत से सरकार बनाएगी और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री के तौर पर फिर से मजबूत जनादेश के साथ सत्ता में लौटेंगे। उन्होंने प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों की सराहना की। यह राजनीतिक सरगर्मी ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा उत्तर प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश में है, वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने गठबंधन किया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 376 सीटों पर लड़कर 255 पर शानदार जीत दर्ज की थी। समाजवादी पार्टी ने 347 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और 111 पर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस को 399 सीटों पर लड़ने के बावजूद महज 2 सीटें ही मिली थीं। बहुजन समाज पार्टी को 1 और राष्ट्रीय लोकदल को 8 सीटों पर जीत मिली थी। आगामी चुनाव में देखना होगा कि ये समीकरण क्या नया रंग लेते हैं।

प्रकाश पर्व जत्थे से पाकिस्तान में तीन भारतीय श्रद्धालु लापता

नई दिल्ली , एजेंसी । श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान गए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से 3 लोगों के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। पंजाब निवासी ये तीनों श्रद्धालु 25 नवंबर की सुबह ननकाना साहिब से पंजा साहिब रवाना होने से पहले अपने स्थान पर नहीं मिले। कुल 2,339 श्रद्धालुओं का जत्था 22 नवंबर को ननकाना साहिब पहुंचा था, जहां 23 और 24 नवंबर को सभी मौजूद थे। उनकी गुमशुदगी की खबर मिलते ही तलाश शुरू कर दी गई है और उनके बारे में कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं। लापता होने वालों में जालंधर के फिल्लौर स्थित खोखेवाल गांव के बिक्कर सिंह, तरनतारन की गुरु नानक कॉलोनी के विक्रमजीत सिंह और अमृतसर के सुल्तानविंड निवासी हरप्रीत सिंह शामिल हैं। इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर तब जब पहले भी ऐसी घटना सामने आ चुकी है।

यूपी में सपा कांग्रेस का गठबंधन अटका, गोवा में तैयारी पूरी

पणजी, एजेंसी । गोवा में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने भाजपा विरोधी वोटों को एकजुट करने की रणनीति अपनाई है। पार्टी छोटे और क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में उतरने की तैयारी कर रही है, ताकि सत्ताधारी भाजपा को चुनौती दी जा सके और विपक्ष के वोटों को बंटने से रोका जा सके। गोवा फॉरवर्ड ब्लॉक (जीएफबी) और रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी (आरजीपी) सहित कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर मंथन चल रहा है। पिछले 15 वर्षों से गोवा में सत्ता से बाहर कांग्रेस के लिए यह चुनाव वापसी का बड़ा मौका है। 2012 के बाद के चुनावों में पार्टी का वोट प्रतिशत लगातार गिरता रहा है, जो 28-32 फीसदी के आसपास था। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 28.5 फीसदी से घटकर सिर्फ 23 फीसदी रह गया, जबकि भाजपा अपना 32 फीसदी वोट बरकरार रखने में सफल रही। इस तरह, दोनों प्रमुख दलों के बीच सीधे दस फीसदी का अंतर पैदा हो गया, जो 40 सीट वाली विधानसभा में बेहद महत्वपूर्ण है। कांग्रेस के सामने अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने के साथ-साथ भाजपा विरोधी वोटों को एकजुट रखने की चुनौती है, और इसी वजह से वह गठबंधन को अहम मान रही है। इस बीच, गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) का आम आदमी पार्टी से दूर होना कांग्रेस के लिए एक सकारात्मक संकेत है। कुछ माह पहले आप और जीएफपी ने गोवा फर्स्ट गठबंधन का ऐलान किया था, लेकिन हाल ही में जीएफपी अध्यक्ष और विधायक विजय सरदेसाई ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अब कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना तलाश रही है। उनके मुताबिक, आप के कांग्रेस विरोधी रुख के कारण गोवा फर्स्ट गठबंधन पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है। चुनावी रणनीतिकारों का मानना है कि 2022 के चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को मिले करीब सात फीसदी वोटों ने हार-जीत के समीकरणों को काफी हद तक प्रभावित किया था। इन चुनावों में आप के कारण कांग्रेस को पांच सीटों का नुकसान हुआ, क्योंकि इन सीटों पर आप को मिले वोट कांग्रेस और भाजपा के बीच जीत के अंतर से कहीं अधिक थे। हालांकि, कांग्रेस का आकलन है कि 2022 के मुकाबले आगामी चुनावों में आप का प्रभाव कम हुआ है। 2022 में आप दिल्ली में सत्ता में थी और मतदाता उसे एक मजबूत विकल्प के तौर पर देख रहे थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

चेस... कोलकाता में जनवरी 2027 में सजेगा ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। 2018 में शुरू हुए 'टाटा स्टील चेस इंडिया' (जो कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आयोजित नहीं हो सका था) के रैपिड सेक्शन में मैग्नस कार्लसन और निहाल सरीन दो-दो बार जीत हासिल कर चुके हैं। 'सिटी ऑफ जॉय' कहलाने वाले कोलकाता में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। 7 से 10 जनवरी 2027 तक यहां एक बड़ा ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिसमें कई शीर्ष शतरंज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चार दिवसीय टूर्नामेंट में रैपिड और ब्लिट्ज दोनों फॉर्मेट शामिल होंगे। इसका आयोजन कोलकाता के 'धोनो धान्यो ऑडिटोरियम' में किया जाएगा। 'टाटा स्टील चेस इंडिया' दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने, उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और खेल प्रेमियों को एक शानदार माहौल में जोड़ने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। शतरंज के साथ कोलकाता के पुराने और गहरे जुड़ाव तथा इस खेल के प्रति यहां बढ़ते उत्साह को देखते हुए, यह इवेंट भारतीय शतरंज कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन साबित होगा। 2018 में शुरू हुए 'टाटा स्टील चेस इंडिया' (जो कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आयोजित नहीं हो सका था) के रैपिड सेक्शन में मैग्नस कार्लसन और निहाल सरीन दो-दो बार जीत हासिल कर चुके हैं।



टेनिस... एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 70वीं जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। ज्वेरेव ने 2024 में 69 मैच जीते थे, लेकिन इस साल उन्होंने उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया। 70 जीत का आंकड़ा पार करके उन्होंने अपने करियर का नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाया और एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने करियर में एक और यादगार अध्याय जोड़ा है। वह इस सदी के 12वें खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने एक कैलेंडर ईयर में कम से कम 70 टूर-लेवल जीत दर्ज की हैं।

उन्होंने गुरुवार को बोलोग्ना में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ जर्मनी के डेविस कप फाइनल्स क्वार्टर-फाइनल में आर्थर फेरी पर सीधे सेटों में जीत के साथ यह मुकाम हासिल किया। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इस उपलब्धि के साथ खुद को पुरुष टेनिस के महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर लिया है। रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी अपने बेहतरीन सीजन में 70 या उससे अधिक मैच जीत चुके हैं। ज्वेरेव ने 2024 में 69 मैच जीते थे, लेकिन इस साल उन्होंने उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया। 70 जीत का आंकड़ा पार करके उन्होंने अपने करियर का नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाया और एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। 2026 का सीजन अलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए बेहद यादगार रहा।

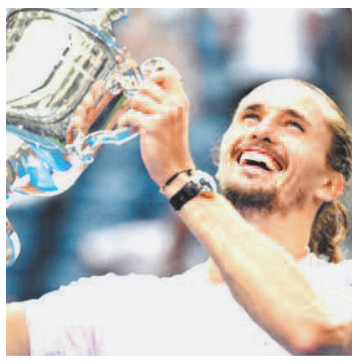

क्रिकेट... पीसीबी ने किया महिला टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2026/27 सीजन के लिए आठ महिला क्रिकेटर्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा की है, जिसमें कप्तान फातिमा सना और सीनियर स्पिनर सादिया इकबाल को ए कैटेगरी में रखा गया है। 25 साल की फातिमा को बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए इनाम मिला है। वह हाल ही में इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' और ऑस्ट्रेलिया में 'विमेंस बिग बैश' में खेलने वाली पहली पाकिस्तानी महिला क्रिकेटर बनीं। इस बीच, सादिया ने पाकिस्तान की टॉप परफॉर्मर में अपनी जगह बनाए रखी है। बाएं हाथ की स्पिनर पहले आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर रह चुकी है। मुनीबा अली सिद्दीकी, नशरा संधू और सिदरा अमीन को सभी फॉर्मेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और योगदान के लिए कैटेगरी बी में रखा गया है। गुल फिरोजा और सदफ शमास की ओपनिंग जोड़ी को अनुभवी खिलाड़ी आयशा जफर के साथ कैटेगरी सी में शामिल किया गया है। उनका शामिल होना उनके हाल के घरेलू और इंटरनेशनल प्रदर्शन के साथ-साथ टीम की भविष्य की जरूरतों को दिखाता है। पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'कॉन्ट्रैक्ट 30 जून, 2027 तक चलेंगे। खिलाड़ियों की हालिया फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए कैटेगरी तय की गई हैं। फिटनेस असेसमेंट रेगुलर किए जाएंगे।



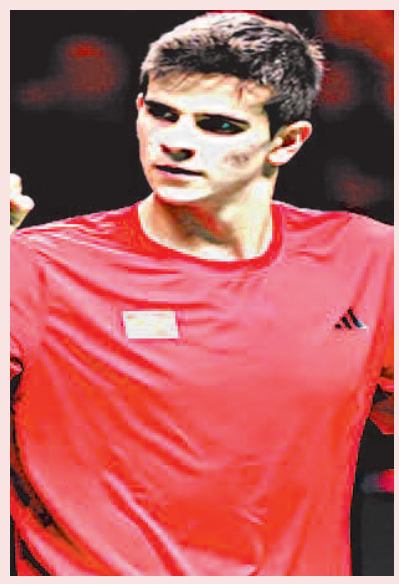

स्पेन ने कटाया डेविस कप के सेमीफाइनल का टिकट, ऑस्ट्रिया को दी शिकस्त

बोलोग्ना (इटली), एजेंसी। स्पेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर डेविस कप फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम की जीत की नींव डेनियल मेरिडा ने रखी, जिन्होंने पहला मुकाबला जीतकर स्पेन को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद राफेल जॉडार ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछड़ने के बावजूद वापसी की और अपना मैच जीतकर स्पेन की टाई में जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ स्पेन ने कुल मिलाकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की और सेमीफाइनल का टिकट कटाया। एटीपी फाइनल्स में अपनी सफलता के बाद मौजूद रहे कार्लोस अल्काराज को कोर्ट पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि स्पेन का शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ आखिरी-चार का मुकाबला होना था। मेरिडा ने शुरुआती सिंगल्स मुकाबले में जोएल श्वार्जलर पर 6-4, 6-4 की शांत जीत के साथ स्पेन की जीत की नींव रखी। फिर जॉडार ने यह पक्का किया कि निर्णायक डबल्स मैच की जरूरत न पड़े, और जुरिज रोडियोनोव के खिलाफ 2-6, 6-0, 6-1 से शानदार जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद 20 साल के खिलाड़ी का जवाब खास तौर पर शानदार था, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रिया को हराने के लिए आखिरी 13 में से 12 गेम जीते। उनकी पहली सर्विस की काबिलियत अहम साबित हुई, जिसमें रोडियोनोव के साथ अपनी पहली एटीपी मीटिंग में जॉडार ने अपनी पहली डिलीवरी के बाद 94 प्रतिशत (63/67) पॉइंट जीते।

यूरोपा लीग... बॉर्नमाउथ ने सेल्टा विगो को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बॉर्नमाउथ ने यूईएफए यूरोपा लीग में सेल्टा विगो को 2-1 से हराया। टीम ने पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की और लगातार पांचवें मुकाबले में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ बॉर्नमाउथ का सभी प्रतियोगिताओं में जीत का सिलसिला 10 मैचों तक पहुंच गया है। बॉर्नमाउथ ने पिछड़ने के बाद दमदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया और यूईएफए प्रतियोगिता के अपने पहले पांच मुकाबले जीतने वाला सिर्फ पांचवां क्लब बन गया है। सेल्टा विगो ने बढ़त तब हासिल की जब अनुभवी फॉरवर्ड इयागो एस्पास ने गोल किया। इससे कुछ देर पहले उनकी शानदार ओवरहेड किक को गोलकीपर मिशेल डि ग्रेगोरियो ने बचा लिया था, लेकिन 39 वर्षीय खिलाड़ी ने बाद में पोस्ट के अंदर की ओर सटीक शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। बाफोडे डायकाइट के बाहर होने से बॉर्नमाउथ को झटका लगा, लेकिन टीम ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही वापसी कर ली। अमीन एडली के शानदार पास पर अल्वारो रोड्रिगेज ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सब्स्टीट्यूट रेयान ने इस अभियान का अपना चौथा गोल दागते हुए बॉर्नमाउथ को बढ़त दिलाई और मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

इस जीत के साथ बॉर्नमाउथ ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल कर लिए हैं और 36 टीमों की स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वहीं, सेल्टा विगो की टीम सिर्फ तीन अंकों के साथ 32वें स्थान पर मौजूद है। वहीं, इटली की बड़ी टीमें एसी मिलान और जुवेंटस, दोनों ने मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अहम जीत हासिल की। ओमारी हचिंसन के शानदार प्रदर्शन ने मिलान को एथेंस में ओलंपियाकोस के खिलाफ 2-0 से पिछड़ने के बाद 4-2 से आगे निकलने में मदद की।

ओलंपियाकोस लीग चरण में अपने अपराजित अभियान को जारी रखने की ओर बढ़ रहा था। पहले हाफ में माइक मेगनन के आत्मघाती गोल और ब्रेक के तुरंत बाद जोआओ सिल्वा के शानदार गोल की बदौलत ग्रीक क्लब ने मजबूत बढ़त बना ली थी। हालांकि, एलेक्स हचिंसन ने अपने ही हाफ से शानदार सोलो रन लगाकर एसी मिलान की वापसी की उम्मीद जगाई। इसके बाद इंग्लिश विंगर ने अल्फाजो सिसे के लिए सटीक क्रॉस दिया, जिस पर बैक पोस्ट पर हेडर से गोल हुआ। फिर क्रिश्चियन पुलिसिक ने भी इसी तरह के मूव पर शानदार वॉली लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।स्टॉपेज टाइम में डिएगो मोरेरा ने काउंटर-अटैक पर गोल दागकर एसी मिलान की जीत पक्की कर दी। इस नतीजे के साथ मिलान ने ओलंपियाकोस के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की। इस बीच, एंड्रिया कैम्बियासो के शानदार बराबरी वाले गोल की मदद से जुवेंटस ने ट्यूरिन में ओमोनिया के खिलाफ 4-1 से बड़ी जीत हासिल की। लुबोमिर सतका ने कॉर्नर से ओमोनिया को बढ़त दिलाई, लेकिन कैम्बियासो ने दूर से गोल किया और जेफ एकाटोर ने बॉक्स के अंदर से गोल करके मेजबान टीम को हाफ-टाइम में बढ़त दिला दी।दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए, जुवेंटस ने अपनी बढ़त तब और बढ़ा ली जब फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ ने थॉमस कामिंस्की के शुरुआती शॉट को बचाने के बाद गोल किया और जेरेमी बोगा के बॉक्स के किनारे से किए गए शानदार फिनिश से चौथा गोल दागा।



यकीन करना मुश्किल है कि फिर सिराज को बाहर कर दिया

मोहम्मद कैफ तेज गेंदबाज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने से नाखुश

नई दिल्ली, एजेंसी। *भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई है। टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर भारत के पूर्व क्रिकेटर्स ने नाराजगी जताई है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ सिराज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने से नाखुश दिखाई दिए। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'यकीन करना मुश्किल है कि भारत के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक मोहम्मद सिराज को फिर से बाहर कर दिया गया है। सिराज को बुमराह के साथ भारत के विदेशी टेस्ट बॉलिंग अटैक में सबसे पहले चुना जाना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल ने खुद सिराज को वर्ल्ड-क्लास बॉलर कहा था और बताया था कि वह अच्छी बॉलिंग कर रहे हैं।' वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने लिखा, 'एक बार फिर मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली।' मुनाफ ने अपने एक और ट्वीट में मौजूदा बॉलिंग अटैक पर भी सवाल खड़े किए।*

उन्होंने लिखा, 'चलो, कोई बात नहीं अगर आप मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी को नहीं देख रहे हैं, लेकिन आपकी अगली बॉलिंग यूनिट कहां है, जो मैच जिताने में माहिर हो? '

क्रिकेट विशेषज्ञ और कमेंटेटर हर्षा भोगले ने अपने एक्स अकाउंट पर सिराज को लेकर लिखा, 'सिराज अब भारत के छठे रैंक वाले तेज गेंदबाज हैं। मुझे यह बहुत गलत लगता है। इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में टेस्ट क्रिकेट में टॉप 5 विकेट लेने वालों में भारत के पास अब सिर्फ बुमराह के लिए जगह है। आप चाहते हैं कि बॉलर अच्छे से चुने जाएं, उनके पास बॉलिंग के लिए बेहतरीन कंडीशन हैं, लेकिन उन्हें पता होगा कि जब उनकी बारी आएगी तो उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। '

मोहम्मद सिराज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के मौजूदा साइकिल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह इस साइकिल में अब तक 43 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। सिराज को इस साल सिर्फ 3 टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला है और इस दौरान उन्होंने 5 विकेट चटकाए हैं। साल 2020 में डेब्यू करने के बाद यह पहला मौका है, जब सिराज किसी विदेशी टेस्ट सीरीज में बिना कोई मैच खेले लौटेंगे।

जयदेव उनादकट ने टी20 में रचा इतिहास

11वें नंबर पर खेली सबसे बड़ी पारी; 22 साल बाद टूटा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का रिकॉर्ड



नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के 7वें चरण के मैच में एक विश्व कीर्तिमान बना। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बना तमिलनाडु और सौराष्ट्र के मुकाबले में। इस मैच में सौराष्ट्र के 11वें नंबर के खिलाड़ी और भारत के लिए खेल चुके जयदेव उनादकट ने इतिहास रच दिया। उन्होंने 11वें नंबर पर आते हुए 26 गेंद पर 40 रनों की पारी खेली। यह टी20 क्रिकेट के इतिहास में 11वें नंबर के बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी रही। आपको बता दें कि उन्होंने 22 साल पुराना ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले टी20 में 11वें नंबर पर सबसे बड़ी नाबाद 24 रन की पारी ऑस्ट्रेलिया में जन्मे एमएफ क्लीरी ने इंग्लैंड के एक घरेलू टी20 मैच में खेली थी। उन्होंने लीसेस्टर के लिए डरहम के खिलाफ नाबाद 24 रन 7 जुलाई 2004 को बनाए थे। अब 22 साल बाद 26 नवंबर 2026 को उनादकट ने यह रिकॉर्ड तोड़ा और नंबर 1 पर काबिज हो गए।

इंडिया-न्यूजीलैंड टेस्ट

क्राइस्टचर्च टेस्ट में पहला दिन समाप्त....

न्यूजीलैंड का स्कोर 246/5 आकाशदीप की शानदार गेंदबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जा रहा है. मुकाबले में पहले दिन (27 नवंबर) स्टम्प तक न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 246 रन बना लिए. टॉम ब्लंडेल 53 और ग्लेन फिलिप्स 36 रन बनाकर नॉटआउट हैं. भारत की ओर से आकाश दीप ने दो विकेट झटके हैं.

इस टेस्ट मैच में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. भारतीय टीम में मोहम्मद सिराज को फिर मौका नहीं मिला. प्रसिद्ध कृष्णा की जगह गुरनूर बरार खेल रहे हैं. बरार का यह पहला टेस्ट मैच है.

पहली पारी में ऐसी रही है न्यूजीलैंड की बैटिंग

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाजों ने पहली पारी में दमदार शुरुआत की. कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे ने पहले विकेट के लिए 77 रनों की पार्टनरशिप की. अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे गुरनूर बरार ने खतरनाक दिख रहे कॉन्वे को 31 रनों के निजी पर आउट कर पवेलियन भेजा. ये विकेट पहले दिन लंच से पहले आखिरी गेंद पर गिरा. लंच के टॉम लैथम ने अपनी फिफ्टी पूरी की. लैथम ने 128 गेंदों पर 59 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे. लैथम का विकेट आकाश दीप ने लिया. फिर अंशुल कम्बोज ने हेनरी निकोल्स (16 रन) को आउट कर भारत को तीसरी कामयाबी दिलाई. 110 के स्कोर पर ही न्यूजीलैंड का एक और विकेट गिरा, जब आकाश दीप के बिछाए जाल में रचिन रवींद्र (0 रन) फंस गए.यहां से टॉम ब्लंडेल और डेरिल मिचेल ने पांचवें विकेट के लिए 74 रन जोड़कर मेजबान टीम को संभाला. मिचेल 31 रनों के निजी स्कोर वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बने, जिसके चलते ये साझेदारी टूटी. मिचेल के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने टॉम ब्लंडेल संग मोर्चा संभाला. दोनों ने छठे विकेट के लिए नाबाद 62 रन जोड़कर न्यूजीलैंड को पहले दिन के खेल में कोई और नुकसान नहीं होने दिया.

33 मैच, 33 अलग मैदान... टेस्ट क्रिकेट में बनाया अनोखा रिकॉर्ड

सचिन से भी आगे निकले यशस्वी



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में एक दुर्लभ उपलब्धि अपने नाम की है. यशस्वी अपने शुरुआती 33 टेस्ट मैच अलग-अलग मैदानों पर खेलने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बन गए. उनसे पहले यह कारनामा भारत के संजय मांजरेकर ने किया था. न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च टेस्ट में उतरते ही उन्होंने ये मुकाम हासिल कर लिया.

यशस्वी जायसवाल ने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका में टेस्ट डेब्यू किया था. तब से उनके सभी 33 मुकाबले अलग-अलग वेन्यू पर हुए हैं. मांजरेकर ने भी अपने शुरुआती 33 टेस्ट 33 मैदानों पर खेले थे.

यशस्वी ने सचिन को पछाड़ा

यशस्वी जायसवाल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से आगे निकल गए हैं. मास्टर ब्लास्टर सचिन ने अपने शुरुआती 32 टेस्ट अलग-अलग मैदानों पर खेले थे. पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ और वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन ने अपने पहले 24-24 टेस्ट अलग-अलग वेन्यू पर खेले थे.यशस्वी जायसवाल ने अब तक सात टीमों के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट खेला है. इनमें इंग्लैंड के खिलाफ 10, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच-पांच, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ चार-चार, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ दो-दो तथा अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुकाबला शामिल है.यशस्वी जायसवाल के पास 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में यह रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा. नागपुर में 21 से 25 जनवरी तक होने वाले मुकाबले में खेलने पर उनका यह सिलसिला 34 मैचों तक पहुंच जाएगा.हालांकि, इसके बाद यह क्रम टूट सकता है. सीरीज के अगले चार टेस्ट चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे. यशस्वी जायसवाल इन सभी मैदानों पर पहले ही टेस्ट मुकाबले खेल चुके हैं. ऐसे में नागपुर के बाद चेन्नई में उतरते ही उनका रिकॉर्ड बनाने का सफर थम जाएगा.



कार्तिक की नई फिल्म 'कालिया' का एलान

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर एक्टर ने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। कार्तिक ने अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है, जिसका नाम 'कालिया' है। इस बार एक्टर रोमांस या कॉमेडी करते नहीं, बल्कि राक्षसों की दुनिया में कदम रखते नजर आएंगे। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और डोपामाइन स्टूडियोज के बैनर तले बनने वाली यह फिल्म एक मॉन्स्टर थ्रिलर होगी।

कौन करेगा 'कालिया' का निर्देशन

कार्तिक की इस नई फिल्म का एलान उनके जन्मदिन के मौके पर एक डरावने वीडियो के साथ किया गया। वीडियो शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, 'श्रीकृष्ण ने उसे दूर भेज दिया था। हम इंसानों ने उसे वापस बुला लिया।' इस एक लाइन ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी करेंगे, जो इससे पहले 'द नाइट मैनेजर' और 'आर्या' जैसी सीरीज का निर्देशन कर चुके हैं।

क्या होगी 'कालिया' की कहानी

'कालिया' की कहानी भारतीय लोककथाओं और पौराणिक मान्यताओं से प्रेरित होगी। फिल्म में देश के अलग-अलग हिस्सों में पीढ़ियों से चली आ रही कहानियों और विश्वासों को आधार बनाकर एक डरावनी दुनिया तैयार की जाएगी। मेकर्स इस फिल्म में मॉन्स्टर थ्रिलर के रोमांच को भारतीय संस्कृति और पारंपरिक कहानियों के साथ जोड़ने की कोशिश करेंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ धर्मा प्रोडक्शंस भी एक नए जॉनर में कदम रखने जा रहा है। अब तक रोमांटिक, फैमिली ड्रामा और कमर्शियल फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले इस प्रोडक्शन हाउस की यह पहली मॉन्स्टर थ्रिलर होगी। फिल्म को बड़े पर्दे के लिए तैयार किया जा रहा है, ताकि दर्शकों को एक अलग और रोमांचक सिनेमाई अनुभव मिल सके।

'कालिया' निर्देशक संदीप मोदी के लिए भी काफी खास है। 'द नाइट मैनेजर' और 'आर्या' जैसी सीरीज के जरिए अपनी पहचान बनाने वाले संदीप अब पहली बार किसी हिंदी फिल्म के साथ सिनेमाघरों में दस्तक देंगे। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ मिलकर वह एक ऐसी दुनिया रचने जा रहे हैं, जो हिंदी सिनेमा में उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव होगी। फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और डोपामाइन स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा, मारिज्के डी'सूजा और कार्तिक आर्यन हैं। फिल्म 5 मई, 2028 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कार्तिक आर्यन का वर्कफ्रंट

कार्तिक आर्यन के पास आने वाले दो साल के लिए फिल्मों की लंबी लिस्ट है। एक्टर लगातार अलग-अलग जॉनर की फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने नए अंदाज में आने की तैयारी कर रहे हैं। कार्तिक की अगली फिल्मों में फैंटेसी कॉमेडी 'नागजिला: नाग लोक का पहला कांड' शामिल है। यह फिल्म 12 फरवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा वह श्रीलीला के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसकी रिलीज डेट 30 अप्रैल, 2027 तय की गई है। वहीं, कबीर खान के निर्देशन में बन रही फिल्म 'लड़ाकू' भी कार्तिक की अपकमिंग फिल्मों में शामिल है। रियल लाइफ घटनाओं से प्रेरित इस ड्रामा फिल्म के जरिए कार्तिक बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू करेंगे। फिल्म 18 जून, 2027 को रिलीज होगी और इसे बिरला स्टूडियोज, कबीर खान एंटरटेनमेंट और डोपामाइन स्टूडियोज मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा कार्तिक के पास 'कैप्टन इंडिया' भी है। शिमित अमीन के निर्देशन में बन रही यह एविएशन ड्रामा फिल्म एक वास्तविक रेस्क्यू मिशन से प्रेरित है। इसमें कार्तिक एक ऐसे पायलट की भूमिका निभाएंगे, जो लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एक बड़े इवैक्यूएशन ऑपरेशन की अगुवाई करता है। फिल्म 13 अगस्त, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



हिंदी सिनेमा में कभी नहीं मिला साउथ जैसा सम्मान

शादी और बच्चों की परवरिश के लिए फिल्मों से लंबा ब्रेक लेने वाली एक्ट्रेस समीरा रेड्डी ने इसी साल अप्रैल में संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' से बड़े पर्दे पर वापसी की थी. इन दिनों वह गोवा में अपने दोनों बच्चों के साथ रहती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर अपने मजेदार और बिंदास अंदाज के जरिए हमेशा फैंस से जुड़ी रहती हैं. इसी बीच पर्दे पर लौटने के बाद से ही समीरा ने अपने फिल्मी सफर और बॉलीवुड-साउथ इंडस्ट्री के फर्क पर खुलकर बात की है.इंटरव्यू में समीरा रेड्डी ने बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के फर्क पर खुलकर अपनी राय रखी. चिरंजीवी, जूनियर एनटीआर, सूर्या, अजित और मोहनलाल जैसे बड़े सितारों के साथ काम कर चुकीं समीरा ने साउथ के दिनों को याद करते हुए कहा,

एक्ट्रेसेस के काम के घंटों पर क्या बोलीं समीरा

दीपिका पादुकोण के बयान के बाद इंडस्ट्री में नई मां बनने वाली एक्ट्रेसेस के वर्किंग आवर्स (काम के घंटों) को लेकर छिड़ी बहस पर भी समीरा ने अपनी राय रखी. उन्होंने बताया कि मुंबई में न रहने के कारण काम जल्दी निपटाने के लिए उन्होंने लगातार और एक्स्ट्रा शिफ्ट में भी काम किया है. हालांकि, उन्होंने नई मांओं की चुनौतियों को भी समझा.

संजय दत्त की वजह से संभव हो पाया कमबैक

फिल्मों से दूर रहने और फिर वापसी करने की वजह बताते हुए समीरा ने संजय दत्त की जमकर तारीफ की. उन्होंने बताया कि गोवा में अपने बच्चों की देखभाल में बिजी रहने के कारण हफ्तों तक घर से दूर रहकर शूटिंग करना उनके लिए मुश्किल था.



हमारी फिल्म ऑस्कर में नहीं गई, कोई बात नहीं, मेरे लिए दर्शकों का प्यार कहीं ज्यादा बड़ा है

अभिनेत्री शरवरी की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' का ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चयन नहीं हुआ है। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक फिल्म भारत की ओर से ऑस्कर में भेजे जाने की मजबूत दावेदारों में शामिल थी। हालांकि, आखिर में मराठी फिल्म 'गोंधल' को भारत की आधिकारिक एंट्री के लिए चुना गया।

अगर हमारी फिल्म ऑस्कर में जाती...

हर साल फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ऑस्कर के इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक फिल्म भेजता है। इस बारे में बातचीत में शरवरी ने कहा, 'हमारे लिए कोई भी जीत बड़ी जीत है। यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि किस फिल्म को चुना गया है। यह कोई रेस नहीं है। 'गोंधल' एक शानदार फिल्म है। मैंने खुद यह फिल्म देखी है। यह एक मराठी फिल्म है और मुझे इस पर भी बहुत गर्व है। यह एक बेहतरीन फिल्म है, जिसमें दुनिया को बताने के लिए बहुत कुछ है। यह बहुत अच्छी बात है कि इस फिल्म को आगे बढ़ने का मौका मिला है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर हमारी फिल्म ऑस्कर में जाती, तो वह भी बहुत अच्छी बात होती। इसमें बुरा क्या होता? लेकिन इस बात को लेकर हमारे मन में कोई नाराजगी नहीं है।'

दुर्भाग्य से इसकी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही

शरवरी ने मैं वापस आऊंगा पर बात करते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से इसकी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही थी। कई बार लोगों को लगता था कि यह ऐसी फिल्म नहीं है, जिसे सिनेमाघरों में रिलीज होना चाहिए। लेकिन आखिरकार यह फिल्म बनकर सामने आई। इसके लिए बहुत हिम्मत की जरूरत थी। मुझे लगता है कि यह इम्तियाज सर की सोच और उनका विजन था। दर्शकों ने जिस तरह से हमें प्यार दिया, वह बहुत खास था। इसलिए अगर हमारी फिल्म ऑस्कर में नहीं गई, तो भी कोई बात नहीं। मेरे लिए दर्शकों का प्यार किसी भी दूसरी चीज से कहीं ज्यादा बड़ा है।'

अब आयुष्मान खुराना के साथ आएंगी नजर

शरवरी अब सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ अभिनेता आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। सूरज आर. बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक पारिवारिक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें आयुष्मान और शरवरी के अलावा अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन और स्वानंद किरकिरे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बता दें कि 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।





एक्शन ड्रामा सीरीज 'काला' में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही सीरीज 'काला' में अभिनय करते नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक सीरीज की शूटिंग का काम जारी है। यह किरदार एक्टर के बाकी किरदारों से काफी अलग होगा। फिल्म की शूटिंग पुणे में हो रही है। सिद्धांत चतुर्वेदी आगामी दिनों में एक एक्शन ड्रामा सीरीज में दिखाई देंगे। मिली जानकारी के मुताबिक वह जल्द भी सीरीज 'काला' से फैंस का मनोरंजन करेंगे। इस सीरीज की कहानी झारखंड के कोयला माफिया पर आधारित है। इसकी शुरुआत 1960 के दशक से होगी। कहानी में कई दशकों के दौरान कोयले के कारोबार में आए बदलाव, अपराध और उससे जुड़ी राजनीति को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में वह अहम भूमिका निभाई रहे हैं। सीरीज का निर्देशन अभिषेक चौबे कर रहे हैं। वहीं इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है।

विकास बहल के साथ दूसरी फिल्म

सिद्धांत ने हाल ही में विकास बहल की फिल्म 'बोलो बोलो बोलो' का ब्रिटेन में शूटिंग खत्म की है। विकास के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में सिद्धांत के साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन नजर आएंगी। 'बोलो बोलो बोलो' की कहानी 1990 के दशक के ब्रिटेन की है। फिल्म में उस दौर में पंजाबी संगीत के बढ़ते चलन को दिखाया जाएगा। सिद्धांत इसमें ढोल बजाने वाले कलाकार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, अलिजेह अग्निहोत्री गायिका के किरदार में हैं। जिम्मी शेरगिल और मोना सिंह भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे एक्टर

इस सब के अलावा अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी दिग्गज फिल्मकार वी. शांताराम की जीवनी पर बन रही फिल्म में भी नजर आएंगे।। इसमें वह वी. शांताराम की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट या बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई।

'किंग' से कोई क्लैश नहीं चाहते हैं सलमान खान

सलमान खान अपनी फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज के लिए 4 दिसंबर की डेट चुन चुके हैं। वहीं, शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। दोनों फिल्मों के बीच संभावित टकराव की चर्चाओं पर सलमान ने कहा कि वह शाहरुख और उनकी बेटी सुहाना की फिल्म से मुकाबला नहीं करना चाहते थे। हैदराबाद में एक शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने अपनी रिलीज डेट चुनने की वजह भी बताई। सलमान ने कहा...'शाहरुख 24 तारीख को आ रहे हैं। मैं शाहरुख-सुहाना के साथ कोई क्लैश नहीं चाहता। हालांकि, मुझे 'एवेंजर्स: डूम्सडे' और 'ड्यून' जैसी हॉलीवुड फिल्मों से मुकाबले को लेकर कोई चिंता नहीं है।' सलमान के मुताबिक, इन फिल्मों के साथ क्लैश करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। सलमान ने कहा कि 26 जनवरी की डेट भी अच्छी थी, लेकिन उस दौरान संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' रिलीज हो रही है, वह उनसे भी क्लैश नहीं चाहते थे। इसके बाद मार्च में खुद सलमान की ही 'मॉन्स्टर' भी आनी है। वहीं, 4 दिसंबर को श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' भी रिलीज हो रही है।

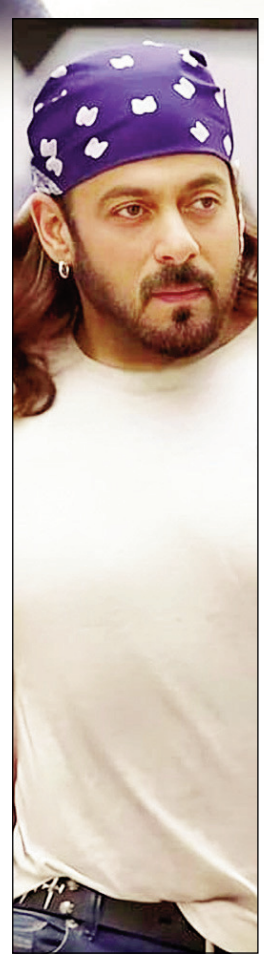

'बिरजू लोहार' के बाद अलग अंदाज में दिखेंगे मोहित

टाइगर की आने वाली इस फिल्म में 'मिर्जापुर द मूवी' के एक्टर की एंट्री हो गई है, जो विलेन के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' में बिरजू लोहार का किरदार निभाने वाले अभिनेता मोहित मलिक भी टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'वज्र' का हिस्सा बन गए हैं। खास बात यह है कि वह फिल्म में टाइगर श्रॉफ के खिलाफ विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मोहित मलिक और टाइगर श्रॉफ पहली बार किसी फिल्म में साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म में मोहित के किरदार को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि उनकी भूमिका कहानी के लिहाज से काफी अहम होगी। फिल्म की शूटिंग जापान में भी किए जाने की उम्मीद है। मोहित मलिक इससे पहले अपने चर्चित किरदार बिरजू लोहार को लेकर सुर्खियों में रहे थे। अब 'वज्र' में वह एक अलग तरह का किरदार निभाने जा रहे हैं। इस बार वह पर्दे पर नेगेटिव भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि 'वज्र' में मोहित का किरदार काफी दिलचस्प है। टाइगर श्रॉफ के सामने विलेन बनकर उन्हें एक अलग अंदाज में खुद को पेश करने का मौका मिलेगा।

फिल्म की कहानी एक्शन पर आधारित है। राम माधवानी के निर्देशन में बन रही 'वज्र' को लेकर दर्शकों के बीच अभी से एक्साइटमेंट है। वहीं, महावीर जैन इस फिल्म के निर्माता हैं। फिलहाल 'वज्र' की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

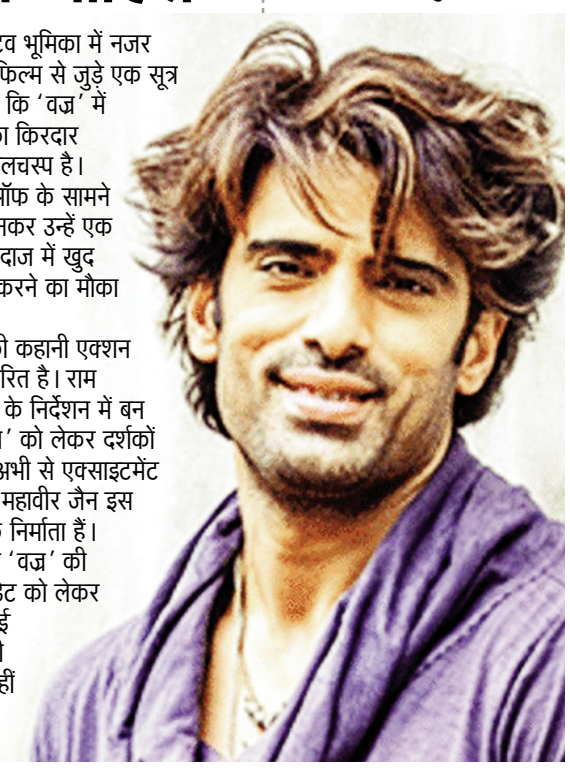

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान

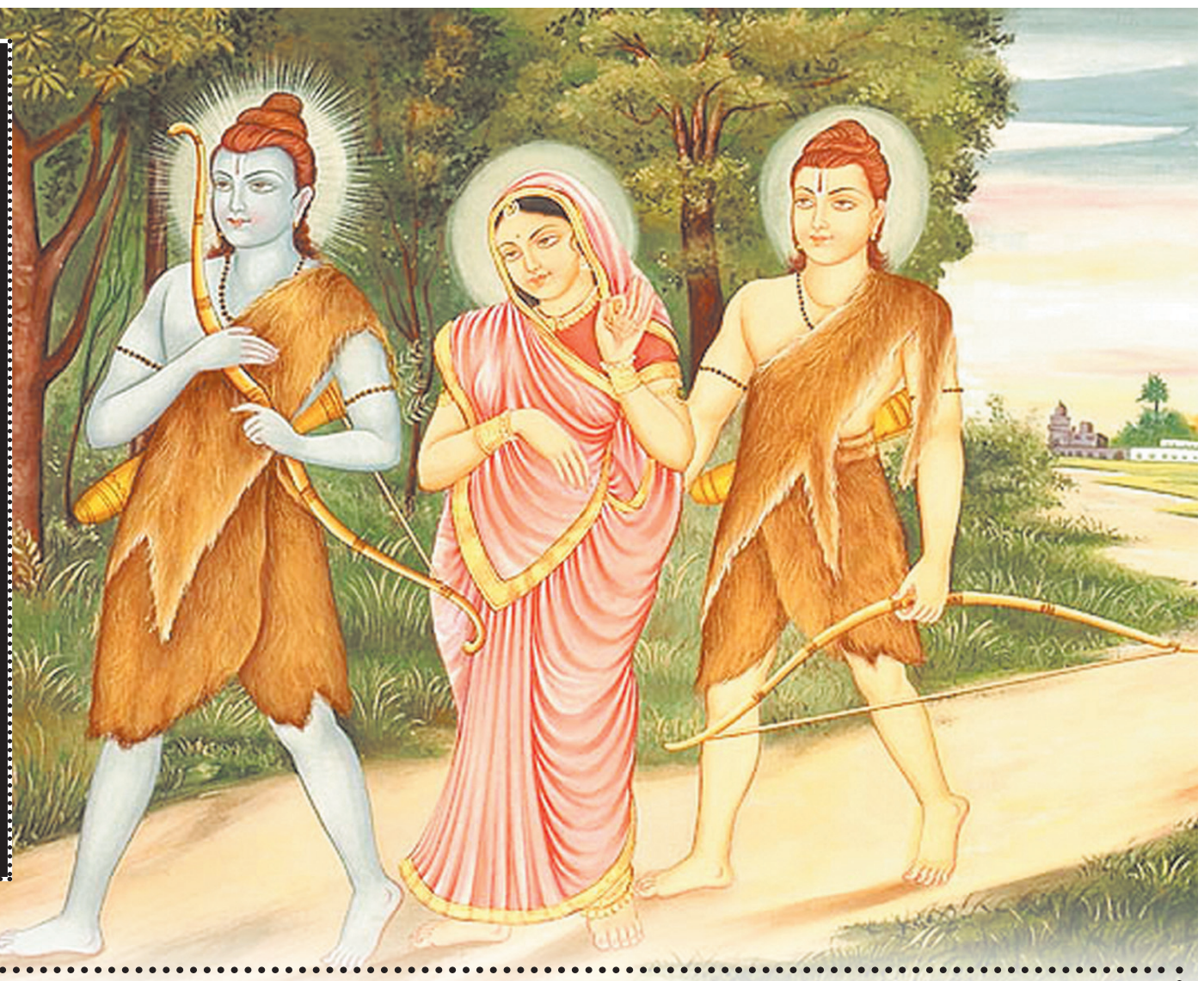

जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं- पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी-ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान-विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन-दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि-कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि- ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं- स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।



बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

सरल उपाय अपनाएं शर्तियां वास्तुदोष भगाएं



- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते-बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे-फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?



सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को क्रू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये शनैः शनैः चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र- ऊँ गं गणपतये नमः का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।